राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

11

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 | अंक : 214 पटना (बिहार) गुरुवार, 05 जून 2025 | पेज - 12 | मूल्य: 1 | R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

बेंगलुरु स्टेडियम में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत

ब्यूरो

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है और 33 लोग घायल हो गए हैं.टक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को ये जानकारी दी.एक लाख से भी ज्यादा फैंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाने के लिए स्टेडियम के बाहर जमा हुए थे.आरसीबी टीम का स्वागत करने और 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी की जीत का जश्न मनाने के लिए युवा, महिलाएं, पुरुष यहां तक की बुजुर्ग भी सड़कों के किनारे खड़े थे. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, चिन्नास्वामी स्टेडियम के गेट पर भगदड़ मच गई. जब यह हादसा हुआ, उस समय स्टेडियम का गेट नहीं खुला था और बड़ी संख्या में लोग एक छोटे से गेट को धक्का देकर तोड़ने की कोशिश कर रहे थे कि इसी दौरान भगदड़ मच गई. नाम न बताने की शर्त पर एक अन्य पुलिस अधिकारी ने भी बताया, ₹करीब एक लाख लोगों के आने की उम्मीद थी लेकिन संख्या दो लाख के आसपास पहुंच गई. स्टेडियम के आसपास भी काफी लोग जमा हो गए गए थे. पीएमओ ने एक्स पोस्ट में लिखा है, बेंगलुरु की दुर्घटना बहुत ही दुखद है. इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है. मैं ये कामना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं, वो जल्द स्वस्थ हो जाए. आरसीबी टीम विशेष विमान से पुराने एचएएल हवाई अड्डे पर पहुंची, यहां उसका स्वागत कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया और उन्हें एक जुलूस के रूप में होटल ले जाया गया. स्वागत समारोह से पहले राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य मंत्रियों ने टीम का अभिनंदन किया. इसके बाद टीम को फिर से जुलूस के रूप में स्टेडियम जाना था.इसी दौरान बारिश शुरू हो गई और फिर इसी समय भगदड़ भी मच गई. इसके कारण टीम फिर से होटल लौट आई. शहर के अलग अलग हिस्सों से आरसीबी नंबर 18 जर्सी पहने हुए लोग अपने वाहनों पर सवार होकर स्टेडियम की तरफ बढ़ रहे थे. मेट्रो ट्रेनें इतनी भरी थीं कि कई लोग मेट्रो में सवार ही नहीं हो पाए. इस दौरान लोग 'आरसीबी...आरसीबी...' का नारा लगा रहे थे. ऑटोरिक्शा और टैक्सियों ने स्टेडियम के पास जाने से मना कर दिया और जो गए उन्होंने भी यात्रियों से ज्यादा पैसे लेकर यात्रियों को स्टेडियम से तीन किलोमीटर पर पहले ही उतार दिया.

भगदड़ में मौत की खबर फैलते ही लोग मेट्रो स्टेशन की ओर भागने लगे. हालात यह हो गए कि मेट्रो अधिकारियों को स्टेडियम के आसपास का स्टेशन बंद करना पड़ा. इस हादसे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक्स पर पोस्ट कर संवेदनाएं जाहिर की हैं.सीएम सिद्धारमैया ने लिखा, ₹बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी टीम की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में कई लोगों की जान जाने और कई के गंभीर रूप से घायल होने की खबर सुनकर हमें गहरा सदमा लगा है.उन्होंने लिखा, इस त्रासदी के दर्द ने जीत की खुशी को भी खत्म कर दिया है. मृतकों की आत्मा को शांति मिले. मैं घायलों और अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं. सीएम सिद्धारमैया ने बताया कि ऐसी भगदड़ और भीड़ के बेकाबू होने की आशंका के चलते ही टीम को विक्ट्री परेड में मार्च करने की अनुमति नहीं दी गई थी. उनके मुताबिक स्टेडियम के पास लोगों की भीड़ के कारण मची भगदड़ की वजह से यह दुर्घटना हुई. सीएम ने लिखा, मैं जनता से अपील करता हूं कि वे समझें कि उनका जीवन अनमोल है और वो अपनी सुरक्षा को पहली प्राथमिकता दें. कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक्स पर पोस्ट किया, लोग आरसीबी की आईपीएल में जीत के जश्न का गवाह बनने आए थे. लेकिन इस त्रासदी से हमें बेहद दुख पहुंचा है और धक्का लगा है. जिनकी मौत हुई है उनके परिवारों को मेरी संवेदना. जीत पर हमें गर्व है लेकिन ये किसी की ज़िंदगी से बड़ा नहीं हो सकता. मैं सभी से अपील करता हूं कि वो सुरक्षा का ध्यान रखें. उन्होंने कहा कि वो अभी अस्पताल नहीं जा रहे हैं ताकि डॉक्टर बिना किसी बाधा के घायलों का इलाज कर सकें.तस्वीरों में देखा जा सकता है कि बेकाबू भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस लाठी चार्ज कर रही है बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना को लेकर बीजेपी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया है.कर्नाटक बीजेपी ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए एक्स पर पोस्ट किया, 7 लोगों की मौत. कांग्रेस सरकार की गैर-ज़िम्मेदारी के कारण मची भगदड़ में कई लोग ज़िंदगी और मौत से जूझ रहे हैं. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई उपाय नहीं. कोई बुनियादी व्यवस्था नहीं. सिर्फ अराजकता. कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर हमला बोलते हुए कर्नाटक बीजेपी ने लिखा,जब निर्दोष लोग मर रहे थे, तब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार क्रिकेटरों के साथ रील शूट करने और लाइमलाइट बटोरने में व्यस्त थे. शर्म आनी चाहिए इस फोटो-ऑप कांग्रेस सरकार पर. यह आपराधिक लापरवाही है. कर्नाटक विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा एमएलसी नारायणस्वामी ने कहा, यह त्रासदी सरकार की वजह से हुई. उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि कितने लोग आएंगे, क्या सावधानियां बरतनी होंगी. यह सुरक्षा में चूक है

चिराग ने तो मुजफ्फरपुर दुष्कर्म कांड में सरकार की कलई खोल दी

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार की सियासत में मुजफ्फरपुर की नाबालिग दलित बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला गरमाया हुआ है. विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष के सहयोगी भी सवाल उठा रहे हैं. अब एलजेपीआर चीफ और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इसको लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा है. जिसमें उन्होंने खराब कानून-व्यवस्था के साथ-साथ बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का जिक्र किया है. चिराग ने नीतीश को लिखा पत्रः चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस घटना पर चिंता जताई है और कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा कि 26 मई को मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी क्षेत्र में दलित बच्ची साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर नृशंस हत्या के प्रयास की घटना ने पूरे बिहार को झकझोर दिया है. यह हृदयविदारक घटना न केवल एक मासूम जीवन की बर्बर हत्या है, बल्कि हमारे राज्य की कानून व्यवस्था, सामाजिक चेतना और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की गहन विफलता को भी उजागर करती है. 'डॉक्टर भी मामले में दोषी': केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीड़िता ने 6 दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष किया लेकिन 1 जून को पीएमसीएच पटना में दम तोड़ दिया. दुर्भाग्यवश बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए लगातार छह घंटे तक उसे एम्बुलेंस में ही तड़पते हुए इंतजार करवाया गया. यह तथ्य अत्यंत पीड़ादायक है कि जिन दरिंदों ने उस मासूम बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया, वे जितने दोषी हैं उतने ही दोषी पीएमसीएच अस्पताल के डॉक्टर और प्रशासनिक स्टाफ भी हैं. जिन्होंने बच्ची को बचाने के लिए जरूरी उपचार देने के बजाय उसे एंबुलेंस में ही छोड़ दिया. सीएम से एक्शन की मांगः एलजेपीआर चीफ ने इस जघन्य अपराध में शामिल सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कठोरतम दंड देने की मांग की है. साथ ही पीएमसीएच अस्पताल प्रशासन, डॉक्टरों और स्टाफ की भूमिका की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराने और इलाज में जानबूझकर देरी और अमानवीयता दिखाने वाले कर्मियों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज कर तुरंत सेवा से निलंबन और कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है. हम, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रतिनिधियों के रूप में पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें हरसंभव न्याय दिलाने का भरोसा दिला चुके हैं लेकिन जब तक शासन और प्रशासन दोनों स्तरों पर इस घटना से जुड़े हर दोषी पर सख्त और पारदर्शी कार्रवाई नहीं होती. तब तक न्याय अधूरा और अस्वीकार्य रहेगा. इसलिए मुख्यमंत्री से आग्रह करते हैं कि मामले में कठोर कार्रवाई की जाए.- चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री सह अध्यक्ष, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) क्या है मामला?: दरअसल 26 मई को मुजफ्फरपुर में एक बच्ची के साथ पहले दुष्कर्म किया गया फिर उसके पेट पर चाकू घोंपा गया. नाजुक हालत में एसकेएमसीएच में भर्ती कराया. पीड़िता की गंभीर स्थिति को देखते हुए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया. जहां भर्ती के कुछ घंटे बाद उसकी मौत हो गई. परिजनों ने आरोप लगाया कि एडमिट कराने में ही 5-6 घंटे लगा दिया गया. बच्ची अस्पताल गेट पर एंबुलेंस में पड़ी रही. इलाज शुरू होने में देरी के कारण उसको बचाया नहीं जा सका. अब तक क्या कार्रवाई हुई?: स्वास्थ्य विभाग ने जहां पीएमसीएच उपाधीक्षक और एसकेएमसीएच अधीक्षक को हटाते हुए जांच का आदेश दिया है, वहीं मुजफ्फरपुर एसएसपी ने तुर्की थाना के प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है.

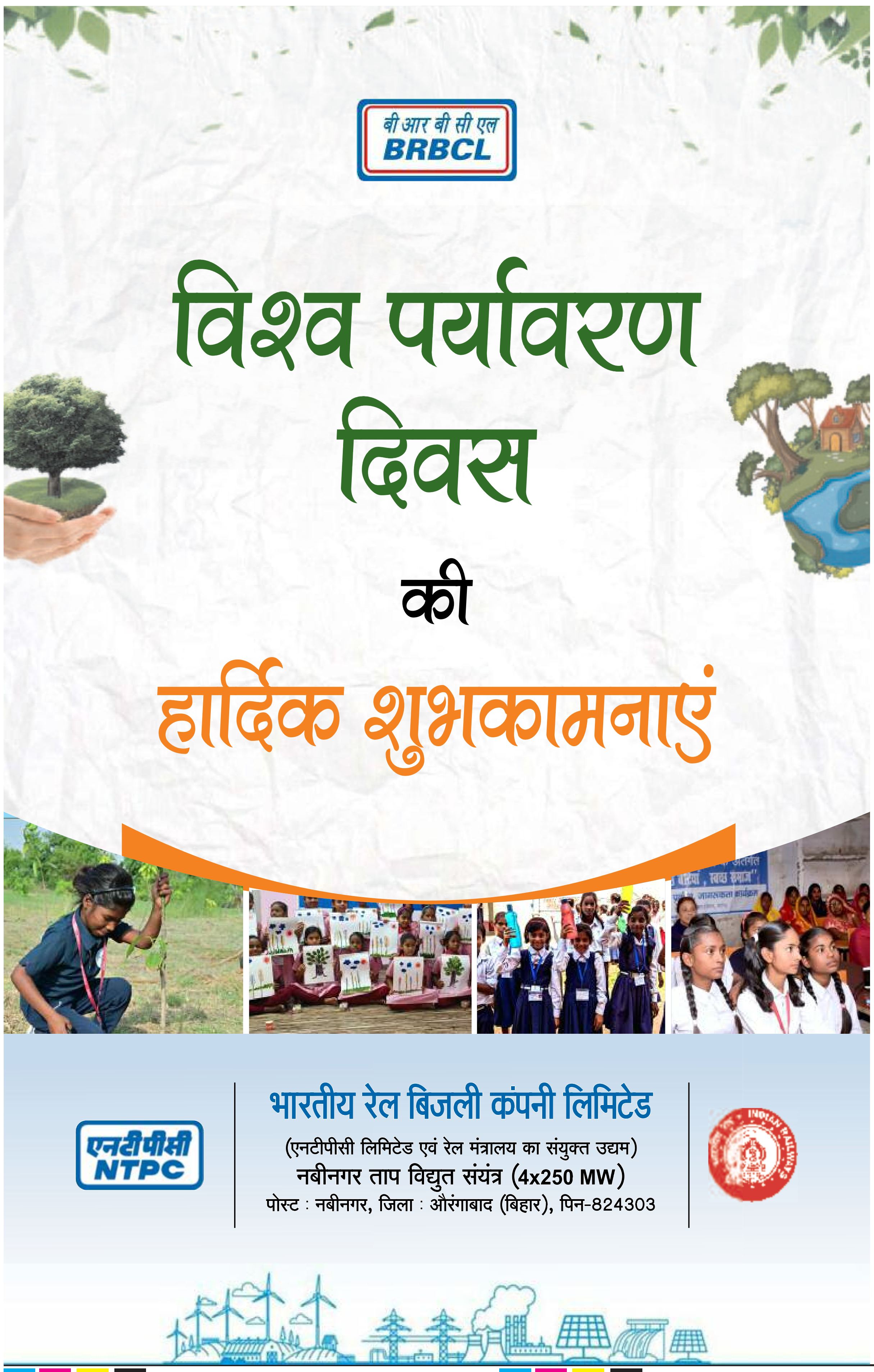

भारत ने पाकिस्तान के 9 से अधिक ठिकानों को पहुंचाया नुकसान, ऑपरेशन सिंदूर पर डोजियर में कबूलनामा

नई दिल्ली । पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकियों के ठिकाने को ध्वस्त किया था। इसी बीच पाकिस्तान डोजियर ने भारत के हमले में हुए नुकसान को लेकर बड़ा कबूलनामा किया है। पाकिस्तान के ऑपरेशन 'बुनयान उन मार्सोस' पर आधिकारिक डोजियर में बताया गया है कि भारत ने कम से कम आठ अतिरिक्त ठिकानों पर हवाई हमला किया है। जिनका खुलासा भारत की तरफ से पहले नहीं किया गया था। पाकिस्तानी डोजियर के सैटेलाइट इमेज में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, बहावलनगर, अटक और छोर जैसे प्रमुख शहर है, जिसमें तबाही का जिक्र किया गया है। आपको बता दें कि भारतीय वायु सेना या सैन्य संचालन महानिदेशक ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की सार्वजनिक रूप से जानकारी दी थी। यह डोजियर 'ऑपरेशन सिंदूर' के द्वारा पाकिस्तान को हुए नुकसान को लेकर बड़ी जानकारी देता है और इसे पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के लिए तत्काल आह्वान के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आंतकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरुकता के लिए शिक्षा मंत्रालय की पहल

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में एमवाईजीओवी प्लेटफॉर्म पर जागरूकता प्रश्नोत्तरी शुरू की है। इसका उद्देश्य तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना और लोगों को इसके विकल्पों के महत्व के बारे में बताना है। शिक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि इस प्रश्नोत्तरी को 12 भाषाओं में उपलब्ध कराया गया है, जिनमें अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी, ओड़िया और पंजाबी शामिल हैं। प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वालों को 10 प्रश्नों के लिए 300 सेकेंड का समय दिया गया है। यह प्रश्नोत्तरी 22 जुलाई तक चलेगी। उल्लेखनीय है कि 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है।

यह प्रश्नोत्तरी मुफ्त है और सभी के लिए सुलभ है। सभी प्रतिभागियों को एमवाईजीओवी की ओर से डिजिटल प्रमाणपत्र मिलेगा, जो एक स्वस्थ और तंबाकू मुक्त भारत के निर्माण में उनके योगदान को मान्यता देगा। प्रश्नोत्तरी में भागीदारी आसान है और सभी के लिए खुली है।

दिल्ली में फुटपाथ पर कबूतरों को दाना डालने की प्रथा पर एनजीटी सख्त

नई दिल्ली। दिल्ली में फुटपाथ और सड़कों पर कबूतरों को दाना डालने की प्रथा को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार और विभिन्न एजेंसियों को नोटिस भेजा है। एनजीटी ने दिल्ली सरकार के साथ पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एक आवेदन के बाद जारी किया गया, जिसमें कबूतरों के सूखे मल के धूल के साथ मिलने से होने वाले नुकसान की समस्या उठाई गई थी। आवेदन करने वाले कानून के छात्र अरमान पल्लीवाल ने दावा किया कि कबूतरों का मल गंभीर फेफड़ों की बीमारियां जैसे हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस का कारण बनता है, जिससे फेफड़ों में जख्म और सांस लेने में कठिनाई होती है। आवेदन में कहा गया कि कबूतरों को खिलाने और उनकी संख्या बढ़ने के कारण, वे फुटपाथ और यातायात वाले स्थानों पर मल त्यागते हैं, और जब इन भोजन वाले क्षेत्रों को साफ किया जाता है, तो सूखे मल के विषैले कण धूल के साथ मिल जाते हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। गत 29 मई को पारित अपने आदेश में न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि एनजीटी के समक्ष दायर आवेदन में पर्यावरण मानदंडों के अनुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया गया है।

देश हित कांग्रेस के लिए मायने नहीं रखता : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली । भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सलमान खुर्शीद और शशि थरूर पर कांग्रेस के हमलावर होने पर सवालिया लहजे में कहा कि विदेश की धरती पर देश हित की बात करना गुनाह हो गया है क्या कांग्रेस पार्टी के लोग हर चीज में अपनी राजनीति को देखते हैं, देश हित उनके लिए मायने नहीं रखता है। उन्होंने कहा कि यह बहुत शर्म की बात है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं को कोसने में लगी है और यह वह नेता हैं, जो विदेश की धरती पर भारत की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा से जुड़े मसले पर विभिन्न दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल विदेश में है, निश्चित रूप से वह भारत की बात करेंगे, भारत का पक्ष रखेंगे और कहीं ना कहीं पाकिस्तान ने क्यों आतंकवाद को अपने यहां पनाह दे रखा है, उसे बात को स्पष्ट कहेंगे और ऐसा उनसे अपेक्षा भी की जाती है।

सर्जिकल स्ट्राइक शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को दी गई थी जानकारी : सीडीएस

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि हमने 7 मई को सर्जिकल स्ट्राइक शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि किसी भी मिलिट्री ऑपरेशन में नुकसान होना महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि सफलता लक्ष्य पाने से आंकी जाती है। उन्होंने कहा कि तकनीकी मापदंडों के आधार पर विशेष डेटा निकाल कर इस संघर्ष में हुए नुकसान की जानकारी साझा की जाएगी। सीडीएस जनरल अनिल चौहान आज पुणे में सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी के रक्षा एवं रणनीतिक विभाग की ओर से 'फ्यूचर वार एंड वारफेयर' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। पिछले दिनों सिंगापुर में दिए गए बयान की चर्चा अभी खत्म भी नहीं हुई थी कि उन्होंने आज कहा कि हमने 7 मई को सर्जिकल स्ट्राइक

शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। इसके बाद जब पाकिस्तान की तरफ से बयानबाजी हुई, तो हमने यह भी कहा कि अगर पाकिस्तान हम पर हमला करता है, सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करता है, तो हम जवाबी हमला करेंगे, उन पर और भी जोरदार हमला करेंगे। सिंगापुर में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की तरफ से हुए नुकसान के बारे में पूछे जाने पर सीडीएस ने कहा कि जब मुझसे हमारी तरफ से हुए नुकसान के बारे में पूछा गया, तो मैंने कहा कि ये महत्वपूर्ण नहीं है। परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं, ये महत्वपूर्ण है। नुकसान के बारे में बात करना बहुत सही नहीं होगा। मान लीजिए आप क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने जाते हैं और आप किसी तरह से जीत जाते हैं, तो कितने विकेट, कितनी गेंदें और कितने खिलाड़ी हैं, इसका सवाल नहीं रह जाता है। तकनीकी मापदंडों के आधार पर हम यह विशेष डेटा निकालेंगे और आपके साथ साझा करेंगे। हम आपको बताएंगे कि हमने कितने विमान नष्ट किए और कितने रडार नष्ट किए। हम इसका एक मोटा आकलन करेंगे और जल्द ही इसके बारे में बताएंगे। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि 10 मई को रात करीब 1 बजे उनका (पाकिस्तान का) लक्ष्य भारत को 48 घंटे में घुटने टेकने पर मजबूर करना था।

13वीं पेंशन अदालत कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह बुधवार को विज्ञान भवन में 13वीं पेंशन अदालत कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान वे काफी समय से लंबित 415 पारिवारिक पेंशन शिकायतों का निवारण कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस दौरान 19 विभागों तथा मंत्रालयों के पारिवारिक पेंशन मामलों से सम्बंधित 415 शिकायतों को निवारण के लिए अदालत में सुनवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य पुरानी और लंबे समय से लंबित शिकायतों का समाधान करना है। इससे पेंशनभोगियों को पारिवारिक पेंशन शुरू होने में देरी के कारण भारी बकाया के रूप में हो या प्रक्रियागत देरी के कारण पेंशन का सही तरीके से प्रसंस्करण और वितरण न किये जाने की स्थिति में उनके उचित हक का भुगतान करने में सुविधा होगी।

अब समय से पता चल जाएगा मतदान प्रतिशत

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदान रुझानों की समय से जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अपनी प्रक्रिया को तकनीकी और त्वरित बनाने का निर्णय लिया है। इससे पुराने मैनुअल तरीके की तुलना में देरी कम होगी और मतदान प्रतिशत से जुड़ी जानकारी समय पर मिल सकेगी। इससे पहले मतदान प्रतिशत का आंकड़ा क्षेत्रीय अधिकारी फोन, संदेश या एसएमएस से भेजता था। जानकारी देर रात या अगले दिन तक अपडेट होती रहती थी। इससे असल आंकड़े जारी होने में 4 से 5 घंटे की देरी होती थी और कई बार इससे गलत धारणाएं बनती थीं। आयोग का कहना है कि नई प्रक्रिया से यह समस्या समाप्त होगी। चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 49एस के अंतर्गत, प्रत्येक मतदान केंद्र के 'प्रेसाइडिंग ऑफिसर' को मतदान समाप्ति के बाद 'फॉर्म 17सी' मतदान एजेंटों को देना आवश्यक है। यह कानूनी प्रावधान यथावत रहेगा। इसके साथ ही 'वोटर टर्नआउट'(वीटीआर) ऐप को अब एक नया रूप दिया जा रहा

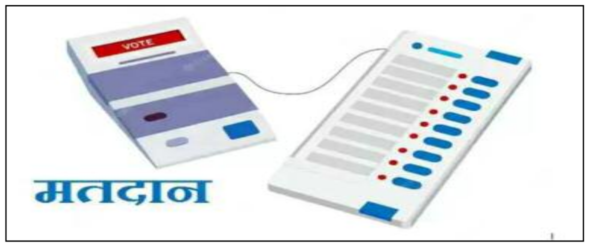

है। इसका उद्देश्य आंकड़ों को तेजी से अपडेट करना है। नया 'वीटीआर ऐप' अब 'ईसीआईनेट' का हिस्सा बनेगा और बिहार चुनाव से पहले पूरी तरह लागू किया जाएगा। चुनाव आयोग के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लगातार समय से जानकारी हितधारकों तक पहुंचाने पर जोर देते रहे हैं। अब नए सिस्टम में हर 'प्रेसाइडिंग ऑफिसर' मतदान के दिन हर दो घंटे में सीधे 'ईसीआईनेट' ऐप पर मतदान प्रतिशत दर्ज करेगा। यह आंकड़े स्वतः निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र होंगे। मतदान प्रतिशत हर दो घंटे में पहले की तरह प्रकाशित होते रहेंगे। वहीं, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतदान केंद्र छोड़ने से पहले 'प्रेसाइडिंग ऑफिसर' ईसीआईनेट ऐप में आंकड़े दर्ज करेगा। नेटवर्क उपलब्ध न होने की स्थिति में जानकारी ऑफलाइन दर्ज की जा सकेगी और नेटवर्क उपलब्ध होते ही सिंक हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के 'योग आंध्र-2025' अभियान को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश सरकार के 'योग आंध्र-2025' अभियान की सराहना की है, जिसका उद्देश्य योग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से निश्चित रूप से लोगों को लाभ होगा। मोदी ने कहा कि वे 21 जून को आंध्र प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के चित्तूर के निकट आयोजित योग आंध्र 2025 कार्यक्रम में योग प्रेमियों की जीवंत भागीदारी की सराहना की। यह कार्यक्रम पुलिगुंडु ट्विन हिल्स के बीच आयोजित किया गया, जहां 2000 से अधिक योग प्रेमी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025 की तैयारी के लिए आंध्र प्रदेश में महीने भर चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए एकत्रित हुए। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा, योग दिवस 2025 के प्रति उत्साह देखकर खुशी हो रही है। योग

आंध्र-2025 योग को लोकप्रिय बनाने के लिए आंध्र प्रदेश के लोगों द्वारा किया गया एक सराहनीय प्रयास है। मैं 21 तारीख को आंध्र प्रदेश में योग दिवस मनाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। मैं आप सभी से योग दिवस मनाने और योग को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाने का आह्वान करता हूं।'

योग आंध्र-2025 अभियान के मुख्य बिंदुः

- आंध्र प्रदेश में योग को बढ़ावा देने के लिए एक महीने का अभियान
- 1.13 करोड़ से अधिक लोगों ने योगाभ्यास के लिए पंजीकरण कराया
- 21 जून को विशाखापत्तनम में योग दिवस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे
- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे
- योग सत्रों का आयोजन समुद्र तटों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किया जा रहा है ।

इस अभियान के तहत आंध्र प्रदेश सरकार ने जिला-स्तरीय प्रशिक्षण, मंडल-स्तरीय आउटरीच और गांव-स्तरीय कार्यक्रमों की योजना बनाई है। लगभग 100 पर्यटक स्थलों पर थीम-आधारित योग जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपने जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

राष्ट्रपति ने प्रशासनिक अधिकारियों को विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी (आईएएस) विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने काम में प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग करना चाहिए ताकि वे अधिक कुशल और पारदर्शी प्रशासन प्रदान कर सकें। राष्ट्रपति मुर्मु ने मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में 127वें प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपने काम में निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने अधिकारों का उपयोग

सहानुभूति, निडरता और निष्पक्षता के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में आईएएस अधिकारियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने काम में गरीब और वंचित वर्गों के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे देश के विकास में पीछे न रह जाएं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार प्रशासन में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल टूल्स का उपयोग करके प्रशासन को अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को एआई, ई-गवर्नेंस और डिजिटल फीडबैक मैकेनिज्म में नवाचारों को अपनाने की सलाह दी।

पर्यावरण दिवस पर अरावली ग्रीन वॉल अभियान की शुरुआत करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। चार राज्यों में फैले अरावली जैव विविधता के संरक्षण के लिए केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय अरावली ग्रीनवॉल अभियान की शुरुआत करने जा रहा है। 5 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस अभियान की शुरुआत करेंगे। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महावीर जयंती पार्क में पौधारोपण के साथ इस अभियान को विस्तार भी देंगे। अरावली ग्रीन वॉल अभियान के तहत मृदा नमी संरक्षण, जैव विविधता, पर्यावरण परिवर्तन, वेटलैंड संरक्षण, प्रोटेक्टेड एरिया आदि पर कार्य किया जाएगा। इसमें वन एवं गैरवान क्षेत्र को चिन्हित कर उसी अनुरूप कार्य योजना तैयार की गई है। इस योजना के तहत जनभागीदारी के साथ क्षमता निर्माण, स्थानीय प्रजातियों के पौधा रोपण, चारागाह और जलाश्यों के संरक्षण पर जोर दिया जाएगा। केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अरावली एक पर्वत श्रृंखला ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति एवं शौर्यपूर्ण इतिहास का प्रवाह है जो हमारे लिए सदियों से प्रेरणा का स्त्रोत रही है। आगामी पीढ़ियां के लिए इसके भू दृश्य के पुनरुद्धार एवं जैव विविधता को संरक्षित करने के मकसद से यह अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान से चार राज्य जुड़ेंगे जिसमें राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात शामिल हैं।

आईपीयू ने ओपन-आई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन ने मुंबई स्थित ओपन-आई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। विश्वविद्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि इस समझौते का उद्देश्य प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, निवेशक नेटवर्क और कॉर्पोरेट साझेदारी के माध्यम से विकास के एक ढांचे की स्थापना करना है, ताकि स्टार्टअप इनक्यूबेटर की दक्षता और पहुंच को बढ़ाया जा सके।ओपन-आई एक अग्रणी खुला नवाचार और स्टार्टअप निवेश प्लेटफ़ॉर्म है जो उच्च-प्रभाव वाले स्टार्टअप और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़कर डिजिटल परिवर्तन को गति देने में मदद करता है। इसका सास प्लेटफ़ॉर्म सभी हितधारकों को सहयोग, सह-निर्माण और प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए जोड़ता है।

इस समझौते के मुख्य बिंदुः

- प्रौद्योगिकी हस्तांतरणः ओपन-आई के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से, आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सुधार कर सकेगा।
- निवेशक नेटवर्कः समझौता

ज्ञापन के तहत, आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन निवेशक नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त कर सकेगा।
- कॉर्पोरेट साझेदारीः समझौता ज्ञापन के माध्यम से, आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन कॉर्पोरेट साझेदारी में सुधार कर सकेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षताः

इस समारोह की अध्यक्षता गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने की। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. कमल पाठक, निदेशक अनुसंधान और नवाचार प्रो. सुधीर कुमार, निदेशक पूर्वी दिल्ली परिसर प्रो. ए के सैनी भी उपस्थित थे। ओपन-आई का प्रतिनिधित्व संस्थापक और सीईओ राजीव बाउंडानी ने किया। इस कार्यक्रम का आयोजन आईपीयू-आईआईएफ टीम द्वारा किया गया, जिसमें निदेशक आईपीयू-आईआईएफ प्रो. अजय सिंघोली शामिल थे।

ईंट भट्टों में धान की पराली से बने गोलों का प्रयोग करे हरियाणा और पंजाब सरकारः सीएक्यूएम

एजेंसी

नई दिल्ली । वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता खराब करने वाली धान की पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। आयोग ने हरियाणा और पंजाब की राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि वे एनसीआर से बाहर के जिलों में स्थित सभी ईट भट्ठों में धान की पराली से बने गोलों, ईंटों (ब्रिकेट्स) का उपयोग अनिवार्य करें। इसके साथ ही एक नवंबर 2028 तक धान की पराली से बने ईंटों का जलावन के रूप में 50 प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि आयोग का लक्ष्य फसल अवशेषों को खुले में जलाने की प्रथा को पूरी तरह से रोक देना और औद्योगिक क्षेत्र में स्वच्छ और टिकाऊ ईंधन विकल्पों को बढ़ावा देना है। धान की पराली से बने गोलों, ईंटों का जलावन के रूप में 50 प्रतिशत तक उपयोग बढ़ाने के उद्देश्य से, वैधानिक निर्देश हरियाणा और पंजाब राज्य सरकारों को जारी किया गया है। इसके अलावा, इन निर्देशों के अनुपालन की दिशा में की गई कार्रवाई से हर महीने आयोग को अवगत कराना भी जरूरी है।

राहुल गांधी के अचानक कैंपस दौरे पर डीयू वीसी ने कहा, प्रक्रिया को दरकिनार करना गलत

एजेंसी

नई दिल्ली, । दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के अनिर्धारित परिसर दौरे को 'प्रोटोकॉल का उल्लंघन' बताया और साथ ही इस तरह की 'प्रथाओं' को आगे न बढ़ाने की सलाह दी। क्योंकि, इससे गलत मिसाल कायम होगी। डीयू कुलपति ने को दिए साक्षात्कार में कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और प्रमुख राजनीतिक दल के शीर्ष नेता भी हैं। बेहतर होता कि वह विश्वविद्यालय के दौरे की योजना बनाते और प्रशासन को पहले से सूचित करते। उन्होंने कहा, 'इससे हमें उनके स्वागत की तैयारियों के लिए समय मिल जाता।'

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पिछले महीने डीयूएसयू कार्यालय का दौरा किया था, जिससे हंगामा मच गया था क्योंकि विश्वविद्यालय ने दावा किया था कि उनके अघोषित दौरे से परिसर में अराजकता और अशांति पैदा हुई और कुछ एनएसयूआई सदस्यों ने छात्रों के साथ दुर्व्यवहार भी किया। डीयू के कुलपति ने राहुल गांधी के

अचानक परिसर के दौरे पर आपत्ति जताई और कहा, 'दिल्ली विश्वविद्यालय में कई उच्च-प्रोफ़ाइल गणमान्य व्यक्ति आते हैं। एक मानक प्रोटोकॉल है जिसका सभी पालन करते हैं।

सभी को प्रक्रिया का पालन करना चाहिए, अन्यथा यह गलत संदेश देता है।' उन्होंने कहा कि राहुल पहले भी प्रशासन को सूचित किए बिना परिसर का दौरा कर चुके हैं और उन्होंने कांग्रेस नेता को प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है, ताकि छात्रों की सुविधा से समझौता न हो। प्रोफेसर योगेश सिंह ने लक्ष्मीबाई कॉलेज के प्रिंसिपल कार्यालय में डूसू अध्यक्ष रौनक खत्री के गलत आचरण की भी निंदा की और कहा कि किसी भी छात्र प्रतिनिधि को इस तरह के व्यवहार से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, 'रौनक खत्री डूसू अध्यक्ष हैं। यह उनके पद के लिए अनुचित है कि वे कॉलेज प्रिंसिपल से भिड़ें। यह निंदनीय और निंदनीय है।' एक महीने पहले, डूसू अध्यक्ष ने लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्रिंसिपल के साथ एक विवाद किया था, जब वे उनके कार्यालय में गए और उनके कार्यालय की दीवारों पर गोबर पोत दिया। घटना का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद काफी आलोचना हुई थी, लेकिन खत्री ने जोर देकर कहा कि यह प्रिंसिपल द्वारा कॉलेज की कक्षाओं को गर्मी से बचाने के लिए गोबर से पोतने के कदम के विरोध में था।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में लाया जाएगा महाभियोग प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी मानसून संसद सत्र में केंद्र सरकार दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी। भारत सरकार के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू इस मामले को लेकर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से चर्चा करेंगे। यह कदम मार्च में दिल्ली स्थित जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना के बाद उठाया गया है, जब बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। घटना मार्च की है, जब दिल्ली स्थित जस्टिस वर्मा के आवास के बाहरी हिस्से में आग लग गई थी। नोट की गड्डियों के बारे में खुलासा आग बुझाने के लिए पहुंचे अग्निशमन दल ने किया था। इसका एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। इसके बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। उन्होंने आरोपों से इनकार किया और उसे साजिश बताया था। इस मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने 22 मार्च को एक आंतरिक जांच शुरू की और न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए हाई कोर्ट के तीन न्यायाधीशों का पैनल भी बनाया। इस समिति में हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधवालिया, पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज अनु शिवरामन को शामिल किया गया। सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूर्व में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने दिल्ली उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है, जिसमें पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जीएस संधवालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनु शिवरामन शामिल हैं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को फिलहाल न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपने के लिए कहा गया है।

बैद्यनाथधाम ने ऑपरेशन सिंदूर में वीरता के लिए वायुसेना के जवान विनीत केसरी को सम्मानित किया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखण्ड,देवघ के बैद्यनाथधाम केसरवानी वैश्य सभा ने अपनी महिला सभा और तरुण सभा के साथ मिलकर आज भारतीय वायुसेना के वीर जवान और केसरवानी वैश्य सभा के कोषाध्यक्ष बिक्रम केसरी के छोटे भाई विनीत केसरी को सम्मानित करने के लिए एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। उस समारोह में सर्वश्री राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गजेन्द्र केसरी,राष्ट्रीय बरिष्ट सलाहकार हनुमान केसरी,राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मदन केसरी छेदी लाल केसरी, शम्भू नाथ केसरी, बरिष्ट समजसेबी विजय केसरी के मंचासीन उपरांत नगर अध्यक्ष दीपक केसरी,महामंत्री रितेश केसरी उपाध्यक्ष अरुण केसरी अजित केसरी नगर महिला अध्यक्ष नीतू रवि केसरी प्रदेश अध्यक्ष रूपा उमेश केसरी मति ज्योति केसरी सुनीता केसरी द्वारा विनीत केसरी को उनकी बहादुरी और ऑपरेशन सिंदूर में योगदान के लिए सराहा गया, जो 7 मई, 2025 को जम्मू में हुआ था।ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के साथ संघर्ष में कई भारतीय सैनिकों के बलिदान को याद करता है। इस बीच, बैद्यनाथधाम निवासी और स्वर्गीय बमबम साह के पुत्र विनीत केसरी ने अदम्य साहस का परिचय दिया। अपने साथियों के साथ मिलकर उन्होंने दुश्मन की हरकतों को सफलतापूर्वक नाकाम किया और एक सच्चे भारतीय सैनिक की तरह सेवा की। देश की रक्षा करते हुए सीमा पर 24 घंटे की उनकी ड्यूटी उनके समर्पण का प्रमाण है और उन्होंने एक सराहनीय उदाहरण पेश किया है। छुट्टी

पर घर लौटने पर केसरवानी समुदाय ने विनीत केसरी को समाज गौरव के रूप में सम्मानित किया। देवघर स्थित केसरवानी वैश्य सभा भवन में आयोजित सम्मान समारोह में समुदाय के सम्मानित सदस्यों और गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत युवा योद्धा के प्रति सम्मान और आदर के प्रतीक के रूप में गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। विनीत केसरी को पारंपरिक तिलक, दीप, अंगवस्त्रम (सम्मान की शॉल), फूलों के गुलदस्ते, माला और एक आकर्षक तैल चित्र के साथ सम्मानित किया गया। इसके अलावा, अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा और तरुण सभा ने उन्हें एक आकर्षक ₹सम्मान पत्र (सम्मान का प्रमाण पत्र) प्रदान किया। सम्मान पत्र को तरुण सभा के अध्यक्ष श्री दीपक केसरी द्वारा सभा में जोर से पढ़ा गया। इसके बाद महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गजेंद्र केसरी ने सभी सम्मानित समुदाय के सदस्यों के बीच विनीत केसरी को एक और अंगवस्त्रम, एक पुष्प माला और सम्मान पत्र भेंट किया। समारोह में भारत माता की जय के जोशीले नारों से गूंज उठा, और उपस्थित सभी लोगों ने देश के लिए विनीत केसरी के अपार योगदान को स्वीकार करते हुए तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनके प्रति गहरा सम्मान और प्रशंसा व्यक्त की। जिसमे मुख्य रूप से उपस्थित लोकनाथ पंसारी मनीष केसरी नित्यानंद राजू आतिश विनीत विक्रम गौरी शंकर अमित केसरी रूपेश केसरी मुकेश केसरी अनिल केसरी कृष्ण केसरी प्रशांत केसरी इत्यादि अनेक समाज बंधु गण उपस्थित थे

संक्षिप्त समाचार

किसान फसलों में नैनो यूरिया व नैनो डीएपी का करेंगे उपयोग

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ आत्मा सभागार में उर्वरक उत्पादक सहकारी संस्था इफको द्वारा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के प्रयोग एवं लाभ विषय पर कृषि विभाग के कर्मियों एवं बिक्री केंद्र प्रभारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में कृषि विभाग के कर्मियों एवं बिक्री केंद्र प्रभारियों को इन उत्पादों के बारे में जानकारी दी गई, जिससे वे किसान के फसल के लिए बेहतर और अधिक प्रभावी ढंग से खाद का उपयोग कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान इफको के राज्य विपणन प्रबंधक शशि भूषण समदर्शी एवं क्षेत्रीय प्रबंधक नवीन कुमार द्वारा नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं अन्य उर्वरकों के महत्व एवं प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने कहा कि नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी दानेदार यूरिया एवं डीएपी का मजबूत विकल्प है तथा मिट्टी एवं भूमिगत जल को प्रदूषित होने से बचाने के लिए आवश्यक है।

तनवीर आलम के निर्देश पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष ने किया कार्यपालक पदाधिकारी संग वार्डो का निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:कांग्रेस प्रदेश महासचिव तनवीर आलम के निदेर्शानुसार मंगलवार को नगर अध्यक्ष वंशराज गोप द्वारा पाकुड़ नगर कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी से मुलाकात कर पाकुड़ नगर अंतर्गत कुछ वार्डो की समस्याओ के समाधान हेतु औचक निरीक्षण करने का आग्रह किया गया। जिसपर चौधरी ने त्वरित निर्णय लेते हुए कांग्रेस नगर अध्यक्ष के अनुसार वार्ड न 14,वार्ड न 6 वार्ड न 3 से जुड़ी समस्याओं को जाना, जिसमें मुख्य रूप से कूड़ा पाड़ा में पानी एवं नली की समस्या पर तत्काल निर्णय लेते हुए रोड किनारे बिछे पाइप लाइन कनेक्शन को दुरुस्त कर सभी में नल लगाने की बात कही ताकि लोगों को निरंतर पानी मिलती रहे और पानी की बबार्दी न हो,वही कूड़ा पड़ा,छोटी अलीगंज एवं नलपोखर में नए नाले के निर्माण एवं रिपेयरिंग हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया। वहीं नगर अध्यक्ष वंशराज की मांग पर नल पोखर में सालों से बंद पड़े शौचालय को अविलंब चालू करने का निर्देश दिया गया ताकि लोगों को सोच के लिए बाहर न जाना पड़े। इस कार्य हेतु वह उपस्थित लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सहराना करते हुए माननीय विधायक श्रीमती निषाद आलम,श्री तनवीर आलम जी का आभार व्यक्त किया।वही मुहल्लावासियों ने नगर अध्यक्ष वंशराज गोप,जिला महासचिव मोनिता कुमारी का धन्यवाद दिया। मौके पर कांग्रेस के कई कार्यकर्ता एवं नगर परिषद के कई पदाधिकारी सहित आम लोग उपस्थित थे।

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 92 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ प्रखंड के रहसपुर एवं बलिहारपुर एवं अमड़ापाड़ा प्रखंड के सकरीगली में आयुष विभाग की ओर से बुधवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 92 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० मो अबुतालिब शेख, डॉ सौरभ विश्वास एवं डॉ अमरेश कुमार ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसीडीह के अंतर्गत ग्रामराय डीह में ग्रामीण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मलेरिया रोधी माह जून 2025 के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसीडीह के ग्राम- रायडीह में ग्रामीण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर मलेरिया एवं डेंगू बीमारी का लक्षण क्या है एवम इसका उपचार क्या है ग्रामीणों को जानकारी दी गई साथ ही घरों के आसपास सफाई कर किस तरह से मच्छरों को पनपने से रोका जाए यह भी जानकारी दी गई साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करते हुवे बताया गया कि हमेशा मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें बुखार आने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल जाकर जांच कराए ये जांच सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त होता है साथ ही मलेरिया डेंगू के मच्छर से बचाव करने के लिए आसपास जल जमाव नहीं होने दे क्योकि ये मच्छर पानी में ही पनपते है इसलिए आसपास जलजमाव नहीं होने दे घरों के आसपास साफ सफाई रखें इस कार्यक्रम में एमपीडब्लू नीरज कुमार पांडेय एवं एमपीडब्लू रामा कान्त मेहरा ने भाग लिया

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकृति हूल महोत्सव के रूप में पूरे जिले में आज मनाया जाएगा विश्व पर्यावरण दिवस

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:बेहतर कल की एक पहल अंतर्गत आज बुधवार को डीसी मनीष कुमार ने वीसी के द्वारा जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों, पंचायत के मुखिया तथा कर्मियों के साथ समीक्षात्मक बैठक किया जिसमें आज 05 जून को प्रकृति हूल महोत्सव के रूप में पर्यावरण संरक्षण हेतु विश्व पर्यावरण दिवस मनाये जाने को लेकर तैयारियों का जायजा लिया गया, एवं तैयारी भी पूरी कर ली गई है, उपायुक्त ने कहा कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस है। इस अवसर पर सभी पदाधिकारी, कर्मी, जन प्रतिनिधि, डीलर, सहिया, सेविका जेएसएलपीएस कर्मी अपने स्तर से दो-दो पेड़ जरूर लगाएं। जिनके द्वारा पौधारोपण का बेहतर फोटो शेयर किया जाएगा उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा 05 जून को दस हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डीसी ने कहा

कि आप सभी के सहयोग से पाकुड़ जिला कई पैरामीटर में अव्वल है। चुनाव, आवास पूर्णता, मनरेगा में पहला स्थान तथा शिक्षा में जिला दूसरा पायदान पर है। जिसे देखते हुए अब प्रत्येक माह के पहली सोमवार को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में परिवार दिवस मनाया जाएगा जिसमें अभिभावक के साथ बच्चों का जन्मदिन मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 21 जून को योग दिवस है। योग दिवस के दिन प्रखंड/ पंचायत स्तर से योग करते हुए अच्छे फोटोग्राफ को चिन्हित कर सम्मानित किया जाएगा। 20 जून को तिथि भोज का आयोजन किया जाएगा। इस बार तिथि भोज में जेएस एलपीएस को सहयोग करने का निर्देश दिया गया। इन सभी क्रियाकलापों में पंचायत के मुखिया जी बढ़-चढ़कर हिस्सा लें ताकि बच्चों का उत्साहवर्धन हो। उपायुक्त ने बताया कि 9 जून को सभी विद्यालय खुलने वाले हैं, इस दिन विद्यालय में सभी बच्चों का स्वागत ढोल, नगाड़ा बजाकर, फुल देकर, पत्ता की टोपी भेंटकर भव्य तरीके से करने का निर्देश शिक्षकों को दिया गया। आने वाले दिनों में नशा छोड़ो खेल से जोड़ो अभियान पर भी कार्य करने की योजना बनाई जा रही है। 08 जून को गड्ढा कोड़ो अभियान में बेहतर कार्य करने वाले मुखिया, पंचायत सचिव एवं अन्य लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन अच्छे कार्यों की सराहना और हौसला बढ़ाने में हमेशा आगे रहती है बशर्ते उसके हकदार आगे बढ़ने का जज्बा रखे।

एम्स जमीन का सीमांकन किए जाने पर रैयत बता रहे हैं अपनी जमीन, कहा एम्स प्रबंधन हैं राजनीतिक दबाव में

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर के देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत एम्स अस्पताल का अधिग्रहण किया हुआ कुछ भाग का जमीन सीमांकन नहीं हो पाया है। इसे लेकर एम्स अस्पताल के पूर्वी भाग मुख्य मार्ग से सटा हुआ अधिग्रहण किया हुआ जमीन का जिला प्रशासन और प्रखंड प्रशासन के द्वारा सीमांकन कराया गया। वहीं एम्स प्रबंधन की ओर से पोल गाड़ कर सीमांकन सीमा चिह्नित को किया गया है। साथ ही ₹यह जमीन एम्स के अधिकृत है₹ लिखा हुआ फोटो युक्त सूचना बोर्ड लगाया गया है। जिससे साफ पता चलता है कि एम्स की जमीन किस ओर से कहा तक है। दूसरी ओर रैयत द्वारा ये कार्य किसी की राजनीतिक दबाव में आकर किए जाने की बात बताई जा रही है। वहीं वे अपना जमीन किसी भी हाल में देने के पक्ष में नहीं हैं। जानकारी हो कि एम्स की ओर अपनी जमीन पर किसी तरह का किसी के अवैध दखल कब्जा और अतिक्रमण किए जाने पर विशेष चौकसी बरती गई है। कभी भी अवैध दखल कब्जा और अतिक्रमण किए जाने पर प्रशासन के द्वारा उसे मुक्त कराया भी गया है। एम्स के शेष जमीन की घेराबंदी नहीं हो पाई है। बहुत जल्द भी एम्स की जमीन पूरी तरह से घेराबंदी किया जाएगा।

कहते हैं प्रशासनिक पदाधिकारी

एम्स के प्रशासनिक पदाधिकारी साकेत बिहारी ने बताया कि किसी भी राजनीतिक दबाव में आकर एम्स की अपनी जमीन को सीमांकन नहीं किया गया है। जिला और प्रखंड प्रशासन की मौजूदगी में सरकारी अमीन के द्वारा मापी कर अधिकृत जमीन पर विधि पूर्वक सीमांकन कर पोल गाढ़ा गया है और स्पष्ट रूप से सूचना पट लगाई गई है। कहते हैं रैयत इस बावत रामसागर निवासी रैयत अशोक राउत ने बताया कि एम्स के द्वारा राजनीतिक दबाव में आकर ऐसा किया गया है। हमलोगों की जमीन सुरक्षित ही रहेगा। किसी भी शर्त पर नहीं लेने दिया जाएगा।

माननीय राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों को लेकर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुंग की अध्यक्षता में आज दिनांक 04.06.2025 को माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर समाहरणालय सभागार में सबंधित अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। साथ ही बैठक के दौरान उपायुक्त ने विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था के अलावा रुटलाइन की व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों, कार्यपालक अभियंता व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने माननीय राष्ट्रपति की प्रस्तावित दो दिवसीय देवघर यात्रा के मद्देनजर उनके आवागमन वाले प्रस्तावित सभी मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था के अलावा सड़क की मरम्मत को सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। आगे उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों से प्रोटोकॉल के मुताबिक ससमय तैयारियों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि देवघर एयरपोर्ट, बाबा मंदिर, सर्किट हाउस और एम्स स्तिथ कार्यक्रम स्थल समेत सभी प्रमुख जगहों पर नोडल अधिकारी की तैनाती के अलावा माननीय राष्ट्रपति के आवागमन वाले मार्ग में व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सुरक्षा व्यवस्था के साथ आवश्यक सभी तैयारियों को ससमय करे पूर्ण:- उपायुक्त..

इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने एक दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए प्रोटोकॉल के मुताबिक सभी तैयारियों को समय पर पूरा करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही भीड़ प्रबंधन और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया गया। साथ ही फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य सुविधा, एम्बुलेंस, साफ-सफाई, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। बैठक में उपरोक्त के अलावा* नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी, बाबा बैद्यनाथ मंदिर सह अनुमण्डल पदाधिकारी देवघर, अनुमण्डल पदाधिकारी मधुपुर, सिविल सर्जन, एयरपोर्ट व एम्स के वरीय अधिकारी, उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण-क्क), पूर्वी रेलवे आसनसोल, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी देवघर, पुलिस उपाधीक्षक, यातायात, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, भूमि सुधार उप समाहर्ता मधुपुर, जिला खनन पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, अवर प्रमंडल पदाधिकारी बीएसएनएल देवघर, स्टेशन प्रबंधक, जसीडीह/देवघर/बैद्यनाथधाम रेलवे स्टेशन, अग्निशामालय पदाधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल, कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमण्डल, कार्यपालक अभियन्ता, पथ प्रमण्डल, कार्यपालक अभियन्ता, रा०उ० पथ प्रमण्डल, कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य प्रमण्डल, कार्यपालक अभियन्ता, रा०ग्रा० नियोजन कार्यक्रम, जिला अभियन्ता जिला परिषद, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी, डीएमएफटी की टीम व संबंधित अधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

तनवीर आलम के निदेर्शानुसार नगर अध्यक्ष वंशराज गोप ने की कार्यपालक पदाधिकारी संग वार्डो का निरीक्षण

पाकुड़ सोनू कुमार ठाकुर

पाकुड़:कांग्रेस प्रदेश महासचिव तनवीर आलम के निदेर्शानुसार मंगलवार को नगर अध्यक्ष वंशराज गोप द्वारा पाकुड़ नगर कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी से मुलाकात कर पाकुड़ नगर अंतर्गत कुछ वार्डो की समस्याओ के समाधान हेतु औचक निरीक्षण करने का आग्रह किया गया। जिसपर चौधरी ने त्वरित निर्णय लेते हुए कांग्रेस नगर अध्यक्ष के अनुसार वार्ड न 14,वार्ड न 6 वार्ड न 3 से जुड़ी समस्याओं को जाना, जिसमें मुख्य रूप से कूड़ा पाड़ा में पानी एवं नली की समस्या पर तत्काल निर्णय लेते हुए रोड किनारे बिछे पाइप लाइन कनेक्शन को दुरुस्त कर सभी में नल लगाने की बात कही ताकि लोगों को निरंतर पानी मिलती रहे और पानी की बबार्दी न हो,वही कूड़ा पड़ा,छोटी अलीगंज एवं नलपोखर में नए नाले के निर्माण एवं रिपेयरिंग हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया। वहीं नगर अध्यक्ष वंशराज की मांग पर नल पोखर में सालों से बंद पड़े शौचालय को अविलंब चालू करने का निर्देश दिया गया ताकि लोगों को सोच के लिए बाहर न जाना पड़े। इस कार्य हेतु वह उपस्थित लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सहराना करते हुए पाकुड़ विधायक निषाद आलम, तनवीर आलम का आभार व्यक्त किया। वहीं मोहल्लेवासियों ने नगर अध्यक्ष वंशराज गोप,जिला महासचिव मोनिता कुमारी का धन्यवाद दिया। मौके पर कांग्रेस के कई कार्यकर्ता एवं नगर परिषद के कई पदाधिकारी सहित आम जन उपस्थित थे।

रामचरितमानस नवाह पारायण यज्ञ का समापन, आज होगा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

देवघर।

कपिध्वज समाज द्वारा कोरियासा बजरंगबली मंदिर प्रांगण में आयोजित रामचरितमानस नवाह पारायण हवात्मक महायज्ञ गुरुवार को पूणार्हुति के साथ संपन्न होगा। यज्ञ की पूणार्हुति आचार्य अवधेश शास्त्री द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न की जाएगी।

इसके उपरांत ब्राह्मण भोज, ब्राह्मणों की विदाई और भक्तजनों के लिए प्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजन के अंतिम दिन आज रात्रि 8 बजे से सुप्रसिद्ध गायिका कुमकुम बिहारी द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। यज्ञ समिति की ओर से हर दिन प्रसाद वितरण और रात्रि में महेंद्र शास्त्री के प्रवचन का क्रम चला। बुधवार को अपने अंतिम प्रवचन में शास्त्री ने श्रीराम के चारों भाइयों द्वारा किए गए आदर्श कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया तथा श्रीराम विवाह प्रसंग की झांकी प्रस्तुत की गई, जिसने

श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर यज्ञ समिति के अध्यक्ष शैलेश दुबे एवं सचिव धर्मेंद्र रमानी ने जोर-शोर से मोर्चा संभाला है। समिति में कोषाध्यक्ष श्रीनिवास दुबे, उप सचिव बद्री वर्मा, उपाध्यक्ष उमेश यादव, यजमान पंकज दुबे, मीडिया प्रभारी मुरारी मंडल सहित विक्रम दुबे, अजय साह, भैरव दास, सोनू बाबा, अमरेश दास, सुकदेव रमानी, मंटू राम, चंद्रकांत दुबे सहित अनेक कार्यकर्ता आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं।

विवादित जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश के बावजूद निर्माण कार्य किया शुरू, पुलिस ने लगाई डांट फटकार, भगाया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अनुमंडल दण्डाधिकारी का न्यायालय देवघर के आदेश पर एम्स स्थित रामसागर मौजा में विवादित जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश जारी के बावजूद विपक्ष के लोगों ने मंगलवार को काम करना शुरू कर दिया। जानकारी हो कि प्रथम पक्ष के आवेदक रामसागर निवासी प्रकाश राउत पिता स्व शंकर राउत के आवेदन पर देवघर अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा की गई कारवाई को यथास्थिति बनाए रखने का आदेश थाना प्रभारी देवीपुर और पूर्व के आदेश के आलोक में अंचलाधिकारी देवीपुर का जांच प्रतिवेदन आने तक यथास्थिति बनाए रखने निर्देश प्राप्त था। बावजूद विपक्षी काम शुरू कर दिया था। पुलिस को सूचना होने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कार्य कर सभी को भगाया गया और डांट फटकार लगाया गया।

संक्षिप्त समाचार

एक घर के सामने खड़े टोटो की बैटरी चोरी हो जाने का मामला सामने आया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंजः उधवा राधानगर थाना क्षेत्र में चोर एक बार फिर सक्रिय होता दिख रहा है। हालाकी वर्ष 2025 में अब तक चोरी के कई मामले सामने आ गए है। चोरी पर अंकुश नही लगने से चोरों की वारदात में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। एक बार फिर थाना क्षेत्र के पतौड़ा पंचायत स्थित प्रखंड मुख्यालय के समीप एक घर के सामने खड़े टोटो की बैटरी चोरी हो जाने का मामला सामने आया है। इस घटना से एक दिहाड़ी मजदूर को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि अब उसके सामने आजीविका चलाने की समस्या खड़ी हो गई है।जानकारी के अनुसार कल्लू मियां के बेटे शहजादा ने बताया कि सोमवार की शाम को उन्होंने अपना टोटो चलाकर वापस घर के सामने खड़ा किया था। जब मंगलवार की सुबह वह उठे, तो देखा कि टोटो से बैटरी गायब है। अज्ञात चोर रात के अंधेरे में बैटरी चुराकर फरार हो गए।शहजादा ने बताया कि वह टोटो चलाकर दिहाड़ी मजदूरी करता था और इसी से अपने परिवार का गुजारा चलाता था। बैटरी चोरी हो जाने से अब उसकी रोजमर्रा की मजदूरी पर सीधा असर पड़ा है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति और भी खराब हो गई है। खबर लिखे जाने तक राधानगर थाना में आवेदन देने की प्रक्रिया जारी थी।

नवाह पारायण यज्ञ का आज होगा समापन, कुमकुम बिहारी की प्रस्तुति से सजेगी अंतिम सांस्कृतिक संध्या

देवघर।

कपिध्वज समाज द्वारा कोरियासा बजरंगबली मंदिर प्रांगण में आयोजित रामचरितमानस नवाह पारायण हवात्मक महायज्ञ गुरुवार को पूणार्हुति के साथ संपन्न होगा। यज्ञ की पूणार्हुति आचार्य अवधेश शास्त्री द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न की जाएगी। इसके उपरांत ब्राह्मण भोज, ब्राह्मणों की विदाई और भक्तजनों के लिए प्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजन के अंतिम दिन आज रात्रि 8 बजे से सुप्रसिद्ध गायिका कुमकुम बिहारी द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। यज्ञ समिति की ओर से हर दिन प्रसाद वितरण और रात्रि में महेंद्र शास्त्री के प्रवचन का क्रम चला। बुधवार को अपने अंतिम प्रवचन में शास्त्री ने श्रीराम के चारों भाइयों द्वारा किए गए आदर्श कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया तथा श्रीराम विवाह प्रसंग की झांकी प्रस्तुत की गई, जिसने श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर यज्ञ समिति के अध्यक्ष शैलेश दुबे एवं सचिव धमेंद्र रमानी ने जोर-शोर से मोर्चा संभाला है। समिति में कोषाध्यक्ष श्रीनिवास दुबे, उप सचिव बद्री वर्मा, उपाध्यक्ष उमेश यादव, यजमान पंकज दुबे, मीडिया प्रभारी मुरारी मंडल सहित विक्रम दुबे, अजय साह, भैरव दास, सोनू बाबा, अमरेश दास, सुकदेव रमानी, मंटू राम, चंद्रकांत दुबे सहित अनेक कार्यकर्ता आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं।

अवैध बालू के परिवहन व भंडारण पर वरीय अधिकारियों की सख्ती से बिचौलिये हैं परेशान

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवाःचतरा। प्रखंड क्षेत्र में संचालित कई औद्योगिक इकाईयां में अवैध बालू सप्लायरों व इस कारोबार में संलिप्त बिचौलिये इन दिनों काफी परेशान बताये जा रहे हैं। जिसकी बड़ी वजह ग्रामीणों द्वारा बेधड़क बालू आपूर्तिकताओं व बिचौलियों के मंसूबों को ध्वस्त करते हुवे प्रशासन को कार्रवाई करने के लिये मजबूर किया जाना बताया जाता है। सूत्रों की मानें तो कुछ सफेदपोशों का गठजोड़ वरीय अधिकारियों से मिलकर ग्रामीण विकास योजनाओं का हवाला देकर बिचौलियों को लाभ पहुंचाने की अंदरखाने में बड़ी कोशिशें हो रही है। विदित हो कि चंद दिनों में हीं राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) द्वारा बालू के खनन पर रोक लगाये जाने से पहले बिचौलिये भारी भंडारण कर लेने के जुगत में जुटे हैं। एनटीपीसी , सीसीएल व रेलवे के ठेकेदारों से कुछ सफेदपोशों को फंडिंग भी किये जाने की सूचना है। स्मरण हो कि पिछले हीं दिनों एनटीपीसी में हायवा से बिहार के फर्जी चालान पर बालू आपूर्ति करने के मंसूबों को ग्रामीणों ने विफल कर दिया था। बताया जाता है कि अब अवैध कारोबार व धांधली की सूचना वरीय अधिकारियों को मिल जा रही है जहां से सख्ती और तत्काल कार्रवाई के निर्देश मिलने से स्थानीय प्रशासन अब थोड़ी सी भी लापरवाही बरतने व कोई रिस्क लेना नहीं चाह रही।

एक महीने से चतरा रजिस्ट्री कार्यालय में जमीन का रजिस्ट्री पूरी तरह से ठप

एक माह में करोड़ों का राजस्व की नुकसान

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। चतरा रजिस्ट्री कार्यालय में पिछले एक माह से जमीन का रजिस्ट्री पूरी तरह से ठप है जिससे आम अवाम के साथ-साथ सरकार को भी राजस्व की क्षति हो रही है। झारखंड राज्य दस्तावेज नबीस संघ चतरा के अनुसार सरकार को करोड़ों रुपया का नुकसान हुआ है। दस्तावेज नबीस संघ के अध्यक्ष महेंद्र कुमार ने बताया कि रजिस्टार शंकर मुंडा का रोड एक्सीडेंट होने के कारण लंबे अवधि तक छुट्टी में चले गए हैं, जिसके कारण रजिस्ट्री का कार्य पिछले एक माह से बंद पड़ा हुआ है। इसे लेकर संघ के लोगों ने पूर्व डीसी से मिलकर रजिस्टार के पद पर पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने का आगरह किया गया था जिसके बाद सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी को प्रतिनियुक्ति हुई है परंतु पदभार ग्रहण करने के बाद आज तक रजिस्ट्री का कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। कार्यालय में रजिस्ट्री करवाने आए एक व्यक्ति ने बताया कि मेरी बेटी की शादी इसी महीने होना है और पैसे की अभाव में मुझे जमीन बेचना है जमीन रजिस्ट्री नहीं होने कारण पैसे की अभाव में हमारी बेटी की शादी नहीं होगी। लड़के वाले टाइम बढ़ाने को तैयार नहीं है और मेरे पास पैसा नहीं है वैसे स्थिति में मैं कहां जाऊं। इधर नबीस ने बताया कि अगर जल्द ही इस और कम नहीं बढ़ाया गया तो हम लोग के समझ भूखे मरने की नौबत आ जाइए। संघ एक बार फिर प्रशासन से अपील करती है कि जल्द से जल्द जमीन की रजिस्ट्री का कार्य शुरू की जाए ताकि आम आवाम के साथ-साथ राजस्व की भी क्षति को रोका जा सके।

समेकित जनजातीय विकास योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा, 15 अगस्त तक सभी बिरसा आवास पूर्ण करने का निर्देश

साहिबगंज:

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समेकित जनजातीय विकास अभिकरण (आईटीडीए) और कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक में पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी ली गई।बैठक में उपायुक्त ने बिरसा आवास योजना की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी अधूरे आवासों का निर्माण कार्य 15 अगस्त 2025 तक हर हाल में पूर्ण किया जाए, ताकि लाभुकों को समय पर गृह प्रवेश कराया जा सके। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य वंचित वर्ग को सशक्त बनाना है, अतः इसमें किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।इसके साथ ही मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना तथा मुख्यमंत्री साइकिल योजना की भी गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संबंधित पदाधिकारी को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं के प्रचार-प्रसार और पात्र लाभुकों तक समय पर लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।बैठक में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर भी विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी आवासीय विद्यालयों एवं दिवाकालीन विद्यालयों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति शीघ्र सुनिश्चित की जाए, ताकि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न होइसके अतिरिक्त, प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत आवंटन सुनिश्चित करने के लिए विभागीय पत्राचार करने का भी निर्देश दिया गया।

कटिहार मंडल में तेज सेवा और बेहतर समयपाबंद के लिए,पू. सी. रेलवे ने जून से 14 ट्रेनों के लिए संशोधित समय-सारिणी लागू की

मालीगांव, :

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) ने यात्रियों की सुविधा में सुधार और बेहतर समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए अपने नेटवर्क में चयनित स्टेशनों पर 14 ट्रेनों के समय में संशोधन किया है। संशोधित समय-सारिणी विभिन्न चरणों में 5 जून से एक ट्रेन, 6 जून से दो ट्रेनों और 7 जून 2025 से शेष 11 ट्रेनों के लिए लागू की जाएगी।

5 जून, 2025 से प्रभावी:

ट्रेन संख्या 13169 (सियालदह-सहरसा) हाटे बाजारे एक्सप्रेस कई स्टेशनों पर संशोधित समयानुसार चलेगी। ट्रेन अब एकलाखी में 04:55 बजे पहुंचकर 04:57 बजे रवाना होगी। समसी, भालुका रोड, हरिश्चंद्रपुर, कुमेदपुर, लाभा और कटिहार स्टेशनों सहित अन्य स्टेशनों पर भी इसी तरह के बदलाव किए गए हैं, जिनके समय में मौजूदा समय-सारणी की तुलना में लगभग 8 से 15 मिनट पहले की गई है।

6 जून, 2025 से प्रभावी:

ट्रेन संख्या 13159 (कोलकाता-जोगबनी) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15961 (हावड़ा-डिब्रूगढ़) कामरूप एक्सप्रेस संशोधित समयानुसार चलेगी। ट्रेन संख्या 13159 के लिए, समसी में आगमन और प्रस्थान अब क्रमशः 05:23 बजे और 05:25 बजे होगा, जबकि हरिश्चंद्रपुर में, संशोधित समय 05:50 बजे और 05:52 बजे होगा, जो दोनों स्टेशनों पर पिछले समय-सारणी से 10 मिनट पहले है।

7 जून, 2025 से प्रभावीः शेष 11 ट्रेनें 7 जून, 2025 से नई समय-सारणी के अनुसार चलेंगी।

ट्रेन संख्या 15721 (दीघा - न्यू जलपाईगुड़ी) पहाड़िया एक्सप्रेस अब बारसोई में 05:15 बजे पहुंचेगी और 05:17 बजे रवाना होगी। किशनगंज में, संशोधित आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 06:10 बजे और 06:12 बजे होगा। ट्रेन संख्या 12343 (सियालदह - हल्दीबाड़ी) दार्जिलिंग मेल किशनगंज 06:15 बजे पहुंचेगी और 06:17 बजे रवाना होगी तथा न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन 07:50 बजे पहुंचेगी और 08:05 बजे रवाना होगी। ट्रेन संख्या 13163 (सियालदह-सहरसा) हाटे बजारे

एक्सप्रेस का एकलाखी, समसी, भालुका रोड, हरिश्चंद्रपुर, कुमेदपुर, लाभा और कटिहार स्टेशनों पर भी समय-सारणी में संशोधन किया गया है। निम्नलिखित ट्रेनों के संबंधित स्टेशनों पर भी समय संशोधित किया गया है। इनमें ट्रेन संख्या 13147 (सियालदह-बामनहाट) उत्तरबंग एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 13149 (सियालादह-अलीपुरद्वार) कंचनकन्या एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15724 (सिलीगुड़ी टाउन-जोगबनी) इंटरसिटी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15657 (दिल्ली - कामाख्या) ब्रह्मपुत्र मेल, ट्रेन संख्या 15959 (हावड़ा-डिब्रूगढ़) कामरूप एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 13145 (कोलकाता-राधिकापुर) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 12041 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी) शताब्दी एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 13148 (बामनहाट-सियालदह) शामिल है। उदाहरण स्वरूप ट्रेन संख्या 15724 (सिलीगुड़ी टाउन-जोगबनी) इंटरसिटी एक्सप्रेस अब सालमारी 22:08 बजे पहुंचेगी और 22:10 बजे प्रस्थान करेगी (पूर्व में 22:30 बजे और 22:32 बजे) और ट्रेन संख्या 13145 (कोलकाता - राधिकापुर) एक्सप्रेस अब बारसोई से 04:23 बजे के बजाय 04:13 बजे रवाना होगी। 7 जून 2025 से कटिहार मंडल में चलने वाली इन ट्रेनों की गति 8 से 45 मिनट तक पहले की गई है, जिससे समय की पाबंदी में सुधार होने के साथ-साथ यात्रियों के लिए कुल यात्रा समय में बचत भी होगा। निरंतर बुनियादी संरचना में सुधार के साथ, पू. सी. रेलवे ने ट्रेन की गति और परिचालन दक्षता में वृद्धि की है, जिससे यात्रियों के लिए अधिक तेज, सुरक्षित और समयपाबंद पर यात्रा का अनुभव सुनिश्चित हुआ है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) पर वास्तविक समय के आधार पर ट्रेन की स्थिति और समय-सारिणी की जांच कर लें।

जरूरतमंद असहाय परिवार को अजहर का बकरीद पर तोहफा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः बकरीद जैसे पाक मौके से पहले जब ज्यादातर लोग अपनी तैयारियों में व्यस्त थे, उस वक्त एनडीए के पूर्व प्रत्याशी और समाजसेवी अजहर इस्लाम कुछ और ही कर रहे थे – वे उन चेहरों तक पहुँचे जिनकी ईद अक्सर खामोश रह जाती है। इलामी पंचायत के विभिन्न गाँवों और मोहल्लों का दौरा करते हुए अजहर इस्लाम ने जरूरतमंद परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने न सिर्फ.उनका हालचाल पूछा, बल्कि खाद्य सामग्री, कपड़े और जरूरी सामान देकर यह यकीन दिलाया कि बकरीद सबकी होती है – अमीर की भी, गरीब की भी। उनका मानना है कि हमारी ईद तभी मुकम्मल होती है, जब हर गरीब का चूल्हा जले और हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान हो। मौके पर बच्चों को मिठाइयाँ दी गईं, बुजुर्गों के हाथ थामे गए और महिलाओं

को सम्मानपूर्वक सहायता प्रदान की गई। इस दौरान गाँव के कई घरों से हृदुआओं भरी मुस्कानेंह्व निकलती रहीं, समाजसेवी अजहर इस्लाम का इलामी पंचायत के ग्रामीणों ने इस नेक काम की दिल से तारीफ की। कई लोगों ने कहा कि आज के समय में जब दिखावे की राजनीति हावी है, ऐसे में जमीन पर आकर लोगों के बीच रहकर उनका दुःख समझना ही असली नेतृत्व है।

एम्स देवघर में वेक्टर जनित रोगों पर राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

देवघर।

बुधवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), देवघर के एकेडमिक बिल्डिंग सभागार में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. तनु जैन, निदेशक, एनसीवीबीडीसी, भारत सरकार, नई दिल्ली ने की। बैठक में एम्स देवघर की डीन डॉ. प्रतिमा गुप्ता (एचओडी, माइक्रोबायोलॉजी), केंद्र और राज्य के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम, जिला स्तरीय पदाधिकारी, डब्लू एचओ व अन्य डेवलपमेंट पार्टनर शामिल हुए। डॉ. जैन ने झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों में मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस और कालाजार की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से चाईबासा, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज और जमशेदपुर जिलों में मलेरिया की रोकथाम के लिए रणनीतिक कार्रवाई की आवश्यकता बताई। वही फाइलेरिया के संदर्भ में सभी चिन्हित रोगियों की लिंफोडेमा स्टेजिंग, हाइड्रोसील ऑपरेशन, और येडीआर उपचार की प्रक्रिया को प्राथमिकता देने की बात कही गई। एम्स देवघर को

इन कार्यों में सहयोगी भूमिका निभाने का अनुरोध किया गया। वही डॉ. गणेश कुमार यादव, जिला बीवीबीडी सलाहकार, ने पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से देवघर जिले की उपलब्धियों एवं चुनौतियों पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. अभय कुमार यादव (जिला बीवीबीडी पदाधिकारी), डॉ. कुमार अभय प्रसाद (देवीपुर) व अन्य ने भी क्षेत्रीय जानकारी साझा की। बैठक में डेंगू और चिकुनगुनिया की सटीक पहचान हेतु एलिसा जांच विधि अपनाने तथा आईएचआईपी पोर्टल पर रियल टाइम डेटा अपलोड की प्रक्रिया को अनिवार्य बताया गया। साथ ही प्रत्येक जिले में वेक्टर जनित रोगों की जांच, उपचार और फॉलोअप के साथ-साथ जन-जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। प्रचार-प्रसार के लिए प्रभावशाली माध्यम अपनाने की सलाह दी गई। बैठक में केंद्र से आए डॉ. जयराम पाराशर, डॉ. शिखर चौधरी, डॉ. सुरेश वैष्णव, डॉ. आरती रामा, डॉ. गजेंद्र सिंह, डॉ. बलबीर सिंह तथा राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. वीरेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे। वहीं डब्ल्यू एच ओ और पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों सहित जिला प्रशासन और हेल्थ सेक्टर के अधिकारी व कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

राजस्व, भूमि सुधार विभाग, भूमि अधिग्रहण, वन पट्टा, परिवहन से संबंधित बैठक

सभी सीओ कैंप लगाकर अभियान मोड में करें वाद का निष्पादन

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। समाहरणालय सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में राजस्व,भूमि सुधार विभाग,भूमि अधिग्रहण,वन पट्टा परिवहन विभाग समेत अन्य की समीक्षात्मक बैठक की गई।

बैठक में भू हस्तांतरण, वनाधिकार पट्टा, अनापत्ति प्रमाणपत्र, राजस्व संग्रह समेत अन्य के प्रगति प्रतिवेदन की बिंदुवार समीक्षा कर कई आवश्य दिशा निर्देश दिए। सक्सेशन मोटेशन को लेकर उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को कैंप लगाकर वाद का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया साथ ही अपर समाहर्ता चतरा अरविंद कुमार को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अंचल अधिकारियों को हलकावार लक्ष्य दें। वहीं ई कोर्ट के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया एवं अनुमंडल पदाधिकारी चतरा को अपने अपने क्षेत्र के अंचल कार्यालयों का औचक निरीक्षण करने की बात कही। वनाधिकार अधिनियम (एफआरए) जो अंचल स्तर पर लंबित है उसे ग्राम सभा एवं अनुमंडल स्तरीय वनाधिकार समिति से पारित कराते हुए जिला स्तरीय वनाधिकार समिति के बैठक में मामले को रखने का निर्देश दिया गया।

इसके अलावे परिवहन विभाग चतरा से सड़क सुरक्षा नियमों के अक्षरशःअनुपालन, जांच अभियान, हिट एंड रन के मामले, ग्राम गाड़ी योजना समेत अन्य की जानकारी जिला परिवहन पदाधिकारी से लिया गया। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा,अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, जिला परिवहन पदाधिकारी इन्द्र कुमार, सभी अंचल अधिकारी समेत संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

बीएलए जॉइन वेंचर कंपनी नियमो को ताक में रख कर रहा कोल ट्रांसपोटिंग:महेश महतो

कोल ट्रांसपोर्टिंग व ओवरलोडिंग ढुलाई कर खूब कर रहा वारे न्यारे:महेश महतो

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवाःचतरा। आम्रपाली कोल परियोजना से शिवपुर साइडिंग कोल ट्रांसपोर्टिंग कर रही ज्वाइंट वेंचर के लाइजनर अब कोल माइंस के लिए लगी मैनेजिंग में,कुछ कार्य होने की खबर बताया गया। शिवपुर साइडिंग के स्थानीय रैयत महेश महतो ने बताया कि कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड कंपनी आम्रपाली कोल परियोजना में कोल उत्खनन के लिए टेंडर वर्क में हुआ है एलेवन, जिसका मैनेजिंग के लिए टी.के रॉव नामक व्यक्ति ग्रामीणों को मैनेजिंग के लिए मीटिंग करना तथा धूर्त बनाना और पूर्व से कोल ट्रांसपोर्टिंग की कार्यों में लगा है। जिसमें ओवरलोडिंग की प्रमाण, आरसीआर मोड़ का कोल ढुलाई को अवैध रूप से कोल ट्रांसपोर्टिंग करना और मैनेजिंग के नाम

पर मोटी रकम हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है।इस खेला में जाँच होने पर रोचक पूर्वक राज खुलने की बात बताया। ज्वाइंट वेंचर के लाइजनर पूर्व में कोल ट्रांसपोर्टिंग में लगी उस वक्त उपद्रवी तथा अपराधियों से मिलकर दहशत फैलाने को लेकर कई बार गोलीबारी करवा कर स्थानीय ग्रामीणों में भय के माहौल बनाने का कार्य भी किया है।मनिलॉड्रिंग के तर्ज पर वरीय एजेंसी द्वारा जांच करवाने की माँग किया जायेगा। ज्वाइंट वेंचर के लाइजनर तथा उसके करीबी की फोन नंबर को खंगाला जाए तो कई सबूत अपराधियों एवं अन्य की मैनेजिंग करने की खुल सकती है पॉल। आम्रपाली कोल परियोजना से महीना में कभी-कभाल शिवपुर साइडिंग तक कोल ट्रांसपोर्टिंग करने के दौरान बिना डीएमओ पेपर बनाये हुए सिर्फ कांटा कर ओवरलोडिंग कोल ट्रांसपोर्टिंग होने की बात खुद सीसीएल के कर्मी एंव कंपनी के कर्मी फोन में जानकारी दी पूर्व में जो प्रमाण के तौर पर है रिकॉर्ड,उच्च स्तरीय हुआ जांच तो खुलेगा बड़ा पोल। आज भी जब से कोल ट्रांसपोर्टिंग कर रही जॉइंट वेंचर कंपनी के द्वारा ओवरलोडिंग कोल ट्रांसपोर्टिंग है जारी, जिला के डीटीओ बने हैं अनजान,आगे कहे कि मैनेजिंग कर ओवरलोडिंग कोल ट्रांसपोर्टिंग धड़ले से की जा रही है।

बिजली की समस्याओं को लेकर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष के नेतृत्व में बिजली विभाग को सौपां ज्ञापन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःहिरणपुर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनोवर आलम जेएमएम प्रखंड सदस्य मो इमरान के संयुक्त नेतृत्व में एक आवेदन कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग के नाम एक आवेदन सौपां ज्ञात हो कि रानिकोला फीडर और हिरणपुर फीडर से मिलने वाली बिजली रात में नही मिलने रात भर बिजली बाधित रहने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है, मनोवार ने कहा विभाग लापरवाही के कारण जनता परेशान है भीषण गर्मी में रात भर लाइन कटा रहना और सुबह 6 बजे ही बिजली आना ऐसा लगता है की जानबूझकर लोगो को परेशान कर रही है विभाग को सूचना देने का जो साधन है वो भी ठीक काम नही करता न ही फीडर में बैठे कर्मी आम जनता को सुन रहा है और न सही जवाब देता है जनता विभागीय लापरवाही से परेशान है अगर विधुत व्यवस्था में सुधार नही आया तो सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को जनता बाध्य होगा और इसकी जवाबदेही विभाग का होगा इसी के नियमित एक आवेदन हमलोग आज दिए है इसमें पूर्व प्रत्यासी कांग्रेस नेता रासका हेंब्रम मो अनीश मानिक दास मो तनवीर सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

संक्षिप्त समाचार

बकरीद पर्व को लेकर मिजाचौकी थाना में की गई शांति समिति की बैठक

मंडरो:

बकरीद पर्व को लेकर मिर्जा चौकी थाना प्रांगण में बुधवार को शांति समिति की बैठक की गई ।बैठक की अध्यक्षता मंडरो प्रखंड विकाश पदाधिकारी मेघनाथ उरांव के द्वारा की गई। जिसमें बकरीद पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण मनाने का निर्णय लिया गया ।वहीं बताया गया कि दिनांक 7 जून 2025 से 9 जून 2021 को बकरीद पर्व हर्षोल्लाह के साथ मनाने की अपील की है। वही मंडरो प्रखंड विकाश पदाधिकारी मेघनाथ उरांव ने कहा की सभी लोग मिलजुल कर शांतिपूर्ण वातावरण में बकरीद का पर्व मनाए ।पर्व के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी करने वाले और असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सचेत है। वहीं पुलिस पदाधिकारी ने कहा कि पर्व के पूर्व से ही इंटरनेट मीडिया पर प्रशासन की कड़ी नजर है। किसी भी तरह के विवादित या आपत्तिजनक पोस्ट शेयर करने वालों के खिलाफ प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा ।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मौके पर पु अ नी महेंद्र सिंह,स अ नी अरुणजय सिंह, कासिम साह,झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलु मिश्रा, प्रमुख प्रतिनिधि शिवशंकर गुप्ता, राजेश राम, शिवलाल पंडित, राजीव जायसवाल, बीरेंद्र साह,नाजीर अंसारी, बरकत अंसारी, शहादत अंसारी समेत अन्य मौजूद थे।

विजय कुमार सिन्हा के सुपुत्र गोविंद के विवाहोत्सव में भाजपा नेता राकेश सिंह ने शामिल होकर बाबा हरिहरनाथ का प्रतीक चिन्ह दिया

पटना ,।

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के सुपुत्र गोविंद के विवाहोत्सव में भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह शामिल होकर बाबा हरिहरनाथ का प्रतीक चिन्ह और चुनरी देकर स्नेहाशीष एवं बधाई दिया। यह शुभबंधन सदा हर्ष, उल्लास और उमंग से ओत-प्रोत रहे, ऐसी मेरी कामना है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पूर्व मंत्री सहनवाज हुसैन बिहार सरकार मंत्री मदन सहनी बिहार सरकार मंत्री मंटू सिंह मोनू सिंह सहित तमाम प्रदेश और जिला के पार्टी के नेताओ का आने जाने का लगा रहा ताता ज्ञात हो की इस शादी मे दो दिन पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शादी मे. सिरकत की थी और शादी की शुभकामनायें दिया था।

नबीनगर थाना अंतर्गत महीप बिगहा मोड़ के पास युवक को गोली मारकर हत्या करने के प्रयास में 02 अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- नबीनगर थाना अंतर्गत महीप बिगहा मोड़ के पास युवक को गोली मारकर हत्या करने के प्रयास में 02 अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार। इस बात की जानकारी देते हुए औरंगाबाद पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने अपने कार्यालय के सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि औरंगाबाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महीप बिगहा मोड़ के पास युवक को गोली मारकर हत्या करने के प्रयास में 02 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार,आगे इन्होंने कहा कि दिनांक-31.05.2025 को नबीनगर थानांतर्गत ग्राम महीप बिगहा मोड़ के पास दीपक कुमार सिंह को पूर्व के विवाद को लेकर दो व्यक्तियों द्वारा जान मारने की नियत से गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया था। घायल व्यक्ति के फर्द बयान के आधार पर नबीनगर थाना काण्ड संख्या-178/25, दिनांक-31.05.2025, धारा-126 (2)/118(1)(2)/109/3(5) भा०न्या०सं० तथा 27 आर्मुस एक्ट दर्ज की गई थी।कांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-01 के नेतृत्व में एक रक्ळ का गठन कर कांड में संलिप्त अभियुक्तों के अविलंब गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था गठित रक्ळ के द्वारा सी०सी०टी०वी० फुटेज के अवलोकन, तकनीकी विश्लेषण एवं आसूचना संकलन के आधार पर रक्ळ के द्वारा कांड में संलिप्त नामजद अभियुक्त 1. भोलू कुमार 2. सोनू कुमार को नवीनगर स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपना-अपना अपराध स्वीकार किया एवं इनके निशानदेही पर रजवरिया टिकर स्थित झाड़ी से घटना में प्रयुक्त 01 देशी कट्टा एवं 01 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि पूर्व के विवाद को लेकर हम दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी जिसमें मेरा (सोनू कुमार) सर फट गया था, इसी घटना का बदला लेने के उद्देश्य से हमदोनों ने दीपक कुमार सिंह को गोली मारकर जख्मी कर दिया था।

डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के अंतर्गत महादलित टोलों में विशेष विकास शिविर का जिला पदाधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री द्वारा रफीगंज प्रखंड के गोरडीहा पंचायत में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत आयोजित विशेष विकास शिविर का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित विभागीय पदाधिकारियों से शिविर में प्राप्त आवेदनों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने पाया कि अधिकांश आवेदन राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आधार नामांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर नल-जल योजना, नाली-गली योजना एवं आयुष्मान भारत योजना से संबंधित हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी आवेदनों को पोर्टल पर तत्क्षण अपलोड करते हुए उनका ऑन-द-स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभार्थियों को त्वरित लाभ प्राप्त हो सके। शिविर का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के वंचित परिवारों को सरकारी योजनाओं का शीघ्र, समावेशी एवं व्यापक लाभ प्रदान करना है, जिससे उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया तथा योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन करने के लिए प्रेरित

किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी सेवाओं की सीधी पहुंच सुनिश्चित करना है। शिविर स्थल पर जिलाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री द्वारा लाभार्थियों के बीच वासीगत पर्चा, आयुष्मान भारत कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि का वितरण भी किया गया। इससे लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का वास्तविक लाभ प्राप्त हुआ। शिविर में विभिन्न विभागों की सहभागिता रही तथा लाभार्थियों के ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण, दस्तावेज सत्यापन एवं सेवा वितरण की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शता एवं सुगमता के साथ संपन्न हुई। इस प्रकार के शिविरों से न केवल सेवाओं की पहुंच सुगम होती है, अपितु आमजन में प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ होता है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि इस प्रकार के विशेष शिविरों का आयोजन जिले के सभी प्रखंडों में प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को किया जा रहा है, जिसकी शुरूआत दिनांक 19 अप्रैल 2025 से की गई है। इन शिविरों के माध्यम से कुल 22 चयनित सेवाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समन्वय, तत्परता एवं उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करते हुए शिविरों को सफल बनाएं, क्योंकि सरकार का उद्देश्य है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

अपनी जिम्मेदारियां समझें पदाधिकारी : उपायुक्त

तत्परता के साथ कार्य करेंगे, तो राजस्व संग्रहण में आएगी प्रगति

निर्धारित समय सीमा में राजस्व मामलों का निराकरण कराएं सुनिश्चित

दाखिल खारिज के लंबित मामलों की स्थिति में लाएं सुधार

बैठक में पूरी तैयारी के साथ पहुंचे अंचल अधिकारी

पलामू उपायुक्त ने की राजस्व से संबंधित समीक्षा

मेदिनीनगर (पलामू)

उपायुक्त समीरा एस० आज समाहरणालय सभागार में राजस्व से संबंधित समीक्षा बैठक की। उन्होंने राजस्व संग्रहण एवं राजस्व मामलों के निराकरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी लक्ष्य का ठीक से असेसमेंट करते हुए, लक्ष्य के अनुरूप कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व संग्रहण की दिशा में अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ कार्य करने का निदेश दिया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को राजस्व से संबंधित मामलों के निराकरण हेतु पूरी तत्परता के साथ कार्य करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी मामले आम नागरिकों के हितों से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इससे संबंधित मामलों का निष्पादन निर्धारित समयावधि में किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता दरबार में अधिकांश मामले भूमि से जुड़े दाखिल खारिज, सीमांकन, रसीद कटाने आदि से ही संबंधित आ रहे हैं। एक ही भूमि का दो-दो रैयतों के नाम से रसीद कटने की भी शिकायत मिली है। ऐसे में अंचल अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और ठीक से कर्तव्य निर्वहन करना सुनिश्चित करें। अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को हिदायत करें। लापरवाही या अनदेखी नहीं करें। ऐसे कृत्य में किसी की संलिप्तता पाई गई, तो भविष्य में समस्या होगी। भूमि संबंधी विवाद नहीं हो इसके लिए सक्रियता से कार्य करें। उन्होंने तत्परता के साथ भूमि संबंधी मामलों का निराकरण करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से हिदायत दिया कि कार्य में किसी तरह की बाधा या विलंब नहीं होनी चाहिए। इससे संबंधित शिकायत आती है, तो आप खुद समझेंगे। उपायुक्त समीरा एस० ने दाखिल खारिज एवं भूमि सीमांकन के लंबित मामलों का निष्पादन कर स्थिति में सुधार लाने का सख्त निदेश दिया। उन्होंने अंचल अधिकारियों से एक-एक कर अंचल से संबंधित कार्यो की अद्यतन स्थिति से अवगत हुई तथा भूमि संबंधी लंबित आवेदनों पर अंचल अमीन के साथ बैठक कर उचित निर्णय लेने का निदेश भी दिया। उपायुक्त ने अंचल अधिकारियों को कार्य में प्रगति लाने एवं पूर्व तैयारी कर बैठक में भाग लेने का सख्त निदेश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी उपस्थित थे।

पातालगंगा में मेडिकल कॉलेज को लेकर मसाल जुलुश 08 को

सूर्य नगरी देव बाजार 09 को पूर्ण बंद का एलान

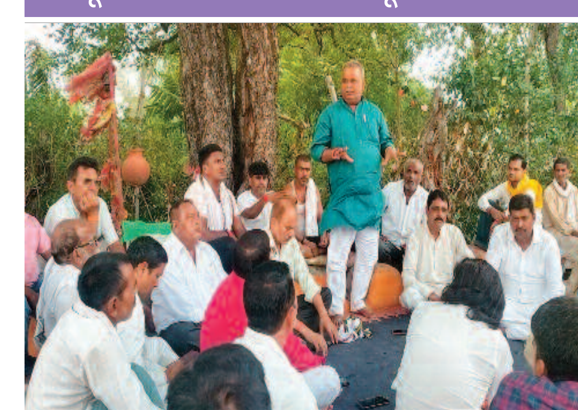

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :-:राष्ट्रीय किसान मजदूर विकास मंच और पाताल गंगा संघर्ष समिति के तरफ से पातालगंगा मठ परिसर में मेडिकल कॉलेज का मुख्यमंत्री द्वारा शिलान्यास करने के बावजूद और सरकार द्वारा मिट्टी जाँच हेतू दस लाख खर्च होने पर भी देव में मेडिकल कॉलेज पर संशय बरकरार पर समाजसेवीयों नें क्षुब्ध होते हुए बैठक में निर्णय लियें की 08 को मसाल जुलुश निकालकर 09 को बाजार पूर्ण बंदी कर सांकेतिक आंदोलन का सन्देश सरकार तक पहुँचाया जाए 'फिर भी सरकार के पदाधिकारियों का अड़ियल रवैयों का कुम्भकरणी नींद नहीं टूटता है तो आने वाले विधानसभा में वोट बहिष्कार करने की चेतावनी दी गयी ' देवासियों नें कहा की आंदोलन होने से हीं मेडिकल कॉलेज को रोकने करने वाले षड़यंत्रकारी नेताओं को बेनकाब किया जा सकता है ' बताते चलें की पाताल गंगा में मेडिकल कॉलेज होने से बिहार के साथ साथ झारखण्ड, छत्तीसगढ़ और अन्य नजदीकी राज्य के रोगियों को लाभ युग युगान्तर तक मिलता रहेगा इसे रोकने का प्रयास कतई बर्दास्त नहीं किया जायेगा ' इस आंदोलनकारी बैठक में किसान नेता व बेढ़नी मुखिया मनोज सिंह, पैक्स अध्यक्ष योगेंद्र यादव, देव नगर अध्यक्ष पिंटू साहिल, समाजसेवी शक्ति मिश्रा,मठ के सचिव राजेंद्र यादव,जुझारू नेता राजेंद्र गुप्ता,पातालगंगा महोत्सव के अध्यक्ष सूरजदेव यादव, सुरेन्द्र यादव, उपेंद्र यादव, अमरेंद्र तिवारी, चिंटू तिवारी, प्रमोद कुमार डॉ राजेंद्र प्रसाद, दीपक गुप्ता ,देव पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र चौरसिया, पूर्व समिति सदस्य उपेंद्र यादव उपस्थित रहें '

मिशन 2025 बिहार विधानसभा चुनाव के अंतर्गत लोजपा नेता प्रमोद कुमार सिंह ने कई गांवों में जाकर जनसंपर्क किया

जनसंपर्क के दौरान प्रमोद कुमार सिंह ग्रामीणों से रफीगंज विधानसभा क्षेत्र में विकास करने का मौका मांगा।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार में चुनाव करीब है इसी कड़ी में मिशन 2025 बिहार विधानसभा चुनाव के अंतर्गत लोजपा (आर) पार्टी के प्रदेश महासचिव सह रफीगंज विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी रहे सह जिले के सुप्रसिद्ध समाजसेवी प्रमोद कुमार सिंह ने कई गांवों में जाकर जनसंपर्क किया,आगे जनसंपर्क के दौरान लोजपा नेता प्रमोद कुमार सिंह ग्रामीणों से रफीगंज विधानसभा क्षेत्र में विकास करने का मौका मांगा। जनसम्पर्क के दौरान इन्होंने रफीगंज प्रखंड के बौर पंचायत अंतर्गत ग्राम बौर, बहादुरपुर, प्रेम बीघा, दनई एवं पड़रिया, गन्धरफ, मुनजारी आदि गावो में जाकर लोगों से विस्तृत रूप

से बिहार विधानसभा चुनाव पर चर्चा किया,आगे इस दौरान लोजपा नेता प्रमोद कुमार सिंह ने गांव-गांव, टोला-टोला जाकर बड़े बुजुर्गों से आशीर्वाद, नवयुवकों से संवाद और माताओं-बहनों से आत्मीय भेंट हुई। और मिलने वाले ग्रामीणों से गांव की गलियों में अपनापन मिला है और युवा साथियों की बातों में बदलाव की गूंज सुनाई दी। इन्होंने जनता का यह स्नेह, विश्वास और सहयोग ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है – जो मुझे मिशन 2025 की ओर और अधिक संकल्पबद्ध और सक्रिय बनाता है। इस जनसम्पर्क में प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि मैं सभी ग्रामवासियों का हृदय से धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने प्रेमपूर्वक स्वागत किया और अपनी भावनाएं साझा कीं।

आपका यह सहयोग और आशीर्वाद ही 2025 के संकल्प को मजबूत करता है। मिशन 2025 जनता का आशीर्वाद, बदलाव का संकल्प लेकर मैदान में ग्रामीण जनता तैयार है।

शहीद शिव शंकर गुप्ता को शहादत दिवस पर किया याद, दी गई श्रद्धांजलि

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मुख्यालय स्थित शहर के सब्जी मंडी के पास कारगिल शहीद स्मारक परिसर में बुधवार को शहीद सैनिक शिवशंकर प्रसाद गुप्ता जी के 26 वें शहादत दिवस पर समारोह आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। जब देश की सरहद की रक्षा करने वाले वीर जवानों ने कारगिल में पाकिस्तान को धूल चटाकर देश को जीत का तोहफा दिया था. इस भीषण युद्ध में हिंदुस्तान के कई योद्धाओं ने अपनी शहादत भी दी थी. इन्ही मे शुमार हैं औरंगाबाद के वीर शिव शंकर गुप्ता. छह जून, 1999 को जब उनकी शहादत की खबर जिले में पहुंची तो हर किसी का सीना फक्र से ऊंचा हो गया था. भारतीय सेवा के वीर सपूत शिव शंकर गुप्ता अपने साथियों के पार्थिव शरीर को लाने के लिए दुश्मनों की मांद में जा घुसे थे और इसी दौरान शहीद हुए.

साथियों का शव लेने जब दुश्मनों की मांद में घुसे, शहीद हुए

शिव शंकर साथी सैनिकों के साथ चार जून की सुबह शव लाने के लिए आगे बढ़े और 14230 फुट ऊंची पथरीली व बर्फीली पहाड़ी पर पहुंच गये. वहां कंपनी कमांडर का पार्थिव शरीर पड़ा हुआ था. रेंगते हुए वे शव के पास पड़े हथियार और गोला-बारूद नीचे ले आये. पार्थिव शरीर लाने के लिए दोबारा ऊपर चढ़े और उसे लेकर 50 मीटर की ही दूरी तय की थी कि उन्हें दुश्मन की गोली लग गयी. लेकिन बिना घबराये उन्होंने मोर्चा संभाले रखा और दुश्मन पर फायरिंग करते हुए उन्हें आगे बढने से रोक दिया. दो घंटे तक गोलीबारी होती रही. अंततः सीने मे एक गोली लगी और महज 20 साल आठ माह की उम्र मे शिव शंकर अपने देश के लिए शहीद हो गए। रेड क्रॉस के चेयरमैन सतीश कुमार सिंह और औरंगाबाद नगर परिषद के अध्यक्ष उदय गुप्ता ने कहा कि शहीद शिव शंकर प्रसाद गुप्ता जी की शहादत ने देश के साथ-साथ जिलों को गौरवान्वित किया है। उन्हें अपने श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित कर मुझे गर्व की अनुभूति हुई। इस मौके पर कारगिल शहीद स्मारक समिति के अध्यक्ष कृष्णा कुमार पिंटू, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य गोपाल शरण सिंह, नगर परिषद उपाध्यक्ष मो0 एहसान, समाजसेवी पंकज वर्मा, सुशील रिंकू , पुरुषोत्तम अग्रवाल , संजीव स्वर्णकार , संजय सत्कार , संजीव गुरु जी ,प्रकाश यादव, धीरज अजनबी, ब्रजेश यादव, प्रमोद महाजन ,राहुल राज, सुनील कुमार एवं अन्य लोगों ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

औरंगाबाद में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था दुरुस्त हो जन सुराज पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य - विकाश कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जन सुराज नेता विकाश कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह ने बताया कि औरंगाबाद जिले के विभिन्न प्रखंड मुख्यालयों से जिला मुख्यालय तक पहुंचना आज भी आम लोगों के लिए एक चुनौती भरा काम है।अगर किसी को रफीगंज, गोह, नबीनगर आदि स्थानों से औरंगाबाद जाना हो तो यह एक कठिन काम ही है।क्योंकि बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की ओर से किसी भी प्रकार की सुविधा मुहैया नहीं कराई गई है।कोई सिटी बस,मिनी बस आदि का परिचालन भी इन क्षेत्रों में उपलब्ध नहीं है।जिसका सीधा फायदा प्राइवेट बस मालिकों को हो रहा है,इन मार्गों पर उनका एकछत्र राज ही कायम हो गया है।मनमाना किराया वसूलना और यात्रियों से बदसलूकी करना उनकी आदत बन गई है।हालत यह हो गई है कि इन बसों से यात्रा करने में आम लोगों की आत्मा कांप जाती है।एक तो आबादी के अनुपात में बसे कम होने के कारण सारी बसें हमेशा खचाखच भरी होती हैं।फिर भी परिचालक(कंडक्टर) उसमें भेड़ बकरियों की तरह लोगों को ठूस देता है और उसके ऊपर ऐसी भाषा में बात करता है कि लोगों की आत्मा तक छिल जाती है जिसके ऊपर मनमाना किराया उन्हें कहीं का नहीं छोड़ता।

इतनी दुश्वारियों के बीच यात्रा करना पुनर्जन्म लेने जैसा कठिन काम है। बस में जो पंखे लटके हुए हैं वो आखिरी बार कब चले थे ये तो उन्हें भी याद नहीं होगा। खिड़कियों के शीशे इतने जाम हो गए हैं मानों उन्हें फेविकोल के मजबूत जोड़ से चिपकाया गया हो।अब आप लोग कल्पना कीजिए बस के अंदर का आलम क्या होगा?? इतना संघर्ष करके कोई यात्रा पूरी करके किसी तरह औरंगाबाद पहुंच भी जाए तो जिस काम के लिए आया है वह काम करने के लायक नहीं बचेगा। ऐसी जर्जर व्यवस्था 1980 या उसके पहले से ही चली आ रही है तब से न जाने कितने विधायक, सांसद और मंत्री,संत्री बदले पर किसी ने इसकी ओर ध्यान नहीं दिया।शायद फॉरच्यूनर के काले शीशे में ये सब दिखता भी नहीं होगा। खैर इसका फैसला तो जनता कर लेगी।मै तो बिहार सरकार से सिर्फ इतनी मांग करना चाहता हूं कि पटना आदि शहरों के तर्ज पर इलेक्ट्रिक बसें इन मार्गों पर चलाने की व्यवस्था की जाए।निजी बसों के मनमानी किराए पर रोक लगाकर उनका किराया फिक्स किया जाय और पूरे रूट पर दूरी के हिसाब किराया निश्चित करके उसका बोर्ड लगा दिया जाए ताकि आम लोगों की आंखों में ये निजी बस वाले धूल न झोंक पाए।धूप और बरसात से बचाने वाले बस स्टैंड का निर्माण किया जाय तथा वहां पीने के पानी की भी व्यवस्था की जाए। इससे चौतरफा मार झेल रही आम जनता को राहत के कुछ बूंदे मिल जाएगी।नहीं तो किसी चमत्कार के उम्मीद में जीवन तो गुजर ही रही है।

पहली बार हो रहा सेना का निर्लज्ज इस्तेमाल

>> विचार

“ भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के चौथे दिन दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम का सबसे पहले ऐलान करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब तक 11 मर्तबा यह दावा कर चुके हैं कि दोनों देशों को उन्होंने ही संघर्ष विराम के लिए मजबूर किया ताकि परमाणु युद्ध को टाला जा सके। वे कश्मीर मसले पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बनने की बात भी कह चुके हैं, जो कि भारत की स्थापित और सुविचारित विदेश नीति के खिलाफ है। प्रधानमंत्री मोदी इन सारे सवालों का जवाब देने के बजाय सेना की आड़ में छिपते दिख रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी और उससे जुड़े अन्य संगठन देश भर में सैन्य वर्दी में प्रधानमंत्री की तस्वीरों वाले पोस्टर और होर्डिंग्स के जरिये पाकिस्तान को सबक सिखाने का प्रचार कर रहे हैं। यही नहीं, सेना के जरिये भी झूठे वीडियो जारी कराए जा रहे हैं।

अनिल जैन

चुनाव आयोग का चरित्र भी अब पूरी तरह बदल चुका है, लिहाजा वह भी यह सब खामोश रहकर देखता रहता है। मीडिया पूरी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल के प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका है, इसलिए वह सेना के इस बेजा इस्तेमाल पर कोई सवाल नहीं उठाता। न्यायपालिका का रवैया भी इस मामले में कमोबेश चुनाव आयोग और मीडिया जैसा ही रहता है। जम्मू-कश्मीर के कारगिल में भारत और पाकिस्तान के बीच 1999 में मई से जुलाई के बीच तीन महीने तक सैन्य संघर्ष चला था, जिसमें भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना को अपनी जमीन से खदेड़ने में कामयाब रही थी। उससे पहले केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार गिर चुकी थी, जिसकी वजह से लोकसभा के मध्यावधि चुनाव होने वाले थे। भारतीय जनता पार्टी के उत्साही कार्यकर्ताओं ने चुनाव के मद्देनजर कारगिल की लड़ाई में भारतीय सेना की कामयाबी को वाजपेयी सरकार की उपलब्धि के तौर पर प्रचारित करने के लिए दिल्ली में कुछ स्थानों पर पोस्टर लगाए थे, जिनमें वाजपेयी के साथ ही भारत के तीनों सेना प्रमुखों को भी दिखाया गया था। भारत के पूर्व थल सेनाध्यक्ष वेद प्रकाश मलिक ने अपनी किताब 'कारगिल' फ्रॉम सरप्राइज टु विक्ट्री' में खुलासा किया है कि उन्हें जब ऐसे पोस्टरों की जानकारी मिली तो उन्होंने इस बारे में प्रधानमंत्री वाजपेयी से शिकायत की और कहा कि यह नहीं होना चाहिए। वाजपेयी ने उन्हें आश्वासन दिया कि ऐसा नहीं होगा और फिर वाकई ऐसा नहीं हुआ। इससे पहले भी पाकिस्तान को भारतीय सेना 1965 और 1971 के युद्ध में धूल चटा चुकी थी। यही नहीं, बहुत कम लोगों को जानकारी है कि भारत का चीन के साथ 1962 के बाद 1967 में एक सीमित युद्ध भी सिक्किम के सीमांत में हुआ था, जिसमें भारतीय सेना ने अपने पराक्रम से चीन को उसकी सीमा में धकेलने में कामयाबी हासिल की थी। तब भी सेना की इस कामयाबी का तत्कालीन सरकारों ने चुनावों में कभी भी राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया। इसके अलावा पिछले 27 वर्षों के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ 11

मर्तबा सर्जिकल स्ट्राइक की है, जिनमें से 9 सर्जिकल स्ट्राइक 2014 के पहले तक और दो बार 2014 के बाद हुई। 2014 के पहले तक किसी भी सरकार ने भारतीय सेना के पराक्रम का चुनावी इस्तेमाल नहीं किया। इधर पिछले एक दशक से सरकार ने सेना की हर कार्रवाई को अपने राजनीतिक कार्यक्रम का हिस्सा और सेना को प्रकारांतर से सत्तारूढ़ दल का एक मोर्चा संगठन जैसा मान लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी हर चुनाव में सेना के नाम का खुलकर इस्तेमाल करती है, उसके किसी भी कारनामे को अपनी उपलब्धि बता कर वोट मांगती है। चुनावी रैलियों के मंच पर लगे बैनर-पोस्टरों में प्रधानमंत्री की तस्वीर के साथ सैन्य प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता है। यही नहीं, कभी-कभी तो सरकार की ओर से सेना के अफसरों को भी अपने प्रवक्ता की तरह काम करने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। चूंकि चुनाव आयोग का चरित्र भी अब पूरी तरह बदल चुका है, लिहाजा वह भी यह सब खामोश रहकर देखता रहता है। मीडिया पूरी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल के प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका है, इसलिए वह सेना के इस बेजा इस्तेमाल पर कोई सवाल नहीं उठाता। न्यायपालिका का रवैया भी इस मामले में कमोबेश चुनाव आयोग और मीडिया जैसा ही रहता है। कुल मिलाकर कोई भी सक्षम संवैधानिक संस्था सेना के इस तरह राजनीतिकरण किए जाने की कोशिशों के खतरों को समझते हुए उन कोशिशों पर अंकुश लगाने की अपनी भूमिका निभाती नहीं दिखती। इस समय भी यही सब कुछ हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं कि कश्मीर के पहलगाम में हुए पिछले दिनों हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के संरक्षण में आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना ने एक बार फिर अपने पराक्रम का सटीक प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान में उसके कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादियों के कई ठिकानों को नष्ट करने किया है। लेकिन लक्ष्य पूरा होने से पहले ही भारतीय सेना की कार्रवाई अचानक क्यों और किसके दबाव में रोक दी गई, इस सवाल का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। यह सवाल विपक्षी दलों के अलावा, भारतीय सेना के कई पूर्व अधिकारी, सामरिक मामलों के जानकार, वैकल्पिक मीडिया के पत्रकार और सोशल मीडिया में आम लोग भी पूछ रहे हैं। यह सवाल उन हलकों को भी बेचैन और निराश किए हुए हैं, जो आम तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और उसमें भी विशेष रूप से पाकिस्तान से जुड़े मसले पर हमेशा सत्ताधारी राजनीतिक समूह के नजरिये से इत्तफाक रखते हैं। साथ ही नरेंद्र मोदी को भारत का ही नहीं बल्कि समूचे विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय, दूरदर्शी और शक्तिशाली नेता मानते हैं। युद्ध छोटा हो या बड़ा, दोनों पक्षों को कुछ न कुछ नुकसान उठाना ही पड़ता है और दोनों पक्ष एक दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा भी करते हैं। इसलिए पाकिस्तान का यह दावा करना स्वाभाविक है कि उसने भारत के कई लड़ाकू विमानों नुकसान पहुंचाया है। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत के साथ सैन्य संघर्ष के बाद पाकिस्तान में लोगों ने जश्न मनाया है और 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह भी पहली बार हुआ है कि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिक्रिया का भारतीय सेना द्वारा बहादुरी से जवाब देने के बावजूद भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के चौथे दिन दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम का सबसे पहले ऐलान करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब तक 11 मर्तबा यह दावा कर चुके हैं कि दोनों देशों को उन्होंने ही संघर्ष विराम के लिए मजबूर किया ताकि परमाणु युद्ध को टाला जा सके। वे कश्मीर मसले पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बनने की बात भी कह चुके हैं, जो कि भारत की स्थापित और सुविचारित विदेश नीति के खिलाफ है। प्रधानमंत्री मोदी इन सारे सवालों का जवाब देने के बजाय सेना की आड़ में छिपते दिख रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी और उससे जुड़े अन्य संगठन देश भर में सैन्य वर्दी में प्रधानमंत्री की तस्वीरों वाले पोस्टर और होर्डिंग्स के जरिये पाकिस्तान को सबक सिखाने का प्रचार कर रहे हैं। यही नहीं, सेना के जरिये भी झूठे वीडियो जारी कराए जा रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री देश भर में रैलियों के माध्यम से 'घर में घुस कर मारूंगा', 'ठोंक दूंगा', 'मिट्टी में मिला दूंगा', 'रोटी खाओ और चैन से रहो, नहीं तो मेरी गोली खाओ' जैसे सस्ते फिल्मी डॉयलॉगों के जरिये लोगों को बहलाने का प्रयास कर रहे हैं। हर जगह एक जैसी भाषा और एक जैसा चिंघाड़ता हुआ अंदाज। दरअसल प्रधानमंत्री के पास सवालों के जवाब नहीं हैं, इसलिए उनकी सरकार के किसी मंत्री या सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ताओं के पास भी जवाब होने का सवाल ही नहीं उठता। इसलिए उनकी पार्टी के प्रवक्ता टीवी चैनलों की डिबेट में विपक्षी पार्टी के प्रवक्ताओं को उनके सवालों का जवाब देने के बजाय मां-बहन की गालियां दे रहे हैं और चैनल के एंकर-एंकरनियां उन्हें गालियां देते देख मुदित होते हुए देख रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण करते हुए सत्तारूढ़ दल की योजना तो देश भर में महिलाओं के लिए घर-घर सिंदूर पहुंचाने की भी थी। उसके प्रवत्ताओं की ओर से टीवी चैनलों पर बाकायदा इसका औचित्य भी बताया जा रहा था, लेकिन इस मामले को लेकर सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री के निजी जीवन पर उठते तीखें सवालों ने सत्तारूढ पार्टी को इस योजना पर अपने कदम पीछे खींचने पर मजबूर कर दिया। मोदी की हताशा इस बात से भी समझी जा सकती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मलिन हो चुकी छवि को चमकाने के लिए उन्हें कांग्रेस के उसी नेता यानी शशि थरूर का सहारा लेना पड़ा जिसे नीचा दिखाने के लिए उन्होंने एक बार उनकी पत्नी को 'पचास करोड़ की गर्ल फ्रेंड' बताने जैसा भद्दा फिकरा कसा था और उन्हीं शशि थरूर ने मोदी को 'शिवलिंग से लिपटा बिच्छू' करार दिया था। प्रधानमंत्री ने थरूर सहित पक्ष-विपक्ष के कई सांसदों और पूर्व सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भारत का पक्ष रखने के लिए भेजने की जो कवायद की थी, वह भी बेमतलब साबित हुई है। कुल मिलाकर पूरा सूरत-ए-हाल यह बता रहा है कि प्रधानमंत्री सहित पूरा सत्तापक्ष जिस राष्ट्रीय सुरक्षा और जिस राष्ट्रवाद के मुद्दे को वह अपना तुरुप का इक्का समझता था, उसका कथानक अब उसके हाथ से फिसल चुका है। ऐसा पिछले 11 साल में पहली बार हुआ है। इसीलिए अब वह सेना के पीछे छिपने की भौंडी कोशिश करता दिख रहा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

संपादकीय

पूर्वोत्तर में तबाही की बारिश

पूर्वोत्तर में इस बार भी बारिश ने तबाही मचा दी है। लाखों लोगों का जीवन संकट में है। असम सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, मानवीय संकट भी है। वर्तमान स्थिति का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन तो है ही, कमजोर बुनियादी ढांचा भी है। पूवीत्तर के कई राज्य हर बार भारी बारिश का सामना करते हैं। इस दौरान नदियां उफन पड़ती हैं। जर्जर तटबंध पानी के वेग को संभाल नहीं पाते। नतीजा यह कि कई जिले जलमग्न हो जाते हैं, जिससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं। फसलें बर्बाद हो जाती हैं। दरअसल, जंगलों की कटाई, अवैध खनन और अनियोजित शहरीकरण से यह समस्या बढ़ी है। पूर्वोत्तर में आपदा प्रबंधन आज तक मजबूत नहीं बन पाया है, तो इसकी क्या वजह है? मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल सहित कई राज्य इस बार भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई लोगों की मौत हो चुकी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रपट के मुताबिक 764 गांव जलमग्न हो गए हैं। पूरे पूवीत्तर में बरसात के दिनों में यही तस्वीर दिखती है। सवाल है कि बाढ़ से बचाव के लिए राज्य सरकारें पहले से तैयारी क्यों नहीं करतीं। जलवायु विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर जलवायु अनुकूल रणनीति और योजनाएं नहीं बनाई गईं, तो भविष्य में बारिश बड़े पैमाने पर तबाही ला सकती है। मौसम वैज्ञानिक पहले से ही बताते रहे हैं कि पूवीत्तर क्षेत्र की संरचना नाजुक है। ऐसे में, जल निकासी का व्यापक प्रबंधन न होने से मूसलाधार बारिश के दौरान जल प्रवाह को संभालना मुश्किल होता है। वहीं उफनती नदियां तबाही मचा देती हैं। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विभाग की रपट बताती है कि वर्ष 2000 से 2020 के बीच मेघालय, अरुणाचल और असम में 33 फीसद बारिश बढ़ी है। ऐसे में आपदा प्रबंधन से जुड़े योजनाकारों और मौसम विज्ञानियों को बारिश में आई तीव्रता और मौसम के बदलते मिजाज को समझना होगा। प्राकृतिक आपदा के कारण नागरिक बेघर न हों, इसके लिए जरूरी है कि स्थानीय निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए। हर वर्ष तबाही की बारिश से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की ठोस योजनाएं बनाना वक्त का तकाजा है।

रोहिंग्या पलायन के बाद बांग्लादेश-म्यांमार के द्विपक्षीय संबंध

प्रो. शान्तेष कुमार सिंह

2017 में रोहिंग्या पलायन के बाद बांग्लादेश-म्यांमार के द्विपक्षीय संबंध गहराई से खंडित रहे हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता और महाशक्ति प्रतिद्वंद्विता से उलझी एक व्यापक भू-राजनीतिक दोष रेखा में विकसित हो रहे हैं. जबकि बांग्लादेश दस लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों का बोझ उठाना जारी रखता है, म्यांमार 2021 के तख्तापलट के बाद तेजी से सैन्यीकृत और खंडित हो गया है, जिसमें अराकान आर्मी (एए) जैसे विद्रोही समूहों ने राखीन राज्य के बड़े हिस्से पर अभूतपूर्व नियंत्रण हासिल कर लिया है. इस बीच, बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार का उदय, सैन्य समर्थित चुनाव की तैयारियाँ, प्रस्तावित यू.एस. समर्थित मानवीय गलियारा और भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ते तनाव ने क्षेत्रीय अस्थिरता और विदेशी हितों के पहले से ही जटिल मैट्रिक्स में नए आयाम पेश किए हैं. इस संकट का सबसे स्पष्ट मानवीय परिणाम रोहिंग्या विस्थापन है. शुरू में एक अस्थायी मुद्दे के रूप में देखा गया यह संकट एक लंबे समय तक चलने वाला चरित्र ले चुका है. चीन द्वारा 2023 में लगभग 1,000 रोहिंग्याओं की राखीन में "पायलट वापसी" के लिए मध्यस्थता सहित कई बार प्रत्यावर्तन समझौतों के बावजूद, असुरक्षा, नागरिकता की गारंटी की कमी और म्यांमार सेना (तत्मादाव) और जातीय सशस्त्र समूहों के बीच ताजा झड़पों के कारण प्रगति रुक गई है. इस अस्थिर स्थिति में, अराकान सेना एक केंद्रीय अभिनेता के रूप में उभरी है. एक अलग राखीन राज्य की आकांक्षाओं की घोषणा करते हुए, एए अब उत्तरी राखीन के कई हिस्सों में प्रशासनिक, न्यायिक और सैन्य कार्यों को नियंत्रित करता है, जो नेपीडॉ के अधिकार को खुले तौर पर चुनौती देता है. म्यांमार में सैन्य सरकार के राखीन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण खोने के साथ, बांग्लादेश खुद को सीमा पार अस्थिरता और सुरक्षित

प्रत्यावर्तन की सुविधा के लिए अंतरराष्ट्रीय अपेक्षाओं के बीच फंसा हुआ पाता है. यह इस संदर्भ में है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2024 की शुरुआत में एक "मानवीय गलियारे" का प्रस्ताव रखा, जिसमें बांग्लादेश से अराकान-प्रशासित राखीन क्षेत्रों में स्वैच्छिक रोहिंग्या वापसी के लिए संयुक्त राष्ट्र की निगरानी वाला मार्ग है. हालाँकि इस पहल को मानवाधिकार संगठनों और कुछ आसियान देशों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन म्यांमार की सेना और चीन दोनों ने इसकी आलोचना की है. नेपीडॉ अपनी संप्रभुता को दरकिनार करने वाले किसी भी गलियारे का विरोध करता है, जबकि चीन इसे अपने रणनीतिक पिछवाड़े में पश्चिमी अतिक्रमण के रूप में देखता है, विशेष रूप से चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे (उटएउ) के लिए खतरा है जो राखीन से होकर गुजरता है. बांग्लादेश और म्यांमार के वर्तमान विवाद का चीन पर सबसे ज्यादा प्रभाव उसके रणनीतिक और आर्थिक हितों पर पड़ रहा है. बदलते बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में चीन सतर्कता बरत रहा है, अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी कर रहा है और बांग्लादेश के साथ राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है. चीन इस मुद्दे पर अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता और अपने निवेश सुरक्षित रहें. चीन इस संकट को बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव हितों के नज़रिए से देखता है, जिसमें रणनीतिक क्यौकफ्यू डीप-सी पोर्ट और चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा (उटएउ) शामिल है. चीन म्यांमार में अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय है. म्यांमार-बांग्लादेश सीमा पर अस्थिरता से चीन की "वन बेल्ट वन रोड" (डइडफ) परियोजनाओं और व्यापार मार्गों पर असर पड़ सकता है. चीन क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखना चाहता है क्योंकि अस्थिरता उसके निवेश और परियोजनाओं के लिए जोखिम पैदा करती है. म्यांमार में गृहयुद्ध और सीमा पर हिंसा से चीन की रणनीतिक योजनाओं पर भी प्रभाव पड़ता है. चीन रोहिंग्या मुद्दे पर सावधानी बरतता है और इस मुद्दे को सीधे तौर पर उठाने से बचता है, ताकि म्यांमार से संबंध खराब न हों. यह मानवीय गलियारा अअ की व्यापक भू-राजनीतिक रणनीति के साथ भी प्रतिध्वनित होता है. अराकान सेना ने सावधानीपूर्वक इस विचार का स्वागत किया है, इसे वास्तविक स्वायत्तता और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता की ओर एक कदम के रूप में देखा है. "थ्री ब्रदरहुड एलायंस" का हिस्सा समूह ने 2023 के अंत में "ऑपरेशन 1027" के बाद से अपने संचालन का काफी विस्तार किया है, और राखीन के अधिकांश हिस्से से म्यांमार की सेना को प्रभावी रूप से खदेड़ दिया है. इसका प्रभुत्व बांग्लादेश की प्रत्यावर्तन महत्वाकांक्षाओं को जटिल बनाता है, क्योंकि ढाका अब एक कूटनीतिक दुविधा का सामना कर रहा है: शरणार्थियों के प्रत्यावर्तन के लिए गैर-राज्य अभिनेताओं से निपटना, जबकि म्यांमार की सैन्य सेना के साथ औपचारिक संबंध बनाए रखना, जिसे वह आधिकारिक रूप से मान्यता देता है. घरेलू मोर्चे पर, बांग्लादेश खुद राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर में प्रवेश कर चुका है. अपनी दक्षिण-पूर्वी सीमा पर बढ़ते सुरक्षा खतरों और शरणार्थी प्रबंधन को लेकर बढ़ते आंतरिक असंतोष के बीच, देश ने 2024 के अंत में एक अंतरिम सरकार बनाई, जिसे बांग्लादेश की सेना का समर्थन प्राप्त है, जो 2025 की शुरुआत में होने वाली संक्रमणकालीन चुनावी प्रक्रिया की देखरेख करेगी. यह कदम सत्तारूढ़ अवामी लीग और विपक्षी दलों के बीच बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया, जिससे लोकतांत्रिक पतन की आशंका बढ़ गई. सेना द्वारा "कार्यवाहक चुनाव ढांचे" का समर्थन पिछले राजनीतिक हस्तक्षेपों की याद दिलाता है, और इसका विदेशी संबंधों पर प्रभाव पड़ता है. उल्लेखनीय रूप से, चीन ने सेना समर्थित व्यवस्था को स्थिर करने वाला मानते हुए मौन समर्थन व्यक्त किया, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ ने चुनावी पारदर्शिता पर चिंता व्यक्त की. भारत की स्थिति अभी भी अस्पष्ट बनी हुई है. पूर्वोत्तर में उग्रवाद विरोधी समन्वय के लिए ऐतिहासिक रूप से म्यांमार की सेना के साथ गठबंधन करने वाली नई दिल्ली अब अराकान सेना के उदय से अपनी रणनीतिक गणना को बाधित पाती है, जो भारतीय विद्रोहियों के साथ संबंध बनाए रखती है. भारत की कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट परियोजना, जो राखीन के माध्यम से एक महत्वपूर्ण व्यापार लिंक है, इस क्षेत्र में अराकान सेना के नियंत्रण से गंभीर रूप से प्रभावित हुई है. जवाब में, भारत ने अपनी पूर्वी सीमा पर सुरक्षा अभियान बढ़ा दिए हैं और ढाका और नेपीडॉ दोनों पर गैर-राज्य अभिनेताओं के प्रभाव को रोकने के लिए दबाव डाल रहा है. इस बीच, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे के विस्तार और रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के कथित निष्कासन पर बेचैनी का संकेत दिया है, जिससे सिलहट-मेघालय और त्रिपुरा-चटोग्राम सीमाओं पर तनाव बढ़ गया है. भारत मानवीय गलियारे के माध्यम से अमेरिकी भागीदारी से भी सावधान है, इसे अपने क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए एक अप्रत्यक्ष चुनौती के रूप में देख रहा है. साथ ही, भारत को अपनी एक्ट ईस्ट नीति और बांग्लादेश के सैन्य और नागरिक प्रतिष्ठानों के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों को संतुलित करना चाहिए।

वर्षाजल संचय में शहरी इलाकों पर दें ज्यादा ध्यान

पंकज श्रीवास्तव

बरसात के पानी को विभिन्न माध्यमों से भू-गर्भ में पहुंचाने के प्रयासों के तहत केन्द्र सरकार के ‘कैच-द-रेन अभियान’ के सकारात्मक नतीजे आने लगे हैं। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट में तेलंगाना राज्य इस अभियान के तहत जलसंरक्षण कार्यों में अव्वल रहा है। टॉप टेन राज्यों में छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर और राजस्थान व मध्यप्रदेश क्रमशः तीसरे व चौथे स्थान पर रहे। इस रिपोर्ट का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पिछली भोपाल यात्रा में भी किया। उन्होंने लोकमाता अहिल्या देवी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने जल संरक्षण के लिए जो कार्य किए उन्हीं से प्रेरणा लेकर सरकार कैच-द-रेन अभियान चला रही है। सही मायने में यह एक महत्वपूर्ण अभियान है जिसमें वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण प्राथमिकता से किया जाता है। कुएं, बावड़ी और तालाबों के निर्माण के साथ सूख चुकी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित भी किया जा रहा है। इस रैंकिंग में जिलों की सूची देखें तो मध्यप्रदेश का खंडवा जिला अव्वल है। राजस्थान का भीलवाड़ा दूसरे व छत्तीसगढ़ का बालोद जिला तीसरे स्थान पर है। खास बात यह है कि ये वे जिले हैं जहां पेयजल को लेकर स्थितियां कभी सामान्य

नहीं रहीं। इसलिए लोग यहां जल का महत्व बेहतर तौर पर समझते हैं। क्षेत्रफल व आबादी के आधार पर ये जिले इन प्रदेशों के दूसरे बड़े जिलों से कम है। यदि बड़े जिलों व उनके मुख्यालयों को शामिल किया जाए तो शायद वे रैंकिंग में काफी नीचे रहें। क्योंकि विकास की दौड़ में ये कंक्रीट जंगल बनते जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो जल संचय का काम शहरी इलाकों के मुकाबले पहले ही बेहतर होता आया है। इसलिए बड़े शहरों व बड़े जिलों की रैंकिंग अलग से बनाने से ही पता चल पाएगा कि यहां ‘कैच-द-रेन अभियान’ ने कितनी गति पकड़ी है। भवन निर्माण में अनिवार्य शर्त के रूप में कई शहरों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग को शामिल कर दिया गया है लेकिन ये निर्देश कागजी साबित हो रहे हैं। और तो और सरकारी इमारतों तक में इनकी पालना नहीं हो रही। हकीकत तो यह है कि ग्राउंड वाटर लेवल को कम करने में जितना योगदान ये बड़े शहर दे रहे हैं उतना वाटर री-चार्जिंग में दे रहे हैं या नहीं यह जांचना ज्यादा जरूरी है। भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट बार बार हवाला देती हैं कि अत्यधिक भू-जल दोहन से जमीन के अंदर स्थितियां बदल रही हैं जो भविष्य में भूकंप का कारण बन सकती हैं। यानी हम दोहरी आपदा की तरफ बढ़ रहे हैं। वाटर हार्वेस्टिंग को शहर सरकारों ने अनिवार्य और संपत्ति कर में छूट जैसे प्रावधान भी कर दिए लेकिन इसकी निगरानी की कोई व्यवस्थाएं नहीं हैं। यही नहीं शहरों में वाटर री-चार्जिंग के जो प्राकृतिक स्त्रोत हैं वे भी अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। आम जन की भागीदारी के साथ शहरों में वाटर हार्वेस्टिंग के प्रयास किए जाएं तब जाकर ही बेहतर नतीजों की उम्मीद की जा सकती है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं–शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना– ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय–समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो–चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

अच्छा दिखने के लिए मेकअप कर के घर से बाहर निकलना अब जरूरत सा बन गया है, लेकिन मेकअप के सभी उत्पाद आपके लिए अच्छे हो ये कतई जरूरी नहीं है। कुछ ऐसे उत्पाद भी है जो आपको कुछ समय तक सुंदर तो दिखा देते है लेकिन आपकी त्वचा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते है। आइए, जानते हैं ऐसी ही 5 मेकअप सामग्री के बारे में जिनका इस्तेमाल आपको कम से कम ही करना चाहिए

इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा। भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलेकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इंफेक्शन या फिर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच क्रीम

अधिकांश ब्लीच क्रीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन त्वचा के निकलने, लालिमा या लाल रेशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना बेहतर होगा।

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंठों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों को ब्लॉक कर सकते हैं।

हेयर कलर

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती है जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही अपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि , 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग–अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रैंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रेंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने–जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग–अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो–हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।

हिसार-चंडीगढ़ के लिए चलेगी फ्लाइट, सरकार ने दी मंजूरी

हिसार। हरियाणा सरकार ने हिसार से चंडीगढ़ के लिए फ्लाइट को मंजूरी दे दी है। फ्लाइट अगले सप्ताह 9 जून से शुरू होगी और इसका किराया 2500 से तीन हजार रुपए के बीच होगा। हिसार से चंडीगढ़ की दूरी करीब 252 किमी है। फ्लाइट से यह सफर सिर्फ 45 मिनट का होगा। फ्लाइट लेने के लिए आधे घंटे पहले एयरपोर्ट पर पहुंचना होगा। सड़क मार्ग से गाड़ी या बस में चंडीगढ़ जाने में करीब चार घंटे लगते हैं वहीं ट्रेन में यह दूरी 7 घंटे की है। इसके लिए भी सिर्फ एक ही ट्रेन है। सरकार अयोध्या और दिल्ली की तरह ही सप्ताह में दो दिन के लिए फ्लाइट शुरू कर सकती है। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा होनी बाकी है। हिसार से दिल्ली और हिसार से अयोध्या के लिए फ्लाइट की शुरुआत 14 अप्रैल से हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर हिसार से अयोध्या के लिए पहली उड़ान का शुभारंभ किया था। उड्डयन विभाग के मुताबिक हिसार से अब तक 750 से अधिक यात्री अयोध्या के लिए उड़ान भर चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिसार एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल टर्मिनल की आधारशिला भी रखी थी। इसे इंटरनेशल स्टेंडर्ड के हिसाब से बनाया जा रहा है। यह शंख के आकार जैसा दिखाई देगा। हिसार में 7200 एकड़ जमीन पर एयरपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। इसे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विकल्प के रूप में तीन चरणों में विकसित किया जा रहा है। इसे लेकर हरियाणा सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के बीच मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) हुआ है।

साइकिलिंग को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करने की जरूरत: रितु कटारिया

गुरुग्राम। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिलिंग करके मिसेज हरियाणा 2018 एवं शिक्षिका रितु कटारिया ने साइकिल को भी अन्य कार्यों की तरह अपनी दिनचर्या में शामिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि फिजिकल फिटनेस का साइकिलिंग बेहतर तरीका है। उन्होंने अपने विद्यालय में भी समय कैंप के दौरान मंलवार को बच्चों के बीच साइकिलिंग करके हमेशा साइकिल चलाने का संदेश दिया। रितु कटारिया ने कहा कि गुरुग्राम महानगर में हर तरह का ट्रैफिक काफी बढ़ गया है। हर किसी की आरामदायक सवारी गाड़ी हो गई है, लेकिन आराम के पीछे लोग अपनी फिजिकल फिटनेस पर ध्यान नहीं दे पा रहे। फिटनेस के लिए या तो योगा करें नहीं तो साइकिलिंग करें। जो लोग इन दोनों में से कुछ नहीं कर पा रहे, यह गहन सोच का विषय है। उन्होंने कहा कि साइकिल हमारी संस्कृति का हिस्सा रही। विवाह-शादी में उपहार के रूप में किसी घर में साइकिल का आना महंगी गाड़ी जैसी खुशी देता था। आज साइकिल के शौकीन कम हो गए हैं। बच्चे भी बचपन में तो साइकिल का शौक रखते हैं, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही उनकी भी पसंद गाड़ी हो जाती है। रितु कटारिया ने कहा कि भले ही हम अपनी सुविधा के लिए गाड़ी रखें, लेकिन फिजिकल फिटनेस के लिए सुबह-शाम साइकिलिंग की भी शौक रखें।

रोहतक में पानी के विवाद में दो भाईयों को मारी गोली

रोहतक। गांव बहुअकबर पुर में खेत में पानी के विवाद को लेकर दो भाईयों को गोली मारकर घायल कर दिया। जबकि एक आरोपी भी कस्सी लगने से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस पीजीआई पहुंची और घायलों को पीजीआई में भर्ती कराया। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है। पुलिस के अनुसार गांव बहुअकबर पुर निवासी अजय अपने छोटे भाई रविंद्र के साथ खेत में पानी देने गया हुआ था। इसी दौरान पडौसी विनोद भी वहां पर आ गया और खेत में पानी के टाईम को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। जिस पर विनोद ने देसी कट्टे से दोनों भाईयों पर फायरिंग कर दी, जिससे अजय की छाती और रविंद्र के हाथ के पास गोली लगी। दोनों भाईयों ने विनोद पर कस्सी से हमला कर दिया। इसके बाद विनोद मौके से फरार हो गया। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए और पुलिस को सूचना दी। इसी बीच दोनों को पीजीआई पहुंचाया और मामले का पता चलने पर परिजन भी पीजीआई पहुंच गए। अपराध जांच शाखा दो की टीम ने मौके पर पहुंचकर विनोद को हिरासत में ले लिया और इसके बाद पुलिस टीम पीजीआई पहुंची और घायलों से पता किया। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

जींद में पानी की बर्बादी पर 41 को दिया नोटिस

जींद। गांव ढाकल में जल संरक्षण अभियान दूसरे दिन जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नरवाना से कनिष्ठ अभियंता कुशल पाल व खंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में अभियान के तहत घर-घर जाकर लोगों को जल संरक्षण को लेकर जागरूक किया गया। दूसरी तरफ गांव बीबीपुर में खंड समन्वयक दिनेश मालिक, सफीदों में बलवान सिंह ने रत्ताखेड़ा, जुलाना में सोमलता सैनी ने अनूपगढ़, पिल्लूखेड़ा में सुरेंद्र दुग्गल ने बूढ़ाखेड़ा व उचाना में गांव दुर्जनपुर में कुशल शर्मा ने अभियान चलाकर लोगो को नोटिस दिए। जिला सलाहकार रणधीर मताना ने बताया कि इस मौके पर आज टीम ने जिले में 457 घरों का सर्वे किया। जिसमें बिना टेप के 95 कनेक्शन व्यर्थ में पानी बहते मिले। जिले में 74 लोगो को नोटिस भी दिया गया। उन्होंने बताया कि नरवाना में खुले में चल रहे नलों पर टेप लगवाने के लिए दो दिन का समय दिया गया था, अन्यथा विभाग उनके कनेक्शन काटेगा। अभियान के दौरान 14 ऐसे उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किया गया जिनके कनेक्शन पर टेप नहीं लगी हुई थी और वे खुले में चल रहे थे, 27 ऐसे लोगों के नाम नोटिस जारी किया गया ।

गुरुग्राम से पुराना नजफगढ़ रोड के पुनर्निर्माण की संभावनाएं तलाशने का काम शुरू

● अधिकारियों ने कामधेनू गौशाला व सीआरपीएफ चौक की तरफ से रास्ते का निरीक्षण किया

एजेंसी

गुरुग्राम। पुराना नजफगढ़ रोड के संभावित पुनर्निर्माण को लेकर गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा व नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने अधिकारियों की टीम के साथ जायजा लिया। यह सड़क पुराने समय में लोगों द्वारा उपयोग की जाती रही है, जिसे वर्षों से स्थानीय लोग पुराना नजफगढ़ रोड के नाम से जानते हैं। विधायक व निगमायुक्त ने चीफ इंजीनियर विजय ढाका व अन्य इंजीनियरों के साथ कामधेनू गौशाला तथा सीआरपीएफ चौक की तरफ से इस रास्ते का निरीक्षण किया। विधायक मुकेश शर्मा ने बताया कि यदि इस सड़क का पुनर्निर्माण किया जाता है, तो यह गुरुग्राम की यातायात व्यवस्था में एक बड़ा परिवर्तन लाएगा। इस सड़क के माध्यम से द्वारका एक्सप्रेसवे तक पहुंचने का समय मात्र 10 से 15 मिनट रह जाएगा, जिससे स्थानीय निवासियों

के साथ-साथ दिल्ली और गुरुग्राम के बीच संपर्क और भी मजबूत होगा। निगमायुक्त ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस परियोजना की व्यवहार्यता का आकलन करें और सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर प्रस्ताव तैयार करें। यह सड़क भविष्य में एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में कार्य कर सकती है, जो अन्य मार्गों पर दबाव कम करने में सहायक होगी। पुराना नजफगढ़ रोड का पुनर्निर्माण केवल एक सड़क निर्माण परियोजना नहीं है, बल्कि यह एक प्रतीक है उस संभावित परिवर्तन का जो योजनाबद्ध शहरी विकास ला सकता है। वर्षों तक उपेक्षित यह मार्ग अब फिर से चर्चा में है। सही नियोजन और निष्पादन के साथ यह क्षेत्र के लाखों निवासियों के लिए जीवन रेखा बन सकता है। इतिहास से जुड़ी इस सड़क को फिर से आधुनिक परिवहन नेटवर्क का हिस्सा बनाना का यह प्रयास निश्चित ही सराहनीय है। इस मार्ग का सक्रिय उपयोग न केवल द्वारका एक्सप्रेसवे की ओर ट्रैफिक का एक वैकल्पिक रास्ता प्रदान करेगा, बल्कि बस सेवाओं और निजी वाहनों के लिए भी बेहतर सुविधा सुनिश्चित करेगा। इस योजना के धरातल पर उतरने से पुराना नजफगढ़ रोड सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि दिल्ली-एनसीआर के भविष्य का मार्ग बन सकती है।

मुख्यमंत्री से मिले रामबिलास शर्मा, अटेली क्षेत्र के विकास पर हुई चर्चा

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर आवास पर हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा ने शिष्टाचार भेंट की। इस मौके अटेली विधानसभा क्षेत्र से सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस भेंट के दौरान रामबिलास शर्मा ने मुख्यमंत्री की जन हितैषी नीतियों की सराहना की तथा अटेली क्षेत्र के समग्र विकास से संबंधित अपने सुझाव प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और उनके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। रामबिलास शर्मा ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश की प्रगति के लिए किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि वे उनके नेतृत्व में प्रदेश के विकास में हरसंभव योगदान देंगे।

हरियाणा के तीन जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं की मंत्री ने की समीक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने तीन जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक कर वहां की जरूरतों के अनुसार स्वास्थ्य सुविधाओं का रोडमैप तैयार किया है। चंडीगढ़ में कुरुक्षेत्र, अंबाला और कैथल जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों व डीजीएचएस के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें स्वास्थ्य सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का आकलन किया और सुधार के लिए रोडमैप तैयार किया। बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने तीनों जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने रिक्त पदों, चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और कार्यक्षमता, बुनियादी ढांचे के रखरखाव और सार्वजनिक स्वास्थ्य वितरण को प्रभावित करने वाले अन्य प्रमुख विभागीय मुद्दों पर विस्तृत फीडबैक लिया। उन्होंने एंबुलेंस की उपलब्धता, संबंधित उपकरणों और उनकी कार्यप्रणाली के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। मंत्री आरती सिंह राव ने अधिकारियों को रिक्त पदों, विशेष रूप से डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को भरने के लिए भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि खराब उपकरणों की तुरंत मरम्मत की जाए या उन्हें बदला जाए तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि स्वच्छ और रोगी-अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा सके। डीजीएचएस और सीएमओ ने विस्तृत अपडेट साझा किए और मंत्री के निर्देशों को लागू करने और निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने का आश्वासन दिया। बैठक में

डीजीएचएस डॉ. मनीष बंसल, डीजीएचएस (पी) डॉ. कुलदीप सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्लॉट धारक बढ़ी हुई राशि को कम दरों पर जमा कर उठाए लाभ: अभिषेक मीणा

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण दने अपने प्लॉट धारकों को राहत देने के लिए विवादों से समाधान योजना 2024 शुरू की है। इस योजना के तहत अब लोग अपनी लंबे समय से बकाया बढ़ी हुई राशि को कम दरों पर जमा कर सकते हैं।उपायुक्त अभिषेक मीणा ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पुराने विवादों को खत्म करते हुए लोगों को आसान तरीके से भुगतान करने का अवसर देना है। इस योजना में कोई कानूनी झंझट नहीं है, लोग सीधे ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस योजना का लाभ उठाने की अंतिम तारीख 30 जून है। उपायुक्त ने बताया कि यह योजना आवासीय प्लॉट, फ्लैट्स, दुकानों, गेस्ट हाउस, और अन्य संपत्तियों पर लागू होती है। इस योजना को लेकर लोगों में अच्छी रुचि भी देखी जा रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ अब तक प्रदेश भर में 590 से ज्यादा लोग उठा चुके हैं। उन्होंने बताया कि यह योजना विभिन्न श्रेणियों के

अंतर्गत आने वाली आवासीय प्लाट, फ्लोरवाइज रजिस्ट्रेशन, ग्रुप हाऊसिंग सोसायटी साथ ही संस्थागत व औद्योगिक प्लाट वाले सभी आबंटियों और प्लाट धारकों के लिए उपलब्ध है। उपायुक्त ने सभी पात्र प्लॉट धारकों से अपील की है कि वे समय रहते ऑनलाइन आवेदन कर इस योजना का लाभ उठाएं और बकाया बढ़ी हुई राशि का भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जो भी एचएसवीपी प्लाट धारक इस योजना के दायरे में आते हैं, वे पोर्टल पर जाकर आवेदन करते हुए बकाया बढ़ी हुई राशि से छुटकारा पा सकते हैं।

जींद में डीटीपी अमले ने अवैध निर्माणों को गिराया

एजेंसी

जींद। जिला नगर योजनाकार अमले ने सफीदों रोड पर बने अवैध निर्माणों को जेसीबी की सहायता से गिरा दिया। कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तथा ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात रहा। जिला नगर योजनाकार अंजू जून ने साफ चेताया कि अवैध रूप से अतिक्रमणों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध निर्माणों को लेकर जिला नगर योजनाकार ने निर्माण करने वाले लोगों को नोटिस भी जारी किए और अवैध रूप से किए गए निर्माणों को हटाने के बारे में कहा। बावजूद इसके अवैध निर्माण करने वाले लोगों ने अपने निर्माणों को नहीं हटाया। जिला नगर योजनाकार अमला पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर सफीदों रोड पर पहुंचा और एक- एक कर सड़क के साथ कृषि योग्य जमीन पर बनाए गए

कमर्शियल बिल्डिंग को गिरनाने का काम किया। गौरतलब है कि कई स्थानों पर सड़कों के साथ कृषि योग्य जमीन पर अवैध रूप से निर्माण किए गए हैं और अवैध रूप से कालोनियां काटी गई हैं। नियमानुसार कृषि योग्य जमीन को रिहायश में बदलने के लिए जिला नगर योजनाकार से

अवैध निर्माणों को लेकर जिला नगर योजनाकार ने निर्माण करने वाले लोगों को नोटिस भी जारी किए और अवैध रूप से किए गए निर्माणों को हटाने के बारे में कहा।

अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना जरूरी है। जिसके लिए सरकार द्वारा गाइड लाइन भी जारी की हुई है। बावजूद इसके नियमों को ताक में रखकर धड़ल्ले से अवैध रूप से निर्माण किए जा रहे हैं।

जस्टिस नरेश सिंघल ने रवाना की जागरूकता मोबाइल वैन

एजेंसी

सिरसा। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेश सिंघल ने कोर्ट परिसर से जागरूकता मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वैन जिला के गांव-गांव जाकर आमजन को कानून संबंधी जानकारी व योजनाओं के प्रति जागरूक करेगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि यह अभियान पूरे जून में जिला सिरसा, डबवाली व ऐलनाबाद के विभिन्न गांवों में चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य विधिक सहायता को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि मोबाइल वैन को पैनल अधिवक्ता साधना मित्तल व पैरा लीगल वॉलंटियर सोनिया के साथ रवाना किया गया। वैन के माध्यम से 'न्याय सबके लिए' संदेश का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस अभियान के तहत आमजन को आगामी 12 जुलाई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा कृषि, समाज कल्याण, श्रम कल्याण, चुनाव संबंधी योजनाएं तथा नालसा एवं हालसा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

पानीपत रिफाइनरी में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस,कार्यक्रमों का आयोजन

एजेंसी

पानीपत। पानीपत रिफाइनरी में विश्व पर्यावरण दिवस से पूर्व, पर्यावरण संरक्षण हेतु कई तरह की गतिविधियों का आयोजन किया गया । पानीपत रिफाइनरी टाउनशिप में विश्व पर्यावरण दिवस पांच जून के उपलक्ष्य में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में साइक्लोथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

साइकिल दिवस प्रतिवर्ष तीन जून को साइकिल चलाने के लाभों और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु मनाया जाता है।इस साइक्लोथॉन का शुभारंभ एम.एल. डहरिया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, द्वारा झंडी दिखाकर किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 500 स्कूली बच्चों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित किया। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 400 बच्चों ने सक्रिय भागीदारी की।

इस अवसर पर डहरिया ने प्रतिभागियों को फलदार एवं औषधीय पौधे भी भेंट किए। इस अवसर 50 औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया। इस अवसर पर डहरिया ने कहा कि हमे स्वस्थ और फिट रहने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु साइकिल चलाने जैसी गतिविधियों को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

इससे न केवल पर्यावरण स्वच्छ रहेगा, बल्कि भविष्य में एक स्वस्थ पीढ़ी के निर्माण और विकास में भी योगदान मिलेगा।

हिसार संघर्ष समिति ने अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई के लिए जिला नगर योजनाकार को सौंपा पत्र

एजेंसी

हिसार। हिसार संघर्ष समिति के अध्यक्ष जितेंद्र श्योराण ने जिला नगर योजनाकार अधिकारी दिनेश कुमार को पत्र सौंपकर शहर में जगह-जगह कॉलोनाजइर्स द्वारा काटी जा रही अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि कैमरी रोड पर राधिका धाम के नाम से अनअप्रूव्ड कॉलोनी काटी गई है जिसके प्लॉट्स को आम जनता में अप्रूव बताकर बेचा जा रहा है। यह कॉलोनी 'रेरा' की शर्तों को पूरा नहीं करती, कॉलोनी में स्कूल, हॉस्पिटल, व पार्क आदि के लिए जगह छोडऩा जरूरी होता है जिसकी जगह कॉलोनी में नहीं छोड़ी गई है। इसके अलावा जिस जमीन पर यह कॉलोनी काटी गई है वह आर जोन में नहीं आती जो कि नियमों के खिलाफ है। इसलिए राधिका धाम तथा इस जैसी अन्य कॉलोनियों को काटने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। डीटीपी दिनेश कुमार ने समिति को पूरा आश्वासन दिया कि नियमों के विरुद्ध जिसने भी कॉलोनी काटी हैं उन पर जरूर कार्यवाही की जाएगी।जितेंद्र श्योराण ने बताया कि ये कॉलोनाइजर इन कॉलोनियों को अप्रूव्ड बताकर लोगों को अपने झांसे में लेकर उनकी खून-पसीने की कमाई को लूटने का काम करते हैं। इन कॉलोनियों में मकान बनाने पर विभाग द्वारा आम जनता के मकानों को तोड़ा जाता है जबकि इसके असली जिम्मेवार ये कॉलोनाइजर होते हैं। विभाग को चाहिए कि इसकी भरपाई उन्हें कॉलोनाइजर्स से करनी चाहिए न कि वह आम जनता के सपनों के घर को तोड़े।जितेन्द्र श्योराण ने बताया कि हिसार शहर के आसपास के क्षेत्रों में अवैध रूप से कॉलोनियां काटी जा रही है इनमें कॉलोनाजइर भोले भाले लोगों को अपने झांसे में लेकर लूटने का काम करते हैं। विभाग द्वारा ऐसे अवैध कॉलोनाइजरों पर ततत्परता से कार्रवाई कर रोक लगाने का काम किया जाए ताकि आमजन को इन लुटेरों से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि आम नागरिक का सपना होता है कि उसका शहर में एक मकान हो और वह अपने परिवार एवं बच्चों को अच्छी शिक्षा व अन्य सुविधाएं प्रदान कर सके।

डीसी ने बहादुरगढ़ में जल निकासी और सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया

एजेंसी

झज्जर। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बहादुरगढ़ क्षेत्र में जल निकासी और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने कसार लिंक ड्रेन, मुंगेशपुर ड्रेन, एचएसवीपी, पब्लिक हेल्थ के एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) सहित सेक्टर-2, 6 व 7 में नालों व सड़कों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए डीसी ने कहा कि जिले में सफाई व्यवस्था, जल निकासी और अतिक्रमण को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति पर काम किया जा रहा है। सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की चूक न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर सफाई कार्यों के निरीक्षण का कार्य जारी रहेगा। संबंधित एसडीएम को भी जल निकासी नालों और ड्रेन के सफाई कार्य की निरंतर समीक्षा करने को कहा गया है। इस मौके बहादुरगढ़ के एसडीएम नसीब कुमार, नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता

अमन मोर, ईशान, परिषद के कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला, तहसीलदार जगदीश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान डीसी ने नागरिकों से अपील की कि वे सड़कों और नालों पर अतिक्रमण न करें, खुले में पॉलीथिन न फेंके और शहर को स्वच्छ बनाने के अभियान में सहयोग करें।

उपायुक्त ने नगर परिषद अधिकारियों को शहर में सफाई को लेकर रोजाना की प्रगति रिपोर्ट फोटोग्राफ्स सहित उन्हें भेजने के निर्देश दिए, ताकि रीयल टाइम मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य की नियमित समीक्षा की जाएगी और किसी भी स्तर पर कोताही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा के चहुंमुखी विकास के शिल्पकार थे चौ. भजन लाल : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एंव पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि हरियाणा के पूर्व मूख्यमंत्री स्व. चौ. भजनलाल विरले इंसान थे, जिन्होंने सदैव समाज के गरीब, पिछड़े तथा कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया। भले ही वे आज हमारे बीच मौजूद नहीं है, परंतु जनता अपने महान नेता को सदैव अपने दिलों में जिंदा रखेगी। पिछले 14 वर्षों में मुझे पारिवारिक, सामाजिक तथा राजनीतिक स्तर पर उनकी बहुत कमी महसूस हुई, परंतु एक अद्वितीय शक्ति के रूप में वे सदा मेरे साथ रहेंगे और उनके संस्कार मुझे लोगों के हितों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देते रहते हैं।कुलदीप बिश्नोई ने स्व. चौधरी भजन लाल की 14वीं पुण्यतिथि पर आदमपुर स्थित उनकी समाधी पर पुष्पाजंलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम, विधायक रणधीर पनिहार ने भी भजनलाल की समाधी पर पुष्प अर्पित कर उन्हें शत-शत नमन किया। चौ. भजन लाल की 14वीं बरसी पर हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों में लोगों ने रक्तदान शिविर, हवन यज्ञ तथा गरीबों, बच्चों को फल वितरित करके उन्हें याद किया। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि स्व. चौ. भजन लाल राजनीति में होते हुए भी सदैव सामाजिक रहे। कुलदीप ने कहा कि चौ. भजन लाल ने सत्ता में रहते प्रदेश की 36 बिरादरी के लिए एक समान विकास कार्य करवाए तथा राज्य के हर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करवाया। चाहे एसवाईएल के निर्माण का मामला हो या फिर प्रदेश की राजधानी चंडीगढ़ को पंजाब को सौंपने का फैसला, हर एक अंतरराज्यीय मसले पर चौ. भजन लाल ने हरियाणा प्रदेश की वकालत पूरे दमदार तरीके से की। मानेसर में टेक्नीकल हब व औद्योगिक नगरी बन चुके गुडग़ांव का ब्लू प्रिंट तैयार करवाना, एक परिवार को एक रोजगार योजना लागू करना, पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करके 25 वर्षों के बाद दोबारा जिला परिषदों का गठन करना व महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था करना, ग्रामीण क्षेत्रों को दिन भर में 16 घंटे बिजली उपलब्ध करवाना आदि उनके मुख्यमंत्री काल की उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त है।

लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.40 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी के दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार की मजबूती और बढ़ी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दिन के पहले सत्र में बिकवाली के दबाव के बीच खरीदार यदा-कदा लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली का दबाव काफी बढ़ गया, जिसके कारण शेयर बाजार को संभलने का मौका नहीं मिल सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.78 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही।

पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करेगा आईआईसीए, कॉर्पोरेट प्रशासन और विकास को आगे बढ़ाएगा

नई दिल्ली। समावेशी राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय क्षमता निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पूर्वोत्तर में कॉर्पोरेट प्रशासन उत्कृष्टता और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान (आईआईसीए) ने क्षेत्र में अपना पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करने की घोषणा की है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि कॉर्पोरेट प्रबंधन और विकास को बढ़ावा देते हुए आईआईसीए पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर खोलेगा। आईआईसीए शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। इसमें प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेवआईएनई) के तहत निवेश होगा। मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री की पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेविने) के तहत 100.95 करोड़ रुपये के निवेश से समर्थित, शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। आईआईसीए ने अपने पहले क्षेत्रीय परिसर के लिए मेघालय के न्यू शिलांग टाउनशिप में पांच एकड़ भूमि का औपचारिक अधिग्रहण किया है। भूमि हस्तांतरण और अधिग्रहण का कार्य मेघालय सरकार की ओर से योजना विभाग के संयुक्त सचिव के. हिनीवता और भारत सरकार की ओर से उप-सचिव शेखर श्रीवास्तव ने किया।

मादक पदार्थ का नेटवर्क खत्म करने के लिए एआई-संचालित तरीका अपनाए डीआरआई : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) से तस्करी, मादक पदार्थों और अवैध व्यापार से निपटने के लिए एक समग्र और प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। सीतारमण ने कहा कि एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए। सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र स्थित केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत डीआरआई के नए मुख्यालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित?त मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए। इसके दृश्यमान और अंतिम परिणाम सामने आने चाहिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' -यही वह भावना है जिसके साथ हमें आगे बढ़ते रहना है।

ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स की स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री, खरीदारी के सपोर्ट से फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। सप्लाई चेन सॉल्यूशंस और लॉजिस्टिक सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में बढ़त के साथ एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉम पर इसकी एंट्री 4.44 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 141 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के साथ ही खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण पहले दो घंटे का कारोबार होने के बाद दोपहर 11ः15 बजे ये शेयर 8.15 प्रतिशत के मुनाफे के साथ उछल कर 146 रुपये के स्तर तक पहुंच गया था। ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स का 40.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 9.36 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 14.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.87 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

भारत और फ्रांस को द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए करना चाहिए काम - पीयूष गोयल

एजेंसी

पेरिस। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और फ्रांस को द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा 15 अरब डॉलर के स्तर से बढ़ाने की पर्याप्त गुंजाइश है। भारत-फ्रांस सीईओ फोरम में केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि दोनों देशों को उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों में गहन सहयोग की दिशा में काम करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, 'हम केवल 15 अरब डॉलर से संतुष्ट नहीं हो सकते। क्योंकि इसकी गुंजाइश कहीं ज्यादा है।' उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पर्यटन, मैन्युफैक्चरिंग और वैश्विक क्षमता केंद्रों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सीईओ फोरम के तहत निजी क्षेत्र में संयुक्त कार्य समूह बनाने का सुझाव दिया। केंद्रीय मंत्री गोयल ने यह भी घोषणा की कि भारत और फ्रांस व्यापार और नियामक बाधाओं को दूर करने में व्यवसायों की मदद

करने के लिए राजदूत स्तर पर एक फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म को एक्टिव करेंगे। उन्होंने कहा, 'इससे हमें व्यापार के नए क्षेत्र खोजने और विनियमन के दायरे को पार करने में एक-दूसरे का समर्थन करने में मदद मिलेगी।' उन्होंने बताया कि भारतीय व्यवसाय अक्सर यूरोपीय संघ के जटिल नियामक वातावरण से भ्रमित होते हैं। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, यह एक उलझन है, खासकर तब जब प्रत्येक यूरोपीय संघ के सदस्य देश के अपने नियम हैं। केंद्रीय मंत्री ने फिर से पुष्टि की कि भारत और यूरोपीय संघ 2025 के अंत से पहले एक व्यापक व्यापार समझौते को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ भी बैठक की और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों और भारतीय शिपिंग सेक्टर में बड़े अवसरों पर चर्चा की।केंद्रीय मंत्री गोयल ने पेरिस में ब्रिटेन के कारोबार एवं व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स और सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री डॉ. माजिद बिन अब्दुल्ला अल-कसाबी के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी योजना बनाई है। पीयूष गोयल फ्रांस और इटली की आधिकारिक यात्रा पर हैं, जो प्रमुख यूरोपीय भागीदारों के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, केंद्रीय मंत्री गोयल की यात्रा एक मजबूत और समावेशी वैश्विक विकास के लिए एक साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।

जी. किशन रेड्डी ने सीएमपीएफओ के सी केयर्स संस्करण 2.0 का शुभारंभ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफओ) का एक वेब पोर्टल सी केयर्स संस्करण 2.0 लांच किया, जिसे सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने विकसित और डिजाइन किया है। कोयला खान भविष्य निधि संगठन कोयला क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से भविष्य निधि और पेंशन योजनाओं के प्रशासन के लिए 1948 में स्थापित एक स्वायत्त संगठन है। यह संगठन वर्तमान में लगभग 3.3 लाख भविष्य निधि ग्राहकों और कोयला क्षेत्र के 6.3 लाख पेंशनभोगियों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त के साथ-साथ कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और आयुक्त, सीएमपीएफओ भी उपस्थित थे।

मंत्रालय के मुताबिक इस पोर्टल का वर्तमान संस्करण कोयला श्रमिकों, कोयला, प्रबंधन और सीएमपीएफओ को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर पीएफ, पेंशन संवितरण को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

सोने की कीमत बढ़कर करीब 97,000 रुपए हुई, चांदी एक लाख रुपए के पार

एजेंसी

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली और 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर करीब 97,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत एक लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 187 रुपए बढ़कर 96,867 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि सोमवार को 96,680 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 88,730 रुपए हो गई है, जो कि पहले 88,559 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 72,650 रुपए हो गया है, जो कि पहले 72,510 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भारी इजाफा देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में चांदी की कीमत 2,669 रुपए बढ़कर 1,00,460 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 97,761 रुपए प्रति किलो थी।

एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन

त्रिवेदी ने कहा कि 2000 रुपए की रैली के बाद गोल्ड का प्रदर्शन एमसीएक्स पर 97,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर करीब सपाट रहा। अमेरिकी में अहम आर्थिक आंकड़ों से पहले सोना कंसोलिडेशन फेस में है। उन्होंने आगे कहा कि सोने आने वाले समय में 95,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से लेकर 99,500 रुपए प्रति 10 ग्राम की रेंज में रह सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। सोना 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,384 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 34.46 डॉलर प्रति औंस पर था। 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,705 रुपए या 27.18 प्रतिशत बढ़कर 96,867 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 14,443 रुपए या 16.17 प्रतिशत बढ़कर 1,00,460 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है। इसके अतिरिक्त रुपए में आज 16 पैसे की गिरावट हुई, जिसके कारण डॉलर के मुकाबले घरेलू मुद्रा 85.53 पर बंद हुई।

भारत बनाएगा अपना पहला ध्रुवीय अनुसंधान पोत, जीआरएसई से समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत का पहला ध्रुवीय अनुसंधान पोत (पीआरवी) बनाने के लिए कोलकाता की फर्म गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने नॉर्वे की कंपनी कोंग्सबर्ग के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। अब भारत के लिए स्वदेशी रूप से पहला ध्रुवीय अनुसंधान पोत (पीआरवी) बनाने का रास्ता साफ हो गया है पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि 2 जून को ओस्लो, नॉर्वे में समुद्री व्यापार मेले नॉरशिपिंग के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ये एमओयू भारत की कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और नॉर्वे की कोंग्सबर्ग कंपनी के साथ किए गए हैं। इस अवसर पर केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थि?ति थे। मंत्रालय के मुताबिक जीआरएसई और नोग्सबर्ग के बीच

यह समझौता भारत के जहाज निर्माण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि इसे पीआरवी विकसित करने के लिए डिजाइन विशेषज्ञता प्राप्त होगी। साथ ही राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीओपीआर) की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाएगा, जो इसका उपयोग ध्रुवीय और दक्षिणी महासागर क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों के लिए करेगा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल नोर-शिपिंग कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नॉर्वे की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। साथ ही वे डेनमार्क की भी यात्रा करेंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक समुद्री क्षेत्र के नेताओं के साथ समुद्री संबंधों को और मजबूत करना है।

कैट-मेटा ने 'व्यापार सखी' कार्यक्रम किया लॉन्च, महिला व्यापारियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की पहल

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में समावेशी आर्थिक विकास और महिला-उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत कारोबारी संगठन कन्?फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने मेटा के साथ संयुक्त रूप से 'व्यापार सखी' कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसका उद्देश्य देशभर में महिला व्यापारियों को डिजिटल टेक्नोलॉजी के ज़रिए अपने व्यापार को सशक्त बनाना है। नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में 150 से अधिक महिला उद्यमियों ने भाग लिया तथा अपने अनुभव, विचार और उद्यमिता की यात्रा की प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद तथा कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में महिला उद्यमिता विजन के तहत शुरू किया गया 'व्यापार सखी' कार्यक्रम महिला उद्यमियों, विशेषकर छोटे शहरों और ग्रामीण भारत की महिलाओं को डिजिटल टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। इस पहल के जरिए महिलाओं को सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे अपने व्यापार को बढ़ा और विस्तारित कर सकें। खंडेलवाल ने कहा कि कैट देशभर के संभावित खरीदारों से महिला उत्पादकों को जोड़ने के लिए एक मैचमेकिंग प्रणाली विकसित करेगा, जिससे उनके उत्पादों को नई बाजार संभावनाएं और व्यापक दृश्यता मिलेगी। इस अवसर पर मेटा इंडिया के वाइस प्रेजिडेंट एवं पब्लिक पॉलिसी हेड शिवनाथ ठुकराल ने इस पहल के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि 'व्यापार सखी' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नारी शक्ति और महिला-नेतृत्व वाले विकास के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कैट और मेटा की यह साझेदारी दर्शाती है कि किस प्रकार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा दिया जा सकता है और डिजिटल भारत में महिला उद्यमियों को सशक्त किया जा सकता है।

स्टॉक मार्केट में एस्टोनिया लैब्स की प्रीमियम एंट्री, पहले दिन मुनाफे में रहे आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉस्मेटिक्स और फार्मा प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी एस्टोनिया लैब्स के शेयरों ने आज बढ़त के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री की। पूरे दिन के कारोबार में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद कंपनी के शेयर बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 1.81 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 137.45 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण ये शेयर उछल कर 140 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफावसूली के कारण इसमें गिरावट भी दर्ज की गई। बाजार में दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद कंपनी के शेयर 1.48 प्रतिशत मुनाफे के साथ 137 रुपये के स्तर पर बंद हुए। एस्टोनिया लैब्स का 37.67 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.79 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 0.70 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.60 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27.90 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

मॉयल ने मई में 18 फीसदी सालाना वृद्धि के साथ किया रिकॉर्ड उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की मिनीरत्न मॉयल लिमिटेड ने मई महीने में सर्वाधिक मैंगनीज अयस्क उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने मई, 2025 में 1.71 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (सीपीएलवाई) की तुलना में 18 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि है। यह मई के लिए अबतक का सबसे ज्यादा और स्थापना के बाद से चौथा सबसे अधिक मासिक उत्पादन है। इस्पात मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि वित?त वर्ष 2025-26 के लिए आशाजनक वातावरण बनाते हुए मॉयल ने मई में अबतक का सबसे उच्चतम प्रदर्शन के साथ साल की शुरुआत की है, जो मजबूत परिचालन परिदृश्य को दर्शाता है। मंत्रालय के मुताबिक कंपनी ने मई, 2025 में 1.71 लाख टन मैंगनीज

अयस्क उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 18 फीसदी अधिक है। इसके अलावा अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग 13,352 मीटर तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.5 फीसदी अधिक है, जो संसाधन क्षमता के विस्तार में मॉयल के रणनीतिक प्रयास का परिणाम है। मॉयल लिमिटेड के सीएमडी अजित कुमार सक्सेना ने इस उपलब्धि के लिए सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा, ÷हमारी खदानें मॉयल की सफलता की रीढ़ हैं। इस प्रदर्शन के साथ हमने दिखाया है कि अनुशासित संचालन और कुशल अभ्यास लगातार बाधाओं को तोड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यह मई महीने के लिए अब तक का सबसे अधिक उत्पादन और स्थापना के बाद से चौथा सबसे अधिक मासिक उत्पादन है। उल्लेखनीय है कि मॉयल लिमिटेड एक मिनीरत्न सरकारी मैंगनीज अयस्क खनन कंपनी है जिसका मुख्यालय नागपुर में है। यह कंपनी 50 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी के साथ भारत में मैंगनीज अयस्क का सबसे बड़ा उत्पादक है।

टाटा का हैरियर ईवी भारत में लॉन्च, शुरुआती कीमत 21.49 लाख रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने घरेलू बाजार में अपनी इलेक्ट्रिक वाहन श्रृंखला का विस्तार करते हुए एक और इलेक्ट्रिक कार टाटा हैरियर ईवी को आधिकारिक तौर पर बिक्री के लिए लॉन्च किया है। इसकी कीमत 21.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है, जिसकी बुकिंग्स 2 जुलाई से शुरू होगी। टाटा की हैरियर ईवी दो बैटरी पैक विकल्पों के साथ उपलब्ध है, जिसमें एक बड़ा 75 द्घड्ढद्ध विकल्प भी शामिल है। टाटा मोटर्स ने बैटरी पैक पर लाइफटाइम वारंटी की घोषणा की है। यह मॉडल ऑटो पार्क असिस्ट, छह टेरेन मोड और 55 से अधिक कनेक्टेड कार सुविधाओं सहित विभिन्न सुविधाओं से लैस है। हैरियर ईवी भारत में अब तक की सबसे अच्छी घरेलू एसयूवी है। यह (बिजली चालित वाहन) इलेक्ट्रिक एसयूवी 6.3 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। एक बार चार्ज करने पर 500 किलोमीटर तक चलाया जा

सकेगा। यह 390bhp की पावर और 504Nm का टॉर्क जनरेट करता है। साथ ही इसमें 502-लीटर का बूट स्पेस मिलता है। कंपनी को उम्मीद है कि नई इलेक्ट्रिक एसयूवी मुख्यधारा के प्रीमियम एसयूवी खंड के ग्राहकों को आकर्षित करेगी, जिसकी वर्तमान में प्रति माह लगभग 25,000 इकाई की बिक्री होती है। उल्लेखनीय है कि वाहन निर्माता टाटा मोटर्स की हैरियर ईवी कंपनी के acti.ev+ आर्किटेक्चर पर बनी इलेक्ट्रिक एसयूवी है। ये नया मॉडल टाटा की छठी इलेक्ट्रिक पेशकश है, इससे पहले टियागो ईवी, टिगोर ईवी, पंच ईवी, नेक्सॉन ईवी और कर्व ईवी लॉन्च हो चुके हैं।

पीएनबी ने शिक्षा लोन पर ब्याज दर में 0.20 फीसदी की कटौती की

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने विद्यालक्ष्मी योजना के तहत शिक्षा लोन पर ब्याज दर में 20 आधार अंकों (बीपीएस) यानी 0.20 फीसदी की कटौती की है। इस संशोधन के साथ शिक्षा ऋण संस्थानों के आधार पर 7.5 फीसदी से शुरू होगा। पंजाब नेशनल बैंक की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि यह पहल शिक्षा की सुलभता बढ़ाने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

विद्यालक्ष्मी योजना विद्यार्थियों को गुणवत्ता-संचालित उच्च शिक्षा के वास्ते व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। विद्यालक्ष्मी योजना को गुणवत्ता-संचालित उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। पीएम-विद्यालक्ष्मी के नाम से भी जानी जाने वाली यह योजना एक विशेष शिक्षा ऋण उत्पाद है जो बिना किसी जमानत और बिना किसी गारंटर के है। यह शिक्षा ऋण उन छात्रों के लिए उपलब्ध है जो अपनी योग्यता के आधार पर भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेते हैं।

स्टॉक मार्केट में प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स की प्रीमियम एंट्री, आईपीओ निवेशकों को पहले दिन 20.24 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। वोल्टेज स्टेबलाइजर, यूपीएस सिस्टम और इनवर्टर सिस्टम बनाने वाली कंपनी प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 105 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 125 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 120 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ खरीदारी शुरू हो जाने के कारण ये शेयर उछल कर 130 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफावसूली के कारण इसमें गिरावट भी दर्ज की गई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में निचले स्तर पर हुई खरीदारी के कारण ये शेयर रिकवर करके 126.25 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 20.24 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स का 168 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की

ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 96.68 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 102.67 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 222.13 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 39.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1.60 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 10.87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 19.35 करोड़ रुपये और 2023-24 में 22.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 22 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 259.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी को 22.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 270.27 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

17 साल का सूखा खत्म, आरसीबी बनी आईपीएल चैंपियन, फाइनल में पंजाब को 6 रन से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 6 रनों से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की ट्रॉफी जीत ली है। इस जीत के साथ आरसीबी ने 17 साल के सूखे को समाप्त किया है। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पहले बैटिंग करते हुए 190 रन बनाए, जिसके जवाब में पंजाब की टीम 184 रन ही बना सकी। 191 रनों के लक्ष्य की पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को दो अनकैप्ड ओपनर प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दिलाई। लेकिन प्रियांश 24 रन बनाकर आउट हो गए। फिर जोश इंग्लिश ने प्रभसिमरन के साथ पारी को आगे बढ़ाया। एक समय पंजाब का स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 72 रन था। उसके बाद 26 रन और बनते-बनते तीन विकेट गिर गए। कप्तान श्रेयस

अय्यर सिर्फ एक रन बना सके। जबकि नेहल वढ़ेरा ने 15 और मार्कस स्टायनिश ने 6 रन का योगदान दिया। हालांकि दूसरे छोर पर शशांक सिंह मोर्चा संभाले रहे और टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाते रहे। आखिरी ओवर में टीम को जीत के लिए 29 रन की जरूरत थी और शशांक तमाम कोशिशों के बाद भी मात्र 22 रन ही बना सके। इस तरह पंजाब लक्ष्य से 6 रन पीछे रह गई। आरसीबी की ओर से क्रुणाल पांड्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में मात्र 17 रन खर्च कर दो अहम विकेट चटकाए। वहीं, भुवनेश्वर कुमार ने भी दो विकेट अपने नाम किए। जबकि यश दयाल, जोश हैजलवुड और रोमारियो शेपर्ड को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की शुरुआत तेज रही लेकिन फिल सॉल्ट जल्दी आउट हो गए। सॉल्ट ने 9 गेंदो में 16 रन बनाए। फिर विराट कोहली ने मयंक अग्रवाल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। मयंक ने 24 रन बनाए। इसी प्रकार छोटी-छोटी साझेदारी बनती रही और टीम आगे बढ़ती गई। कप्तान रजत पाटीदार ने 26, कोहली ने 43, लियाम लिविंगस्टन ने 25. रोमारियो शेपर्ड ने 17 और जितेश शर्मा ने 24 रन का योगदान किया।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिप: एशियन किंग्स ने ट्रांस टाइटंस को 7 विकेट से हराकर दर्ज की पहली जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिप अब अपने निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है। खेले गए मुकाबले में एशियन किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रांस टाइटंस को 7 विकेट से मात दी और लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रांस टाइटंस की टीम ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। जेसी राइडर ने आक्रामक अंदाज में 81 रन (45 गेंद, 12 चौके, 3 छक्के) की बेहतरीन पारी खेली। हालांकि उनके साथी बल्लेबाज हिमांग सिर्फ 15 रन बना सके। मध्यक्रम में आसिफ मंसूरी (31) और प्रशांत गुज्जर (41 रन, 22 गेंद) ने तेज़ी से रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एशियन किंग्स की शुरुआत संयमित रही। इम्तियाज अहमद (25) और तिलकरत्ने दिलशान (26) ने पहले विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। इसके

> **टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रांस टाइटंस की टीम ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए।**

बाद क्रीज पर आए अंकित नरवाल ने मोर्चा संभालते हुए शानदार नाबाद 69 रन (45 गेंद, 6 चौके, 4 छक्के) बनाए और टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। उनका साथ निभाया परवेज़ अज़ीज़ ने, जिन्होंने 20 गेंदों में 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकराया

एजेंसी

वेलिंगटन। पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकरा दिया है और संभावना है कि वे अगले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्वीकार नहीं किया था ताकि वे दुनिया भर में टी20 और अन्य लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र रहें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया था और 2024 में न्यूजीलैंड के 13 टेस्ट में से नौ में खेलते हुए 1,000 से ज्यादा रन बनाए। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से जारी 20 खिलाड़ियों की कॉन्ट्रैक्ट सूची में विलियमसन का नाम नहीं था। इसके साथ ही डेवोन कॉनवे, फिन एलन, टिम सिफर्ट और लॉकि फर्ग्यूसन भी शामिल नहीं थे क्योंकि ये खिलाड़ी भी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा ले रहे हैं। विलियमसन के फिर से कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने की संभावना है। टिम साउथी के रिटायर होने के बाद आलराउंडर मोहम्मद अब्बास और जैक फोल्क्स, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इसके अलावा ईश सोढ़ी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन भी टीम में शामिल हैं।

पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर सम्मानित

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस लाइन में तैनात महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 410 किलोग्राम भार उठाकर अव्वल आने पर आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों के साथ सम्मानित किया। पुष्पा चाहर ने बदायूं में आयोजित बदायूं में आयोजित पावर लिफ्टिंग में 410 किलोग्राम भार उठाकर प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता।

इसके अलावा उन्होंने मेरठ में भी पावर लिफ्टिंग में गोल्ड जीता है। पुष्पा चाहर ने स्ट्रांग वूमन का खिताब भी जीता। सोमवार को एसएसपी सतपाल अंतिल ने उन्हें अपने दफ्तर में सम्मानित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह, सदर कोतवाली की क्षेत्राधिकारी सुनीता दहिया भी मौजूद रहीं।

इंडोनेशिया ओपन: मालविका बंसोड़ पहले दौर के मैच के दौरान हुई रिटायर

नई दिल्ली। भारतीय शटलर मालविका बंसोड़ को इंडोनेशिया ओपन 2025 के राउंड ऑफ 32 में स्थानीय खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वर्दानी के खिलाफ मैच के बीच में चोट लगने के कारण रिटायर होना पड़ा। बंसोड़ 21-16, 16-15 की बढ़त बनाए हुए थीं, तभी उनके घुटने में चोट लगने के कारण उन्हें 54 मिनट के खेल के बाद मैच छोड़ दिया। भारतीय लेफ्ट हैंडर कोर्ट के पीछे से शॉट वापस करने की कोशिश कर रही थीं, तभी उनका बायां पैर फिसला और वह

गिर पड़ीं। उन्हें दर्द में बायें घुटने को पकड़ते देखा गया। उन्होंने मेडिकल सहायता ली और वापसी की कोशिश की, लेकिन कोर्ट में हिलने-डुलने पर काफी दर्द महसूस होने के कारण खेल जारी नहीं रख पाईं। 23 वर्षीय मालविका इस सीजन थाईलैंड ओपन, मलेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड ओपन में तीन बार राउंड ऑफ 16 तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन अभी तक इस साल किसी भी टूर्नामेंट में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय नहीं कर पाई हैं।

इंडोनेशिया ओपन में सिंधु ने रोमांचक मुकाबले में दर्ज की जीत, लक्ष्य सेन बाहर

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने इंडोनेशिया ओपन के पहले दौर (राउंड ऑफ 32) में जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराते हुए तीन गेमों के रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की और लक्ष्य सेन को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने यह मुकाबला 22-20, 21-23, 21-15 से अपने नाम किया, जो कुल 1 घंटा 19 मिनट तक चला। पहला गेम जीतने के बाद लग रहा था कि सिंधु मुकाबला सीधे गेमों में निपटा लेंगी, लेकिन ओकुहारा ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को तीसरे गेम तक खींच लिया। तीसरे गेम में सिंधु ने लगातार बढ़त बनाए रखी और ओकुहारा को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

आईपीएल 2025 में हार के बावजूद पंजाब किंग्स के प्रदर्शन से संतुष्ट कोच रिकी पोंटिंग

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से 6 रन से हारने के बावजूद पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम के समग्र प्रदर्शन की सराहना की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिकी पोंटिंग ने कहा कि जिस अंदाज में हमने इस पूरे सीजन में क्रिकेट खेला है, वह काफी मनोरंजक रहा है। एक कोच के तौर पर जब आप अपनी टीम के बारे में ऐसा कह सकते हैं, तो ये गर्व की बात है। हो सकता है कि आज हमारी युवा मिडिल ऑर्डर की थोड़ी अनुभवहीनता हार का कारण बनी हो, लेकिन मैं जानता हूं कि प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह और नेहाल वढेरा जैसे खिलाड़ी भविष्य में हमें कई मैच जिताएंगे। पोंटिंग ने हार का ठीकरा पिच या हालात पर नहीं फोड़ा। उन्होंने कहा कि हम कोई बहाना नहीं बना रहे हैं। शशांक सिंह ने खुद कहा कि यह पिच पूरे सीजन की सबसे बेहतरीन पिच थी। बस हमने पावरप्ले के आखिरी ओवरों में थोड़ी रफ्तार खो दी और कुछ अहम विकेट गंवा दिए। 11 साल बाद फाइनल खेली पंजाब की टीम, अगला सीजन होगा और बेहतरपंजाब किंग्स ने 11 साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल टीम काफी युवा है और हम अगले सीजन में और भी मजबूत होकर लौटेंगे। टीम में लाया गया है नया ल्चरपोंटिंग ने टीम की मानसिकता और कार्यशैली में बदलाव लाने को भी अपनी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा,

फाइनल में जगह बनाई थी। इस उपलब्धि को लेकर पोंटिंग ने कहा, कुछ दिन पहले ही हम इस मैदान पर अपनी एक शानदार जीत का जश्न मना रहे थे, जिसने हमें फाइनल में पहुंचाया। आज हम थोड़ा मायूस हैं। लेकिन ये जब मुझे कोच नियुक्त किया गया था, तभी मैंने साफ कर दिया था कि मैं टीम का माहौल बदलना चाहता हूं। चीजों को एक नई दिशा में ले जाना चाहता हूं और मुझे लगता है कि हम उसमें सफल रहे हैं।

आईपीएल 2025 जीत के बाद आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार ने कहा-विराट कोहली और फैंस इस ट्रॉफी के सबसे बड़े हकदार

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के फाइनल में पंजाब किंग्स पर 6 रन की रोमांचक जीत दर्ज कर रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) ने 18 साल में पहली बार खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने जीत के जश्न के बीच दिल खोलकर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने इसे विराट कोहली और आरसीबी फैंस के लिए खास पल बताया।

मैच के बाद रजत पाटीदार ने कहा, मेरे लिए ये बेहद खास है और विराट कोहली के लिए तो और भी ज्यादा। जो फैंस सालों से हमारी टीम को सपोर्ट कर रहे हैं, ये जीत उन्हीं के नाम है। वे इस ट्रॉफी के असली हकदार हैं। जब उनसे पूछा गया कि कब लगा कि टीम ट्रॉफी जीत सकती है, तो रजत बोले, मुझे लगता है क्वालिफायर-1 के बाद ये विश्वास हुआ कि हम इस बार अच्छा कर सकते हैं। उस समय हमारी टीम की लय और आत्मविश्वास देखने लायक था। पहली पारी में आरसीबी ने 190 रन बनाए थे। इस पर रजत ने कहा, इस पिच पर 190 रन अच्छा स्कोर था, क्योंकि विकेट थोड़ी धीमी थी। गेंदबाजों ने अपनी योजना को जिस तरह से अंजाम दिया, वो काबिल-ए-तारीफ था। खासकर क्रुणाल पांड्या ने जिस समय गेंदबाजी की, वो टर्निंग पॉइंट था। उनका स्पेल (4 ओवर, 17 रन, 2 विकेट) शानदार था। वह हमेशा दबाव में विकेट निकालते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं जब भी दबाव में होता हूं तो देखता हूं कि 'केपी+ यानी क्रुणाल कहां हैं। मुझे उन पर बहुत भरोसा है। उनके अलावा सुयश, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, हेज़लवुड - सभी गेंदबाजों ने पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली की 18 साल की आरसीबी यात्रा पर रजत ने कहा, मेरे लिए उनके साथ कप्तानी करना एक बड़ा अवसर

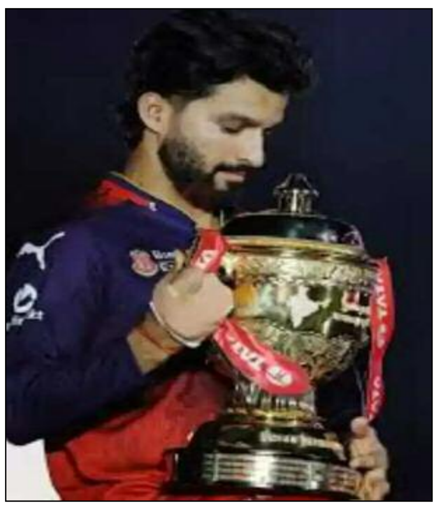

था। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। वह इस खिताब के सबसे बड़े हकदार हैं। उन्होंने हमेशा टीम, मैनेजमेंट और हर खिलाड़ी का समर्थन किया। जिस तरह से कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया, वो कमाल का था।

आईपीएल 2025 में दिल्ली को बड़ी उपलब्धि, अरुण जेटली स्टेडियम को मिला 'बेस्ट पिच एंड ग्राउंड' अवॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सफल आयोजन के बाद दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) को बड़ी उपलब्धि मिली है। बीसीसीआई (बीसीसीआई) ने अरुण जेटली स्टेडियम को 'बेस्ट पिच एंड ग्राउंड' अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान पिच की गुणवत्ता, आउटफील्ड की देखरेख और संपूर्ण ग्राउंड प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए दिया गया है।

इस पुरस्कार के जरिए आईपीएल 2025 के दौरान ग्राउंड स्टाफ द्वारा किए गए शानदार कार्य को मान्यता मिली है। पूरे टूर्नामेंट में अरुण जेटली स्टेडियम ने खिलाड़ियों को न केवल प्रतिस्पर्धात्मक विकेट प्रदान किया, बल्कि दर्शकों को भी बेहतरीन अनुभव दिया। इस अवसर पर डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, यह अवॉर्ड

हमारे क्यूरेटर, स्टाफ और प्रबंधन की अथक मेहनत का परिणाम है। हम क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्वस्तरीय स्टेडियम बनाने डीडीसीए की उपाध्यक्ष शिखा कुमार ने कहा, यह सम्मान हमारे उस विज़न को मान्यता देता है जिसमें हम अरुण जेटली स्टेडियम को एक वर्ल्ड-क्लास क्रिकेट वेन्यू बनाना चाहते हैं। यह दिल्ली क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है। सचिव अशोक शर्मा ने कहा, हर शानदार मैच के पीछे एक मेहनती टीम होती है जो दिन-रात काम करती है। यह अवॉर्ड उसी जुनून और प्रोफेशनलिज्म का प्रतीक है। संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर ने कहा, इस सम्मान से हम बेहद उत्साहित हैं। यह हमें खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए और बेहतर सुविधाएं विकसित करने के लिए प्रेरित करता है। कोषाध्यक्ष हरीश सिंगला ने कहा, यह उपलब्धि न केवल हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और योजनाबद्धता का भी प्रमाण है।

खो-खो के वैश्विक विकास को सशक्त बना रहा है केकेएफआई

एजेंसी

गुरुग्राम। खो-खो के वैश्विक विकास को सशक्त बनाने और इसके वैज्ञानिक व तकनीकी आधार को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) के तत्वावधान में विश्वभर के कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए एडवांस्ड लेवल III-A प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया है। यह कोर्स 2 जून को श्री गुरु गोबिंद सिंह टर्सेंटेनरी (एसजीटी) विश्वविद्यालय, बुढेड़ा में शुरू हुआ है और 15 जून तक चलेगा। इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्रीलंका, बांग्लादेश, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कोरिया और मलेशिया जैसे सात देशों के लगभग 20 अंतरराष्ट्रीय कोच और अधिकारी भाग ले रहे हैं, जिनके साथ भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 50 कोच और 65 तकनीकी अधिकारी भी शामिल हैं। कोचों के प्रशिक्षण सत्र 2 जून से 11 जून तक आयोजित किए जा रहे हैं, इसके बाद 12 जून से 15 जून तक तकनीकी अधिकारियों के लिए सत्र आयोजित किए जाएंगे। यह एडवांस्ड लेवल III-A कोर्स न केवल तकनीकी उत्कृष्टता बल्कि खेल के समग्र विकास को भी ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। दो सप्ताह के दौरान, प्रतिभागी बायोमैकेनिक्स और मूवमेंट विश्लेषण, रिकवरी के लिए ऑटोजेनिक ट्रेनिंग, खो-खो में स्पोर्ट्स साइंस का परिचय, खेलों में डोपिंग के प्रति जागरूकता, खेल मनोविज्ञान, वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग और आईकेकेएफ द्वारा निर्धारित नवीनतम नियमों जैसे विषयों में प्रशिक्षण लेंगे।

नॉर्वे शतरंज 2025 राउंड 8: हिकारू ने गुकेश को दी मात, कोनेरू हम्पी महिला वर्ग में आगे

एजेंसी

स्टावेंगर (नॉर्वे)। नॉर्वे शतरंज 2025 के आठवें राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस राउंड का सबसे चर्चित मैच विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा के बीच खेला गया, जिसमें नाकामुरा ने जीत दर्ज की। शुरुआत से ही हिकारू नाकामुरा ने आक्रामक अंदाज़ में खेलते हुए गुकेश को दबाव में ला दिया। पिछले दो राउंड में जबरदस्त बचाव करने वाले गुकेश इस बार नाकामुरा के हमलों के आगे टिक नहीं सके और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से नाकामुरा को पूरे तीन अंक मिले। एक और अहम मुकाबले में भारतीय शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी की फबियानो कारुआना से लंबी और कठिन जंग चली। एंडगेम में कारुआना थोड़े बेहतर स्थिति में दिखे, लेकिन समय के दबाव में

उन्होंने एक निर्णायक चूक कर दी। एरिगैसी ने इसका फायदा उठाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया और तीन अंक हासिल किए। दिन का अंतिम मुकाबला चीन के वेई यी और विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के बीच खेला गया, जो नियमित समय में बिना किसी खास हलचल के ड्रॉ पर समाप्त हुआ। हालांकि, आर्मगेडन मुकाबले में वेई यी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्णायक अंक हासिल किए। महिला वर्ग में भी आठवें राउंड में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत की अनुभवी खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने ईरान की सारा खादेम के खिलाफ जटिल स्थिति से बाज़ी को अपने पक्ष में मोड़ा। खुलेपन से ही हम्पी ने जटिल पोजिशन तैयार की और इसे सटीक अंदाज़ में जीत में बदल दिया। हालांकि, समय की कमी के चलते उन्होंने एक गंभीर चूक की, जिससे सारा खादेम के पास वापसी का मौका था लेकिन उस मौके को भुनाने में असफल रहीं और हम्पी ने तीन अंक पक्के किए। बाकी दो मुकाबले–अन्ना मुजिचुक बनाम लेई टिंगजी और आर. वैशाली बनाम जू वेनजून मैच नियमित खेल में जल्दी ही ड्रॉ पर समाप्त हुए। हालांकि, आर्मगेडन गेम में अन्ना मुजिचुक और वैशाली ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए अतिरिक्त अंक हासिल किए। पॉइंट टेबल में स्थिति अब बेहद रोचक हो गई है और दोनों वर्गों में अगला राउंड मुकाबलों को और भी रोमांचक बना सकता है।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 टूर्नामेंट अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 प्रतियोगिता का आयोजन अब 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पहले यह इवेंट 24 मई को होना तय था, लेकिन सुरक्षा कारणों और देश के प्रति एकजुटता के भाव के चलते इसे पुनः निर्धारित किया गया है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने मंगलवार को जानकारी दी कि यह भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक टूर्नामेंट होगा, जो नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह भारत में अब तक का सबसे उच्च स्तर का अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मुकाबला होगा। प्रतियोगिता की अगुवाई ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन नीरज चोपड़ा करेंगे। नीरज चोपड़ा क्लासिक टूर्नामेंट का उद्देश्य दुनिया भर की शीर्ष प्रतिभाओं को भारत में लाना और देश के नए एथलीट्स को प्रेरणा देना है।

आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-3: पार्थ सालुंखे की चमक से बढ़ी भारत की उम्मीदें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के युवा तीरंदाज पार्थ सालुंखे की हालिया सफलता ने भारतीय तीरंदाजी में नई ऊर्जा भर दी है। शंघाई में हुए आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-2 में अपना पहला विश्व कप पदक जीतकर चर्चा में आए 21 वर्षीय पार्थ अब अंताल्या में बुधवार से शुरू हो रहे स्टेज-3 में दम दिखाने को तैयार हैं।

टोक्यो चैंपियन और कोरियाई दिग्गज को दी मात

महाराष्ट्र के सतारा से ताल्लुक रखने वाले पार्थ ने शंघाई में अपने जबरदस्त प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। उन्होंने पहले राउंड में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन मेटे गजोज़ को शूट-ऑफ में हराया और फिर क्वार्टरफाइनल में दो बार के ओलंपिक टीम गोल्ड मेडलिस्ट कोरियाई खिलाड़ी किम जे-डियोक को सीधे सेटों में मात दी।

सेमीफाइनल में वह कोरियाई दिग्गज किम वू-जिन के खिलाफ 0-4 से पिछड़ने के बाद 4-4 की बराबरी पर आए, लेकिन निर्णायक सेट में करीबी मुकाबले में हार गए। इसके बावजूद, उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में पेरिस ओलंपिक रजत विजेता बैप्टिस्ट एडिस को हराकर अपना पहला वर्ल्ड कप पदक हासिल किया।

दबाव में नहीं डगमगाए पार्थ

हालांकि पार्थ क्वालिफिकेशन राउंड में भारतीय तीरंदाजों में सबसे पीछे 60वें स्थान पर रहे थे, लेकिन एलिमिनेशन राउंड में उन्होंने गजब की मानसिक मजबूती दिखाई। उनके अनुसार, मेरा फोकस सिर्फ पदक पर नहीं था, मैं देखना चाहता था कि मैंने जो प्रैक्टिस की है, वो मैच में उतार पाता हूं या नहीं। पार्थ की इस प्रेरक सफलता से भारतीय पुरुष रिकर्व टीम - जिसमें तरुणदीप राय, अतानु दास और धीरज बोम्मदेवरा शामिल हैं - को भी प्रेरणा मिली है। शंघाई में ब्रॉन्ज मेडल प्लेऑफ में अमेरिका से हारकर मेडल से चूकने वाली यह टीम अंताल्या में वापसी करना चाहेगी। महिला वर्ग में दीपिका कुमारी ने मां बनने के बाद जबरदस्त वापसी की है। शंघाई में उन्होंने कांस्य पदक जीता और सेमीफाइनल में कोरियाई लिम सिह्यॉन से हार गईं। दीपिका की निगाहें अब अपने पहले विश्व कप गोल्ड पर हैं जो उन्होंने आखिरी बार 2021 में जीता था।

भारत ने शंघाई में कुल सात पदक (2 स्वर्ण, 1 रजत, 4 कांस्य) जीतकर कोरिया के बाद दूसरा स्थान हासिल किया था। कंपाउंड वर्ग में भारत का दबदबा रहा, जहां मधुरा धमणगांवकर ने व्यक्तिगत स्वर्ण जीता और ओजस देओताले, ऋषव यादव और अभिषेक वर्मा की टीम ने भी गोल्ड पर कब्जा किया।

आईपीएल खिताब जीतने पर कोहली ने कहा-ये जीत आत्मा को सुकून दे रही है

एजेंसी

अहमदाबाद। 18 साल का लंबा इंतज़ार, अनगिनत कोशिशें और अंततः विराट कोहली को वह पल मिला जिसका वह हर सीजन में इंतज़ार करते थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीत ली। मैच के बाद विराट कोहली ने कहा कि ये खिताबी जीत उनकी आत्मा को सुकून दे रही है। विराट कोहली ने मैच के बाद कहा, मैंने इस टीम को अपनी जवानी दी है, अपना प्राइम टाइम और अपना अनुभव दिया। हर साल यही सपना देखा कि ट्रॉफी जीतूं। आज ये सपना पूरा हुआ, यकीन नहीं हो रहा। जैसे ही आखिरी गेंद डाली गई, मैं भावुक हो गया। ये जीत मेरी आत्मा को सुकून देती है। मैं आईपीएल में आखिरी दिन तक इसी टीम के लिए खेलूंगा। ये खिताब मेरे करियर के सबसे ऊपर है। टेस्ट क्रिकेट को लेकर भी विराट ने अपनी भावना जताते हुए कहा, ये जीत मेरे दिल के बहुत करीब है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की अहमियत इससे कहीं ज्यादा है। जो युवा खिलाड़ी हैं, उन्हें मैं कहूंगा कि टेस्ट को सम्मान दो। अगर टेस्ट में परफॉर्म करोगे, तो दुनिया भर में इज्जत मिलेगी। विराट

के अलावा खिताबी जीत पर क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार समेत टीम के कई सितारों की भावनाएं छलक पड़ीं। मैन ऑफ द मैच रहे क्रुणाल पांड्या ने फाइनल में धीमी गेंदों से कमाल कर दिया। उन्होंने कहा, पहली पारी में ही अंदाजा लग गया था कि स्लो बॉल ही कारगर रहेगी। हिम्मत चाहिए इस फॉर्मेट में ऐसा करने की, लेकिन मैंने हालात को पढ़ा और खुद पर भरोसा किया। मैंने पहले दिन ही कहा था कि इस बार जीतना है और पांड्या परिवार के पास अब 11 में 9 ट्रॉफी हो गई हैं! टीम के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने कहा,ये टीम 18 साल से इस दिन का इंतजार कर रही थी। एबी डिविलियर्स, कोहली - सबने दिल से कोशिश की थी। हमारे पास सभी ज़रूरी स्किल थे और विश्वास था कि हम जीत सकते हैं। एंडी फ्लावर और मो बोबट की योजना और मेहनत ने इस टीम को आकार दिया। भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि क्रुणाल की गेंदबाज़ी ने पूरा मैच बदल दिया। उन्होंने कहा, हम जानते थे कि 190 रन आसान नहीं होंगे, लेकिन क्रुणाल की स्पेल ने सब कुछ पलट दिया। जॉश हेज़लवुड ने विराट की भावना को लेकर कहा, ये जीत विराट के लिए सब कुछ है। उन्होंने सालों इस टीम के लिए खेला है और आज का परिणाम उन्हें बहुत सुकून देगा।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

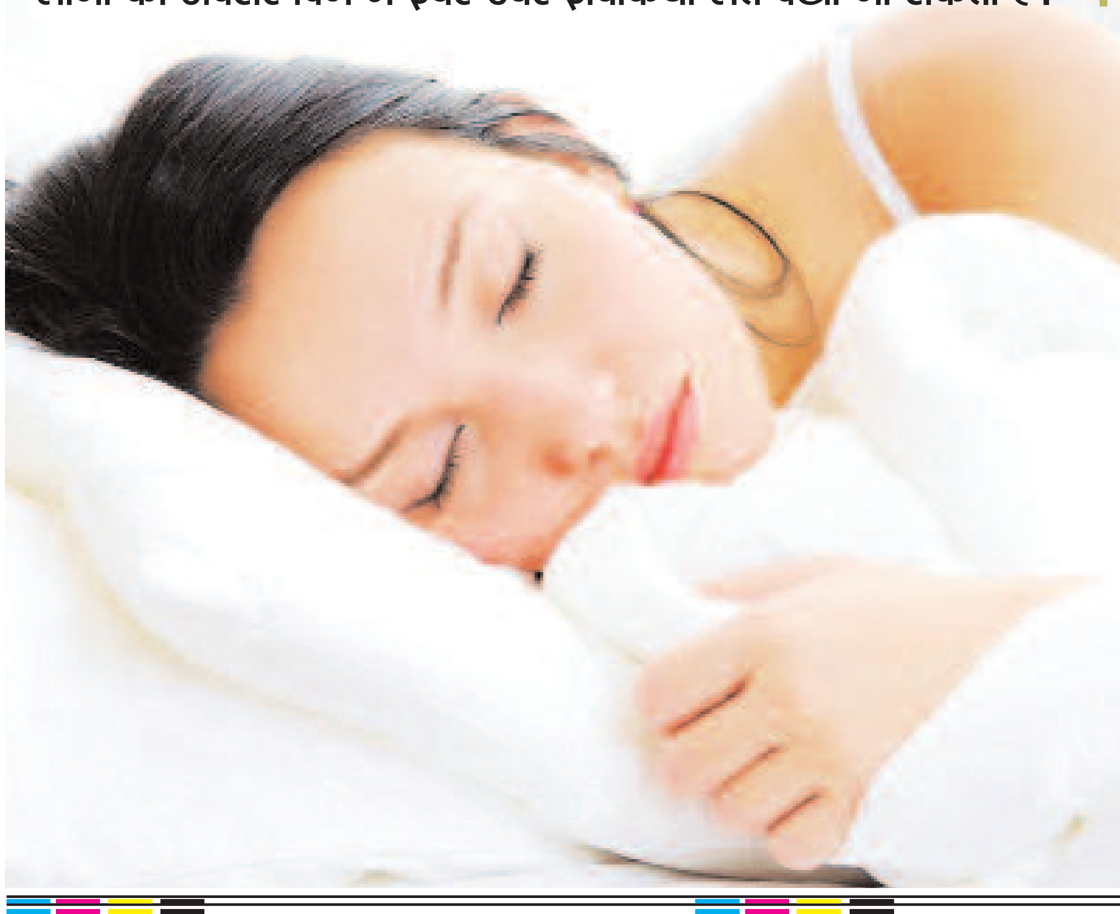

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिसि तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

कभी सिर्फ 500 रुपये कमाती थीं

सोनाक्षी सिन्हा

अब हैं इतने करोड़ की मालकिन

हिंदी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का जन्म शत्रुघ्न सिन्हा के घर 2 जून 1987 को हुआ था. अपना 38वां जन्मदिन मना रहीं सोनाक्षी सिन्हा ने पिता की राह पर चलते हुए बॉलीवुड में बतौर एक्ट्रेस अपनी शुरुआत साल 2010 की फिल्म 'दबंग' से की थी. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और सोनाक्षी को खास पहचान मिल गई. सोनाक्षी ने शुरुआत में फिल्म इंडस्ट्री में जबरदस्त सफलता हासिल की, लेकिन बाद में उनका करियर ढलान पर चला गया.

सोनाक्षी सिन्हा ने 'दबंग' में सलमान खान के साथ काम किया था. इसके बाद उन्होंने 'राउडी राठौर' और 'हॉलिडे' जैसी हिट फिल्मों में अक्षय कुमार के साथ काम किया. जबकि अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार' में नजर आईं. हालांकि इसके बावजूद वो बड़ी एक्ट्रेस नहीं बन सकीं. अब उन्होंने फिल्मों में काम करना भी कम कर दिया है. हालांकि फ्लॉप होने के बावजूद सोनाक्षी के पास करोड़ों की दौलत है. लेकिन कभी वो दिन के सिर्फ 500 रुपये कमाती थीं.

500 रुपये कमाती थीं सोनाक्षी

बिहार की राजधानी पटना में पैदा हुईं सोनाक्षी को शुरू से ही घर में फिल्मी माहौल मिला. उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा अपने दौर के दिग्गज एक्टर रहे, हालांकि इसके बावजूद उनकी बेटी को कॉलेज में बतौर वॉलंटियर काम करना पड़ा था.कॉलेज में पढ़ाई के दौरान एक्ट्रेस ने एक फैशन वीक में वॉलंटियर के रूप में काम किया था. इसके लिए उन्हें हर दिन 500 रुपये मिला करते थे. उन्होंने 6 दिनों तक काम किया था. बदले में उन्हें 3 हजार रुपये का चेक मिला था. उस चेक को सोनाक्षी ने अपने माता-पिता को सौंप दिया था जो कि आज तक उनकी मां ने फ्रेम करवा कर घर में रखा है.

कितनी अमीर हैं सोनाक्षी सिन्हा ?

सोनाक्षी ने श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय (एसएनडीटी) से फैशन डिजाइनिंग में ग्रेजुएशन किया था. इसके बाद अपनी मां पूनम सिन्हा द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म 'मेरा दिल लेके देखो' के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में काम किया. जबकि 2008-09 में लैक्मे फैशन वीक में रैंप वॉक भी की. लेकिन 2010 में उन्होंने बॉलीवुड में बतौर एक्ट्रेस एंट्री ली और नाम के साथ ही खूब पैसा भी कमाया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनाक्षी अब 100 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं.

12 साल पहले दोस्ती और प्यार पर आई थी रणबीर-दीपिका की ये ब्लॉकबस्टर फिल्म, बजट से कई गुना ज्यादा हुई थी कमाई

बॉलीवुड के पॉपुलर सितारे रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की ब्लॉकबस्टर फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी. 12 साल पहले रिलीज होने वाली इस फिल्म का नाम 'ये जवानी है दीवानी' है जिसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी. फिल्म के गाने और डायलॉग्स आज भी लोग पसंद करते हैं. रणबीर कपूर की इस फिल्म ने लोगों के दिलों पर अलग ही असर छोड़ा था.फिल्म ये जवानी है दीवानी दोस्ती पर बनी बेस्ट फिल्म मानी जाती है और इसके डायलॉग्स फ्रेंडशिप डे पर शेयर किये जाते हैं. इस फिल्म में रणबीर और दीपिका की लव स्टोरी भी दिखाई गई जो बहुत अलग थी. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की थी और इससे जुड़ी कई अहम जानकारी, आइए बताते हैं.

'ये जवानी है दीवानी' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

31 मई 2013 को फिल्म ये जवानी है दीवानी रिलीज हुई थी जिसे अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया था. इस फिल्म को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया था और इसका म्यूजिक प्रीतम ने तैयार किया था. इस फिल्म में रणबीर कपूर, आदित्य रॉय कपूर, कल्कि केकलां और दीपिका पादकोण लीड रोल में नजर आए.

वहीं उनके अलावा कुणाल रॉय कपूर, एलविन शर्मा, माधुरी दीक्षित, पूर्ना जगन्नाथ, फारुख शेख और तन्वी आज्मी ने भी अहम किरदार निभाए. अगर फिल्म की कमाई की बात करें तो Sacnilk के मुताबिक, फिल्म ये जवानी है दीवानी ने वर्ल्डवाइड 318 करोड़ का कलेक्शन किया था. जबकि फिल्म ने भारत में 188.57 करोड़ का कलेक्शन किया था, फिल्म के बजट की बात करें तो इसका बजट 75 करोड़ रुपए था.

किस ओटीटी पर देख सकते हैं 'ये जवानी है दीवानी' ?

इस फिल्म में 'बद्तमीज दिल', 'बलम पिचकारी', 'इलाही', 'कबीरा', 'दिल्लीवाली गर्लफ्रेंड', 'सुभानअल्लाह', 'घाघरा' जैसे गाने थे जो सुपरहिट हुए और इन्हें आज भी पसंद किया जाता है. अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो इसमें कबीर थापर (रणबीर कपूर) एक खुशदिल इंसान होता है जो अपने बेस्ट फ्रेंड्स अवि (आदित्य रॉय कपूर) और अदिती (कल्कि कोच्लिन) के साथ मनाली ट्रिप पर जाता है.

जब सलमान ने कटरीना को मान लिया था बीवी! अक्षय कुमार के सामने कही थी दिल की बात

सलमान खान और कटरीना कैफ ने साथ में कई फिल्में की हैं. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने बड़े पर्दे पर खूब पसंद किया है. रील लाइफ के अलावा ये जोड़ी रियल लाइफ में भी काफी चर्चाओं में रही. क्योंकि, कभी सलमान खान और कटरीना कैफ एक दूसरे के प्यार में पूरी तरह से कैद थे. दोनों का रिश्ता किसी से छिपा नहीं है. सलमान और कटरीना ने एक दूसरे के साथ अच्छा खासा वक्त बिताया था, लेकिन बाद में दोनों की राहें अलग हो गईं.साथ काम करने के दौरान सलमान खान और कटरीना कैफ की नजदीकियां लगातार बढ़ती चली गईं. दोनों का इश्क लगातार परवान चढ़ते गया. सेलेब्स से लेकर फैंस तक सभी उनके रिश्ते के बारे में जानते थे. एक बार तो सलमान ने अक्षय कुमार के सामने ही कटरीना के लिए अपने दिल की बात कह दी थी और कटरीना को इनडायरेक्टली बीवी कह दिया था.

'आप दोनों एक घर के हो'

अक्षय कुमार और कटरीना कैफ एक बार सलमान खान के शो 'दस का दम' पर पहुंचे थे. सोशल मीडिया पर इस शो की एक वायरल क्लिप में अक्षय कह रहे हैं, मैं नहीं खेल सकता. आप दोनों मिले हुए हो. एक ही घर के हो. मैं पक्की बात बोलता हूं इसके (कटरीना) हाथ पर सब जवाब लिखे होंगे. इसके बाद अक्षय कटरीना के हाथ देखने लगते हैं.

इनडायरेक्टली कहा बीवी

अक्षय की बात सुनने के बाद सलमान ने कहा था, नहीं ऐसा नहीं होता है. क्या आप अपनी बीवी को हर चीज बताते हो ? नहीं ना, मैं भी इनको हर चीज नहीं बताता हूं. फिक्र नहीं कर, इसको कुछ नहीं पता. अगर बताता तो भी मैं तुझे भी बताता. लेकिन, मेरे को भी नहीं पता. यहां सलमान शो में पूछे जाने वाले सवालों के जवाब की बात कर रहे हैं.

बॉक्स ऑफिस पर छाईं कटरीना

कटरीना कैफ की जोड़ी बड़े पर्दे पर सबसे ज्यादा सलमान खान और अक्षय कुमार के साथ ही पसंद की गई है. अक्षय के साथ उन्होंने 'दे दना दन', 'नमस्ते लंदन', 'तीस मार खान', 'सूर्यवंशी', 'हमको दीवाना कर गए' और 'वेलकम' जैसी फिल्में की. जबकि सलमान के साथ 'भारत', 'पार्टनर', 'युवराज', 'मैंने प्यार क्यों किया', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'टाइगर 3' जैसी फिल्मों में नजर आईं.

प्रीति जिंटा

शादी से 7 साल पहले 34 बच्चों की मां बन चुकी है ये एक्ट्रेस, क्रिकेटर श्रेयस अय्यर से है खास कनेक्शन

बॉलीवुड के कई ऐसा पुरानी एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने आज भी लोगों के दिल में अपनी जगह बनाई हुई है. भले ही उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली है, लेकिन वो अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं. ऐसी ही एक एक्ट्रेस की हम भी बात कर रहे हैं, जो कि आज कल काफी चर्चा में छाई हैं. दरअसल, यहां प्रीति जिंटा की बात की जा रही है, जो कि आखिरी बार साल 2018 में फिल्मों में नजर आई थीं. फिलहाल वो IPL 2025 के फाइनल में अपनी टीम पंजाब किंग्स के होने से सुर्खियां बटोर रही हैं.

प्रीति जिंटा ने साल 1998 में शाहरुख खान की फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी, फिल्म का नाम दिल से था. इस फिल्म में एक्ट्रेस ने छोटा सा रोल निभाया था. इस फिल्म के बाद वो क्या कहना में दिखाई दी थीं. हालांकि, फिल्मों में अपनी पहचान बनाने के साथ ही साथ उन्होंने लोगों के दिलों में भी खास जगह बना ली है. साल 2016 में एक्ट्रेस ने अपनी जिंगी को नया मोड़ दिया और उन्होंने शादी रचा ली, लेकिन शादी से 7 साल पहले ही एक्ट्रेस को मां का दर्जा मिल गया था.

34 बच्चों को लिया गोद

दरअसल, जब एक्ट्रेस अपना 34वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही थीं, तो वो दिन उन्होंने और खास बना दिया था. साल 2009 में वो 34 साल की हुई थी, जब उन्होंने 34 अनाथ बच्चों को गोद लेने का फैसला लिया था. इनमें सभी लड़कियां हैं. उस वक्त एक्ट्रेस ने इसके बारे में बात करते हुए इसे एक अनोखा एक्सपीरियंस बताया था. साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि वो इन सभी बच्चों का पूरी तरह से ध्यान रखेंगी और साथ ही वो साल में 2 बार उनसे मिलने ऋषिकेश आया करेंगी.

IPL टीम को लेकर सुर्खियां

एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ की बात करें, तो साल 2021 में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम के जरिए लोगों को जानकारी दी थी कि उन्होंने सरोगेसी के जरिए दो बच्चों जय और जिया का वेलकम किया है. अभी की बात करें, तो वो IPL टीम पंजाब किंग्स को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. एक्ट्रेस की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल में जगह बना ली है.